जन एक्सप्रेस

लखनऊ

वर्ष: 15 । अंक: 273

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper

बुधवार । 17 जुलाई, 2024

आतंकी हमले में कैप्टन समेत 5 जवान शहीद

कैप्टन बृजेश थापा की मां बोलीं, बेटे को सीमा पर नहीं भेजेंगे, तो देश के लिए कौन लड़ेगा

- जम्मू-कश्मीर की डोडा मुठभेड़ में शहीद तीन जवानों में दो राजस्थान के झुंझुनू जिले से
- सर्च अभियान के दौरान आतंकियों ने चलाई गोली, जवाबी फायरिंग के बाद गूंजी गोलियों की आवाज

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। जम्मू

जम्मू कश्मीर के डोडा के देसा वन क्षेत्र में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में मंगलवार को बलिदान हुए सेना के कैप्टन और पांचों जवानों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह के जवानों ने सोमवार देर शाम डोडा शहर से करीब 55 किलोमीटर दूर देसा वन क्षेत्र के धारी गोटे उरबागी में संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। मुठभेड़ में घायल पांचों बहादुरों ने मंगलवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सेना की 16 वीं व्हाइट नाइट कोर ने कहा कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डोडा के उत्तर में सामान्य क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान जारी था। सोमवार रात करीब 9 बजे आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ, जिसके बाद भारी गोलीबारी शुरू हुई। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार देर रात तक गोलीबारी के बाद आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन कैप्टन के नेतृत्व में जवानों ने चुनौतीपूर्ण इलाके और घने जंगल के बावजूद उनका पीछा किया। इसके बाद सोमवार रात करीब 9 बजे फिर से गोलीबारी हुई। मुठभेड़ में पांच जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर मंगलवार को उपचार के दौरान पांचों ने दम तोड़ दिया।

इस साल हुई प्रमुख आतंकी वारदातें

- **15 जुलाई:** डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक अधिकारी समेत चार सैन्यकर्मी बलिदान हुए
- **8 जुलाई:** कठुआ जिले में आतंकवादी हमले में पांच सैन्यकर्मी शहीद और इतने ही घायल हुए
- **7 जुलाई:** राजोरी जिले में सुरक्षा चौकी पर आतंकवादी हमले में एक सैन्यकर्मी घायल
- **26 जून:** डोडा जिले में मुठभेड़ में तीन विदेशी आतंकवादी मारे गए
- **12 जून:** डोडा जिले में आतंकवादी हमले में एक पुलिसकर्मी घायल हुए
- **11/12 जून:** कठुआ जिले में मुठभेड़ में दो विदेशी आतंकवादी मार गिराए। यहां एक सीआरपीएफ जवान बलिदान हुए। इसी दिन डोडा जिले में आतंकवादी हमले में पांच राष्ट्रीय राइफल्स के जवान और एक विशेष पुलिस अधिकारी घायल हुए
- **9 जून:** रियासी जिले में एक बस पर आतंकवादी हमले में नौ तीर्थयात्री मारे गए और 42 घायल हो हुए
- **4 मई 2024:** पुंछ जिले में आतंकवादी हमले में भारतीय वायुसेना का एक जवान बलिदान हो गए और पांच घायल हुए
- **28 अप्रैल:** उधमपुर जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक ग्राम रक्षा गार्ड बलिदान हो गए
- **22 अप्रैल:** राजोरी जिले में आतंकवादियों ने एक सरकारी कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी।

आतंकी संगठन का दावा-12 जवान मारे गए

हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े कश्मीर टाइगर्स ने ली है। संगठन ने दावा किया है कि उनके हमले में आर्मी के कैप्टन समेत 12 जवान मारे गए हैं, जबकि 6 घायल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आर्मी चीफ से बात की

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आर्मी चीफ से मुठभेड़ की जानकारी ली है। जम्मू डिवीजन के डोडा में 34 दिन में यह पांचवां एनकाउंटर है। इससे पहले 9 जुलाई को एनकाउंटर हुआ था। यहां 26 जून को एक और 12 जून को 2 हमले हुए थे। इसके बाद सुरक्षाबलों-आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इसमें 3 आतंकी मारे गए थे।

कोई नया संपर्क नहीं हुआ

मंगलवार सुबह अधिक सैनिकों के साथ इलाके की तलाशी शुरू की गई है। मंगलवार को आतंकवादियों से कोई नया संपर्क नहीं हुआ है। माना जाता है कि वे सीमा पार से घुसपैठ कर आए हैं और पिछले कुछ महीनों से जंगल क्षेत्र में छिपे हुए हैं। इससे पहले 9 जुलाई को किश्तवाड़ जिले की सीमा से लगे घडी भगवा जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद आतंकवादी भागने में सफल रहे।

हमले पर नेताओं के बयान...

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह: आतंकवाद विरोधी अभियान में हमारे बहादुर और साहसी भारतीय सेना के जवानों की मौत से गहरा दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। राष्ट्र मजबूती से उनके साथ खड़ा है।

राहुल गांधी: आज जम्मू-कश्मीर में फिर से एक आतंकी मुठभेड़ में हमारे जवान शहीद हो गए। शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। लगातार हो रहे ये आतंकी हमले जम्मू-कश्मीर की जर्जर स्थिति बयान कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह: मेरे लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में डोडा जिले के डेसा क्षेत्र में सशस्त्र मुठभेड़ की खबरों से बहुत परेशान हूं। हमारे बहादुरों की शहादत पर शोक व्यक्त करने और निंदा करने के लिए शब्द कम हैं। हम सभी मिलकर दुश्मन के नापाक मंसूबों को हराएं और शांति और सद्भाव बनाए रखें, जिसके लिए डोडा हमेशा से जाना जाता है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल: डोडा जिले में हमारी सेना के जवानों और जेकेपी कर्मियों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि। शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। हम अपने सैनिकों की मौत का बदला लेंगे और आतंकवादियों और उनके सहयोगियों के नापाक मंसूबों को विफल कर देंगे।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती: डीजीपी को बर्खास्त कर देना चाहिए, क्योंकि पिछले 32 महीनों में लगभग 50 जवानों की जान जा चुकी है। मौजूदा डीजीपी राजनीतिक तौर पर चीजों को ठीक करने में लगे हैं। उनका काम पीडीपी को तोड़ना, लोगों और पत्रकारों को परेशान करना और लोगों को धमकाना है। वे अधिकतर लोगों पर यूएपीए लगाने के तरीके ढूंढ रहे हैं। हमें यहां फिक्सर की जरूरत नहीं है, हमें एक डीजीपी की जरूरत है। हमारे पास पहले भी दूसरे राज्यों के डीजीपी रहे हैं और उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है।

शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था दो माह के लिए स्थगित

- डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कतों को खत्म करने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

यूपी डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था को दो महीने के लिए स्थगित कर दिया गया है। मामले में शिक्षकों की समस्या के समाधान और डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कतों को खत्म करने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। ये जानकारी प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डॉ. एमकेएस सुंदरम ने दी। बता दें कि मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ बेसिक के शिक्षक संगठनों की हुई वार्ता हुई। जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि शासन ने फिलहाल डिजिटल अटेंडेंस स्थगित करने पर सहमति दी है। जल्द इसका आदेश जारी होगा। शिक्षकों की समस्या के समाधान और डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कत के समाधान के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी। इसमें शिक्षाविद, शिक्षक नेता और अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डा. एमकेएस सुंदरम, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा आदि अधिकारी उपस्थित थे।

6 लाख शिक्षक कर रहे थे विरोध प्रदर्शन

योगी सरकार ने प्राइमरी स्कूलों में 8 जुलाई से शिक्षकों की बायोमेट्रिक हाजिरी का आदेश जारी किया। इसके बाद शिक्षक सड़क पर उतर गए। धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। सरकार ने आधे घंटे का अतिरिक्त समय दिया। तकनीकी दिक्कत आने पर कभी भी हाजिरी लगाने की छूट दी, लेकिन शिक्षकों ने विरोध प्रदर्शन जारी रखा। इसके बाद योगी सरकार ने यह फैसला लिया है। यूपी में प्राइमरी स्कूलों में शिक्षा मित्र से लेकर टीचर तक की संख्या 6 लाख 9 हजार 564 है।

शिक्षक विरोध क्यों कर रहे थे?

- टीचरों को टैबलेट चलाने की ट्रेनिंग नहीं दी गई है।
- गांवों में अक्सर नेटवर्क की समस्या रहती है। इससे अटेंडेंस लगाने में परेशानी आएगी।
- टैबलेट अगर खराब हो गया तो उन्हें अनुपस्थित माना जाएगा।
- कई शिक्षक दूर से स्कूलों में पढ़ाने के लिए आते हैं। वे ट्रैफिक जाम में फंस जाएंगे तो क्या होगा?
- शिक्षकों पर टैबलेट में हाजिरी लगवाने का दबाव बना रहेगा, इसलिए जल्दबाजी में स्कूल पहुंचने में हादसे का भी डर रहेगा।

बायोमेट्रिक अटेंडेंस क्या है?

बायोमेट्रिक्स जैविक माप (बायोलॉजिकल मेजरमेंट) है। इससे किसी भी व्यक्ति की पहचान की जा सकती है। इसके लिए फिंगर प्रिंट, फेस रिकग्निशन, रेटिना स्कैन किया जाता है। शिक्षकों के मामले में फेस रिकग्निशन के जरिए हाजिरी लगाने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री योगी ने दिया था संवाद कर समाधान निकालने का निर्देश

डिजिटल अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों की नाराजगी दूर करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पहले ही सभी डीएम, बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) और सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी (एबीएसए) के साथ मिलकर शिक्षकों व शिक्षक प्रतिनिधियों से संवाद करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने यह भी कहा था कि विद्यालयों में पठन-पाठन सुचारु रूप से चलता रहे, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इससे पहले भी सीएम ने विभागीय अधिकारियों को शिक्षकों से वार्ता कर समाधान निकालने के निर्देश दिए थे। परिषदीय विद्यालयों में आठ जुलाई से शिक्षकों के डिजिटल अटेंडेंस लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसे लेकर शिक्षक पिछले एक सप्ताह से आंदोलनरत थे। सोमवार को भी उन्होंने हर जिले में प्रदर्शन कर सीएम को संबोधित ज्ञापन भेजा।

श्रावण में हर सोमवार विभिन्न स्वरूपों में दर्शन देंगे बाबा विश्वनाथ

- अलग-अलग स्वरूपों में किया जाएगा बाबा विश्वनाथ का श्रृंगार
- सीएम योगी ने सावन में श्री काशी विश्वनाथ धाम में शिव भक्तों के सुगम दर्शन और सुरक्षा का दिया है निर्देश
- दर्शन में श्रद्धालुओं को न हो परेशानी, चाक चौबंद की व्यवस्था में जुटा मंदिर प्रशासन

जन एक्सप्रेस । वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास में काशी विश्वनाथ धाम में आने वाले भक्तों के सुगम दर्शन व सुरक्षा का निर्देश दिया है। वहीं दर्शन में श्रद्धालुओं को भी परेशानी न हो, इसके लिए मंदिर प्रशासन चाक चौबंद व्यवस्था में जुटा है। 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रावण मास के सभी सोमवार को महादेव अलग-अलग रूपों में दर्शन देंगे। इस वर्ष सावन में पांच सोमवार पड़ रहे है। प्रत्येक सोमवार को बाबा विश्वनाथ का अलग अलग स्वरूपों में श्रृंगार किया जाएगा। महादेव का अति प्रिय सावन मास इस वर्ष 22 जुलाई (सोमवार) से प्रारंभ होकर 19 अगस्त (सोमवार) तक चलेगा। शिवमय काशी सावन में अलग ही रंग में दिखती है। श्रावण माह के सभी सोमवार को बाबा अपने विभिन्न स्वरूपों में दर्शन देंगे। प्रत्येक सोमवार को उनके अलग-अलग स्वरूपों में श्रृंगार किया जाएगा। गौरी शंकर स्वरूप का श्रृंगार, अर्धनारीश्वर स्वरूप का श्रृंगार, बाबा का अपने परिवार माता पार्वती, कार्तिकेय और गणेश जी के साथ श्रृंगार होगा।

सोमवार और श्रृंगार का रूप

- **22 जुलाई 2024:** पहला सोमवार-बाबा के चल प्रतिमा का श्रृंगार
- **29 जुलाई 2024:** दूसरा सोमवार-गौरी शंकर (शंकर पार्वती) श्रृंगार
- **05 अगस्त 2024:** तीसरा सोमवार-अर्धनारीश्वर श्रृंगार
- **12 अगस्त-2024:** चौथा सोमवार-रुद्राक्ष श्रृंगार
- **19 अगस्त 2024:** पांचवा सोमवार-शंकर पार्वती गणेश श्रृंगार एवं श्रावण पूर्णिमा वार्षिक झूला श्रृंगार

यूपी में पुलिस की तरह होगी होमगार्ड की भर्ती

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती के लिए शासन ने नई नियमावली बनाने की प्रक्रिया शुरू की

- नई नियमावली में पुलिस की तर्ज पर नियम बनेंगे, सुधरेगी कार्यशैली और कार्यक्षमता
- पहले होमगार्ड्स की भर्ती केवल शारीरिक दक्षता परीक्षा और स्वास्थ्य परीक्षण के बाद मेरिट के आधार पर होती थी

जन एक्सप्रेस । डॉ.वैभव शर्मा

लखनऊ। प्रदेश में जगह-जगह तैनात होने वाले होमगार्ड पुलिस कर्मियों की तरह ही दक्ष होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि उनकी भर्ती प्रक्रिया भी पूरी तरह पुलिस की भर्ती की तर्ज पर ही होगी। योगी सरकार ने कानून व्यवस्था को सुधारने में होमगार्ड की भूमिका बढ़ाने के लिए यह निर्णय लिया है। अब उत्तर प्रदेश में होमगार्ड भी पुलिस से कम नहीं होंगे। उनकी भर्ती भी पुलिस की तरह ही होगी। इसके लिए नई नियमावली में पुलिस की तर्ज पर नियम बनेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती के लिए शासन ने नई नियमावली बनाने की प्रक्रिया शुरू भी कर दी है। अब होमगार्ड्स को लिखित परीक्षा के बाद चयनित किया जाएगा। इससे पहले होमगार्ड्स की भर्ती केवल शारीरिक दक्षता परीक्षा और स्वास्थ्य परीक्षण के बाद मेरिट के आधार पर होती थी।

भर्तियों में पूर्व सैनिक, एनसीसी, आपदा मित्रों को तवज्जो दी जाएगी

सूत्रों की मानें तो होमगार्ड्स की भर्ती के लिए दशकों पुरानी व्यवस्था को खत्म किया जाएगा। नई नियमावली में पुलिस भर्ती की तरह नियम बनेंगे, ताकि होमगार्ड भी किसी से कमतर न रहे और अन्य सुरक्षा बलों की तरह पूरे आत्मविश्वास के साथ कानून-व्यवस्था और सुरक्षा जुड़े अपने उत्तरदायित्व को पूरा कर सकें। सीएम योगी ने हाल ही में 42 हजार होमगार्ड की भर्ती की दो चरणों में करने की घोषणा की थी। नई नियमावली में लिखित परीक्षा कराने वाली कार्यदायी संस्था का नाम भी तय कर दिया जाएगा। इसके अलावा शारीरिक दक्षता परीक्षा में होने वाली पुरुषों की 1500 मीटर और महिलाओं की 400 मीटर की दौड़ में भी बदलाव हो सकता है। भर्तियों में पूर्व सैनिक, एनसीसी, आपदा मित्रों को नई नियमावली में खास तवज्जो दी जाएगी।

13 सालों से होमगार्ड्स की भर्ती नहीं हुई है

बीते 13 सालों से होमगार्ड्स की भर्ती नहीं हुई है। इसकी वजह से मौजूदा समय में कार्यरत तकरीबन 25 हजार होमगार्ड आगामी पांच सालों में रिटायर्ड हो जाएंगे, जिससे कर्मचारियों का बड़ा संकट हो जाएगा। 2011 में जारी शासनादेश के मुताबिक, होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती साल में दो बार करने का प्रावधान किया गया था। हर साल के 31 मार्च और 30 सितंबर को रिक्तियों के सापेक्ष भर्तियां करने का नियम था। सीधी भर्ती करने का अधिकार विभागीय चयन समिति को दिया गया था।

कानपुर एक्सप्रेस

कानपुर और उन्नाव की खबरों को पढ़ने के लिए देखें पेज 3और11

जन एक्सप्रेस फाइटर जी कहिन को इस Qr-code के माध्यम से सर्च करें

पंतनगर हो या इंद्रप्रस्थनगर, हर निवासी की सुरक्षा और संतुष्टि हमारी जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

- कुकरैल नदी पुनर्जीवन परियोजना से प्रभावित परिवारों से बोले मुख्यमंत्री योगी, निश्चिंत रहें, खुश होकर घर जाएं
- फ्लड प्लेन जोन में शामिल निजी मकानों पर लाल निशान लगाने का कोई औचित्य नहीं, ऐसा करने वालों की जवाबदेही तय की जाए: सीएम
- मुख्यमंत्री से मिलकर प्रभावित परिवारों के चेहरे खिले, समस्या का हुआ तत्काल समाधान, कहा 'योगी हैं तो यकीन है'
- अधिकारियों को मुख्यमंत्री का निर्देश, क्षेत्र में जाएं, लोगों से मिलकर उनका भय और भ्रम दूर करें, जनसुविधाओं का भी करें विकास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बीते एक माह से अपने सपनों के घर को तोड़े जाने की भ्रामक खबरों से परेशान पंतनगर, इन्द्रप्रस्थनगर एवं रहीमनगर आदि क्षेत्रों के लोगों की समस्या का समाधान कर दिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचे प्रभावित परिवारों के भय और भ्रम का समाधान करते हुए ने मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि पंतनगर हो या इंद्रप्रस्थ नगर, वहां निवासरत लोगों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। संबंधित प्रकरण में एनजीटी के आदेशों के क्रम में नदी के फ्लड प्लेन जोन का चिन्हांकन किया गया है। फ्लड प्लेन ज़ोन में निजी भूमि भी सम्मिलित है। लेकिन निजी भूमि को खाली कराने की न तो वर्तमान में कोई आवश्यकता है और न ही कोई प्रस्ताव है। निजी भूमियों में बने निजी भवनों के ध्वस्तीकरण का कोई विषय विचाराधीन नहीं है। यही नहीं, उन्होंने कहा कि फ्लड प्लेन जोन चिन्हींकरण के दौरान भवन निर्माणों पर लगाये गये संकेतों से आम जन में भय और भ्रम फैला है, इसका कोई औचित्य नहीं था और इसके लिए जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री ने उक्त क्षेत्र में साफ-सफाई व जनसुविधाओं के विकास के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि तत्काल क्षेत्र में विजिट करें, लोगों से मिलें और उनका भय और भ्रम दूर किया जाए। प्रभावित परिवारों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रिवर बेड विकसित करने में यदि कोई निजी भूमि पर बना भवन निर्माण आता है, जिसका प्रमाणित स्वामित्व किसी निजी व्यक्ति का है, उसे नियमानुसार समुचित मुआवजा देकर ही अधिग्रहीत किया जाएगा। मुख्यमंत्री से मिलने के बाद प्रसन्नचित परिवारों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया और योगी हैं तो यकीन है के नारे भी लगाए। बता दें कि कुकरैल नदी को प्रदूषण मुक्त एवं पुर्नजीवित करने के सम्बन्ध में सिंचाई विभाग द्वारा विगत दिनों एनजीटी के आदेशों के क्रम में नदी के फ्लड प्लेन जोन का चिन्हांकन किया गया है। नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा (हस्ब्लन) की अधिसूचना-2016 के क्रम में उक्त कार्यवाही की जा रही है।

सीएम के धन्यवाद के लिए शब्द भी कम

रहीम नगर की गुंजन शुक्ला ने योगी जी का तहेदिल से शुक्रिया किया। बोलीं कि उन्होंने हमारा साथ दिया। हमारे बच्चे और परिवार का भी ख्याल रखा। सीएम के धन्यवाद के लिए शब्द भी कम हैं। हमारा घर बच गया, यही हमारे लिए सबसे खुशी की बात है। माननीय मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नागरिक परेशान न हों, अफवाह फैलाने वालों की सूचना स्थानीय प्रशासन व शासन को उपलब्ध कराई जाए। सीएम ने समस्या का निराकरण किया। भविष्य में नदी के पानी से लोग प्रभावित न हों, इसकी भी कोशिश की जाएगी।

सीएम ने जो समाधान दिया, इससे बेहतर कुछ नहीं

इंद्रप्रस्थ नगर के अमित श्रीवास्तव ने कहा कि जिन भी अधिकारियों ने निशान लगाए हैं और भ्रम का माहौल फैलाया है। उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। किसी भी गरीब की न जमीन जाएगी और न ही घर टूटेगा। ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी कि भविष्य में बाढ़ का पानी मोहल्ले में न जाए। अफसरों को निर्देश है कि आप लोग नदी का विकास करें, लेकिन किसी का मकान या जमीन न जाए। किन्ही कारणों से ऐसा होता है तो उचित मुआवजा भी दिया जाए। सीएम ने सारे निशान को मिटाने का आदेश दिया है। इससे हमारे जैसे हजारों लोगों को संतुष्टि मिली है। पूरा इलाका योगी जी को धन्यवाद दिया। इससे बेहतर समाधान नहीं हो सकता।

फास्ट फॉरवर्ड

शिकायतकर्ता ने की समस्या निस्तारण कराने की मांग

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। मध्य प्रदेश के जबलपुर के आधारताल निवासी कुसुम सिंह ने उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में कहा है कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में निवेश करने के उद्देश्य से व्यवसाय के जरिए लोगों को रोजगार देने के लिए बीती 6 जुलाई 2021 को खोह गांव में जमीन खरीदी थी। उद्योग स्थापना के लिए उत्तर प्रदेश शासन से उन्हें एमओयू भी स्वीकृत हुआ था। कर्वी महायोजना 2021 के लिए विकास प्राधिकरण के मानचित्र में ग्राम खोह दर्शित न होने के कारण उस समय नक्शा नहीं स्वीकृत किया जा रहा था। इसके चलते उन्होंने ग्राम प्रधान से अनुमति व नक्शा स्वीकृति प्राप्त करने के बाद काम शुरू किया, किन्तु विकास प्राधिकरण के अवर अभियन्ता द्वारा काम रोक दिया गया। इसके बाद से अब तक काम नहीं शुरू हो सका है। उन्होंने निवेश मित्र पोर्टल के जरिए भी आवेदन किया था, किन्तु कोई निष्कर्ष नहीं निकला। इसके चलते उन्हें उद्योग स्थापना करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतकर्ता ने जल्द समस्या निस्तारण कराने की मांग की है।

आकाशीय बिजली गिरने से झुलसा चरवाहा

जन एक्सप्रेस/उरई। रेंढ़र थाना क्षेत्र के ग्राम गड़ेरना में सोमवार की शाम को प्रवीण यागिक पुत्र सन्तोष यज्ञिक गुलाल बाबा मंदिर के आसपास बकरियों को चरा रहा था। तभी अचानक तेज बारिश होने लगी। बारिश के दौरान बकरियां भीगने से बचने के लिए भागकर पेड़ के नीचे खड़ी हो गई। जबकि चरवाहा भी वही पास में पेड़ के नीचे खड़ा हुआ था। इसी दौरान तेज गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिर गई, और पेड़ के नीचे खड़ी बकरियां उसकी चपेट में आ गईं। जिसमे एक बकरी की मौत हो गई और दूसरी बकरी झुलस गई, जबकि हादसे में चरवाहा भी झुलसकर जमीन पर गिरकर गया।वहां मौजूद अन्य ग्रामीणों ने सूचना उसके परिजनों को दी और उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां पर उसकी हालत अब ठीक बताई गई है। नायब तहसीलदार भुभिनेन्द्र कुमार का कहना है कि मामले की जानकारी नहीं है। फिर भी घटना की जांच करा कर मुआवजा के लिए रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी।

बरसात में भी यमुना की जलधारा घाटों से है दूर

जन एक्सप्रेस/कालपी। बरसात के मौसम में भी कालपी में यमुना मैया की जलधारा को प्राचीन घाटों से बहुत दूर बह रही है। यमुना को घाटों तक लाने के लिये लोगों के द्वारा प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को मांग पत्र सौपा है। यमुना नदी को स्वच्छ तथा घाटों तक लाने की मांग की है। मालूम हो कि जनपद जालौन तथा कानपुर देहात की सीमा में यमुना नदी बहती है। दरअसल यमुना नदी की जलधारा कालपी के घाटों से एक किमी. दूर छोड़कर कानपुर देहात की ओर चली गई है। जिससे श्रद्धालुओं तथा भक्तों को स्नान करने के लिए काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विभिन्न पर्वों में श्रद्धालु कालपी में आकर यमुना नदी के घाटों में स्नान करते हैं, लेकिन जलधारा घाटों को छोड़कर चली गई है, जिस कारण अब श्रद्धालु यमुना में स्नान नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने जल शक्ति मंत्री को अगवत कराया है कि यमुना नदी के प्राचीन घाटों से यमुना नदी का पानी काफी दूर हो जाने से उसका स्वरूप बेरौनक हो गया है।

मुख्यमंत्री जी! चित्रकूट में पौधे लगाए नहीं बल्कि जंगल उजाड़े जा रहे

जन एक्सप्रेस SPECIAL

- रानीपुर टाइगर रिजर्व के कोर जोन में जेसीबी मशीन लगाकर उखाड़ दिए सैकड़ों जिंदा पेड़
- तकरीबन डेढ़ सौ बीघे में लगे जंगल को नष्ट करने की साजिश

जन एक्सप्रेस। सचिन वंदन

चित्रकूट। एक तरफ सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश में **पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ** वृक्षारोपण जन अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री पौधरोपण में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील भी कर रहे हैं।लेकिन चित्रकूट में इस अभियान को पलीता लगाया जा रहा है। यहां अभियान से कुछ उलट हो रहा है। चित्रकूट के हेरभरे जंगलों की हरियाली धड़ल्ले से उजाड़ी जा रही है, लेकिन जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद में मस्त हैं। जंगल उजड़ने की जरा भी उन्हें फिक्र नहीं है। अधिकारी जानबूझकर इस गंभीर मामले को नजरंदाज कर रहे हैं।

रानीपुर टाइगर रिजर्व के मारकुंडी रेंज भाग -2 के अंतर्गत आने वाले जंगलों में खुलेआम जेसीबी मशीन लगाकर पेड़ों को नष्ट किया जा रहा है, फिर भी जिम्मेदार कार्यवाही के बजाय खामोश बैठे हैं। मानिकपुर-इंटवा डुडैला मार्ग के मारकुंडी स्थित मार्कंडेय फीलिंग स्टेशन के समीप वन विभाग की भूमि को पट्टे की भूमि दिखाकर सैकड़ों बीघे जमीन में बाउंड्रीवॉल से घेर लिया गया है, जहां हजारों की संख्या में खैर, सेझा, धवा, तेंदू,चार, कहुवा इत्यादि के जिंदा (हरे)पेड़ लगे हैं, जहां अब उन पेड़ों को जेसीबी मशीन लगाकर उखड़ा जा रहा है। जबकि वह जंगल रानीपुर टाइगर रिजर्व क्षेत्र के कोर जोन एरिए में आता है। टाइगर रिजर्व का कोर जोन एरिये में किसी का प्रवेश करना भी अपराध की श्रेणी में है, लेकिन यहां डेढ़ सौ बीघे में बाउंड्रीवॉल बनाकर समतल किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की हो रही अवमानना

रानीपुर टाइगर रिजर्व क्षेत्र सीमा से 1 किमी. के अंतराल में किसी भी तरह के निर्माण, खनन इत्यादि नहीं किए जा सकते। बाघ अभयारण्यों की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर खनन गतिविधि, निर्माण आदि न्यायालय के आदेश की अवमानना है। सर्वोच्च न्यायालय ने 26 अप्रैल, 2023 के अपने फैसले में निर्देश दिया था कि किसी राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य के भीतर और उनकी सीमा से 1 किलोमीटर के क्षेत्र में निर्माण वा खनन की अनुमति नहीं होगी। लेकिन रानीपुर टाइगर रिजर्व में खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

पट्टे की भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर किया विक्रय

सरकार भूमिहीनों को पट्टा देती है। जिससे वह खेती कर अपने परिवार का भरणपोषण कर सकें। लेकिन सरकार द्वारा दिए गए उन पट्टों का दुरुपयोग किया जा रहा है। पट्टे की भूमि की श्रेणी चेंज कराकर, नियम और कानून को ताक में रखते हुए खरीद - फरोख्त का बड़ा मामला सामने आया है। इस पूरे मामले कई जिम्मेदारों की भूमिका संदेह के घेरे में है।

रेंज आवास नहीं बल्कि 5 सितारा होटल में ठहरते हैं रेंजर

वन विभाग ने जिसे जंगल नष्ट करने का ठेका दे रखा है, जिला मुख्यालय स्थित उसके 5- सितारा होटल में मारकुंडी रेंजर आराम ठहरते हैं। जिसने जंगल की भूमि में बाउंड्री वॉल बनाकर हेरभरे पेड़ों को नष्ट कर रहा है, उसी के जिला मुख्यालय स्थित वातानुकूलित पांच सितारा होटल में वनक्षेत्राधिकारी मारकुंडी मो. नदीम रुकते हैं। वन विभाग में मनमाफिक भ्रष्टाचार करने के बदले रेंजर को रुकने के लिए होटल में एयर कंडीशनर कमरा दिया है। मारकुंडी रेंजर मो. नदीम मारकुंडी आवास में रुकने के बाजय कर्बी के फाइव स्टार होटल में रुकते हैं। अब आप इतने से ही अंदाजा लगा सकते हैं की रेंजर साहब वन संपदा के सुरक्षा के प्रति कितनी ईमानदारी से ड्यूटी कर रहे होंगे। योगी राज में इस तरह से लापरवाही करना तो बिल्कुल क्षम्य नहीं है, लेकिन ऐसे लापरवाह अधिकारियों पर कार्यवाही क्यूं नहीं की जा रही यह अपने आप मे एक बड़ा सवाल है।

20 वर्ष पूर्व हुए थे पट्टे, लेकिन तब से जोता-बोया ही नहीं

इस भूमि को जिन्होंने बिक्रय किया है बातचीत में उन्होंने बताया कि आज से 20 वर्ष पूर्व बसपा शासन मे भूमिहीनों के नाम पट्टे किए गए थे। तभी हमारे नाम पट्टे भी हुए थे, लेकिन हमें जमीन नाप कर नहीं दी गई थी, ऐसे ही कह दिया गया था कि यहां जोत कर बुवाई कर लो, तब से उस भूमि को हमारे द्वारा जोता बोया नहीं गया है। जहां पर बाउंड्री बनाई गई है वहां हमारा कुछ नहीं था। जंगल से दूर खेती करने को कहा गया था। कृषि योग्य भूमि न होने और सिंचाई का साधन न होने की वजह से खेती नहीं हो रही थी।

कब होगी कार्यवाही ?

यह पूरा मामला वन विभाग के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में है, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं किए जाना जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही है। रानीपुर टाइगर रिजर्व के कोर जोन के मामले को ज़िम्मेदार बहुत ही हल्के में ले रहे हैं, जबकि यह बेहद गंभीर मामला है। अब सवाल यह उठता है की जंगल को उतनी बड़ी मात्रा में नुकसान पहुंचाने वाले पर अभी तक कोई कार्यवाही क्यूं नहीं हुई ? कहीं वन विभाग के ज़िम्मेदारो की शह पर जंगल तो नहीं उजड़ा जा रहा है ? अब देखना यह होगा की टाईगर रिजर्व के कोर जोन जंगल में लगे सैकड़ों हेरभरे पेड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पर कब तक कार्यवाही की जाती है?

सड़क किनारे पड़ी मिली नवजात बच्ची, पुलिस ने भेजा अस्पताल

जन एक्सप्रेस। उरई

माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र में रामपुरा रोड पर सड़क किनारे पड़ी नवजात बच्ची को देखकर राहगीरों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को जिला अस्पताल पहुंचाया, और पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी।

माधौगढ़ कस्वा के डिकौली गांव के पास मंगलवार की सुबह किसी महिला या लड़की ने नवजात शिशु को जन्म दिया है। लोकलाज को देखते हुए नवजात शिशु को मिहौनी रोड पर बिक्रम ढाबा के पास बनी पुलिया पर कोई देख न सके सुनसान जगह पर रख कर भाग गया। सुबह जब टहलने निकले कस्वा के लोगों को रोते बिलखते होने की आबाज सुनाई दी। लोगों ने देखा तो नवजात शिशु जिंदा पड़ा रो रहा था। तब तक राहगीरों की भीड़ एकत्र हो गई और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुची पुलिस ने नवजात शिशु को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष राजपूत का कहना है कि नवजात शिशु का बजन 1 किलो 800 ग्राम है। जबकि 2 किलो 500 ग्राम से कम नहीं होना चाहिए। इसलिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

डीएम ने ली कर करेत्तर, राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन की अध्यक्षता में मंगलवार को सीएम डैशबोर्ड कर- करेत्तर राजस्व वसूली एवं चकबंदी कार्यों तथा बाढ एवं राहत कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्टरेट सभागार में हुई। जिलाधिकारी ने स्टांप, वन, आबकारी, खनिज, राजस्व वसूली, नगर निकाय, कृषि, लोक निर्माण विभाग, वाणिज्य कर, मंडी, बांट माप, विद्युत आदि विभिन्न विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि जो शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसी के सापेक्ष सभी विभाग प्रगति कराएं। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि विद्युत, बैंक, खनन व अन्य विभागों की वसूली को भी बढावा दिया जाए। तहसीलदार वसूली पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों से कहा कि जो तहसीलों पर आर सी वसूली के लिए भेजी जाती है, उनको ऑनलाइन कराया जाए। साथ ही जमा का मिलान भी कराया जाए। अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक से कहा कि उप जिलाधिकारियों से संपर्क करके बैंक देय वसूली का अभियान चलाकर टापटेन ऋण धारकों की वसूली कराए। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि खनिज अधिकारी तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी के साथ जांच करके अवैध खनन व ओवर लोडिंग के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी को निर्देश दिए कि चकबंदी प्रक्रिया जिन गांवों में कराई जा रही है, उसे शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध तरीके से कराया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि सीएम डैशबोर्ड में जिन विभागों की रैंकिंग जिन बिन्दुओं पर कम है, वह सभी सम्बन्धित अधिकारी सभी बिंदुओं पर फोकस कर कार्य करें ताकि जनपद की रैंकिंग अच्छी रहे। उन्होंने कहा कि राजस्व सम्बन्धी विभाग लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत पूर्ति करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस के निस्तारण पर सभी विभागों के अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध तरीके से कराए। उप जिलाधिकारियों से कहा कि तहसीलों से शिकायतें आ रही हैं कि खतौनियां गलत की जा रही है, इसकी जांच करके कार्यवाही करें। उन्होंने जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को निर्देश दिए कि आप ई आफिस प्रणाली के कार्य पर तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि बाढ को देखते हुए सभी विभाग अपनी कार्य योजना बनाएं ताकि जनपद में बाढ आने पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जा सके। उप जिलाधिकारी अपने क्षेत्र का भ्रमण करके बाढ को देखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करा लें।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश प्रसाद, उप जिलाधिकारी राज्य कर विजय कुमार सोनी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी विवेक शुक्ला, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक अनुराग शर्मा, अधिशासी अभियंता विद्युत दीपक सिंह, अधिशासी अभियंता जल संस्थान डी के सत्संगी, जिला खनिज अधिकारी सुधाकर सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्वी लाल जी यादव, नगर पंचायत मानिकपुर भारत सिंह, राजापुर बी एन कुशवाहा, मऊ बी के गौतम आदि मौजूद रहे।

चिन्हांकन शिविर में दिव्यांगजनों को किया जाएगा योजना से लाभान्वित

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण योजनान्तर्गत विभिन्न प्रकार के अनुमन्य सहायक उपकरण जैसे ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, बैशाखी, कान की मशीन, स्मार्टकेन आदि उपलब्ध कराने एवं जिनके हाथ पैर नही है उनके कृत्रिम अंग लगवाये जाने के लिए पात्र दिव्यांगजनों का चिन्हांकन शिविरि के माध्यम से चयन किया जाना है, जिससे पात्र पाये गये दिव्यांगजनों को योजना से लाभान्वित किया जायेगा। उन्होंने चिन्हांकन शिविर के आयोजन के सम्बन्ध में बताया कि तहसील राजापुर परिसर में 20 जुलाई को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक, विकास खण्ड मानिकपुर परिसर में 22 जुलाई को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक, विकास खण्ड रामनगर परिसर में 23 जुलाई को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक, विकास खण्ड मऊ परिसर में 24 जुलाई को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक, विकास खण्ड कर्वी परिसर में 25 जुलाई को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक, विकास खण्ड पहाड़ी परिसर में 26 जुलाई को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक एवं तहसील कर्वी परिसर में दिनांक 27 जुलाई को प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक शिविर का आयोजन किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने दृष्टिगत रखते हुए उप जिलाधिकारी कर्वी, राजापुर एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर के सफलता पूर्वक आयोजन के लिए समस्त प्रकार की व्यवस्था (दिव्यांगजन के लिए पीने के पानी, बैठने के लिए कुर्सी इत्यादि) करने के साथ-साथ व्यापक प्रचार-प्रसार कराना भी सुनिश्चित करें, जिससे जनपद के पात्र दिव्यांगजनों का चयन कर लाभान्वित किया जा सके।

सिंचाई विभाग द्वारा बनी सड़क हुई जर्जर

जन एक्सप्रेस। सरीला (हमीरपुर)

राठ से उरई मुख्य मार्ग से विरहट, इस्लामपुर नहर की पट्टी के किनारे बनी सिंचाई विभाग की सड़क बारिश की शुरुआत में ही जगह-जगह से जर्जर हो गई है। जिससे कई गांव के इस संपर्क मार्ग में ग्रामीणों का निकलना दुभर हो गया है। सिंचाई विभाग द्वारा लगभग वर्ष भर पूर्व राठ से उरई मुख्य मार्ग से विरहट, इस्लामपुर नहर पट्टी के किनारे बने लगभग 9 किलोमीटर मार्ग पर बरसात के शुरू होते ही ठेकेदार द्वारा किए गए मानक विहीन निर्माण की पोल खुल गई है। जगह-जगह गढ्ढे और सड़क धसने के साथ सड़क मार्ग जर्जर अवस्था में हो गए। सिंचाई विभाग द्वारा भारी भरकम बजट से नहर पट्टी के किनारे सड़क मार्ग व पुलिया, पुल का निर्माण कार्य कराया गया था। जिसमें मानक विहीन निर्माण होने के कारण सड़क एक साल में ही ध्वस्त हो चुकी है, वहीं इस्लामपुर गांव के प्रधान गौरव गौतम ने बताया कि इस्लामपुर में मुख्य मार्ग पर विभाग द्वारा निर्माणाधीन पुलिया में घटिया सामग्री इस्तेमाल की गई थी वहीं ठेकेदार द्वारा नहर को मिट्टी से पाटकर लगभग दो महीने से निर्माणकार्य बंद है। जिससे गांव के मुख्य मार्ग पर आवागमन अवरूद्ध हो चुका है। और स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस पुलिया से गुजरने वाले स्कूली बस, टेंपो आदि निकलते समय दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं जब सड़क मार्ग और पुलिया निर्माण में मानक विहीन गुणवत्ता के संबंध में विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार से बात की तो सबने गोल मोल और भिन्न भिन्न जानकारी देकर ठेकेदार को जिम्मेदारी से बचाने की कोशिश की। वहीं सिंचाई विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा तो जाड़े के मौसम में सड़क निर्माण होने के चलते मजबूत पकड़ ना होने का हास्यप्रद जवाब दिया गया। जेई रविंद्र ने कहा कि यह दूसरा साल है ढाई माह से ठेकेदार बेड रेस्ट पर है जिससे इस्लामपुर गांव की पुलिया का कार्य अवरुद्ध है। मौके पर मौजूद अपना दल के जिला अध्यक्ष महेंद्र राजपूत ने बताया कि ग्रामीणों ने मेरे कार्यालय में आकर इस जर्जर सड़क मार्ग की शिकायत की थी। जिसके लिए मैंने शासन के उच्च अधिकारियों को ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत और सड़क मार्ग की जांच करवाने के लिए पत्र लिखा है।

1 अगस्त को चित्रकूट में होगा फील्ड वर्कशाप का आयोजन

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

आगामी 1 से 3 अगस्त को चित्रकूट के आरोग्यधाम में होने वाली फील्ड वर्कशॉप के लिए आयोजन सचिव डॉ. अनिल कुमार एवं डॉ. अश्विनी अवस्थी ने उत्तर प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना, जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद एवं प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश मेश्राम से मिल करके उन्हें आमंत्रण पत्र दिया।

चित्रकूट को वैश्विक स्तर पर जियोपार्क स्थापित करने के लिए आगामी 1 से 3 अगस्त के मध्य फील्ड वर्कशॉप का आयोजन सोसायटी ऑफ अर्थ साइंस आई.आई.टी. कानपुर और दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा किया जा रहा है। फील्ड वर्कशॉप में भू-वैज्ञानिक के प्रमुख भू-स्थलों का भ्रमण करेंगे। साथ ही चित्रकूट जियोपार्क की सम्भावना का परीक्षण करेंगे। फील्ड वर्कशॉप में भारत में यूनेस्को के प्राकृतिक विज्ञान प्रमुख बेन्नो बोअर भी सम्मिलित होंगे। यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क (यूजीजीपी) एकल, एकीकृत भौगोलिक क्षेत्र हैं, जहां अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक महत्व के स्थलों और परिदृश्यों को सुरक्षा, शिक्षा और सतत विकास की समग्र अवधारणा के साथ प्रबंधित किया जाता है। वर्तमान में 48 देशों में 213 यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क हैं, किन्तु भारत में एक भी जियो पार्क नही है यदि उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश सरकारें संयुक्त रूप से प्रयास करते हैं तो चित्रकूट भारत का पहला जियोपार्क होगा। इसी सन्दर्भ में बीती 14 जुलाई को आयोजन सचिव एवं पर्यावरण विद डॉ अश्विनी अवस्थी, डीएसएन कॉलिज के भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉ अनिल कुमार ने सरकार एवं प्रशासन के सदस्यों को उद्घाटन सत्र के लिए आमंत्रित किया।

मनरेगा उपायुक्त ने एक बार फिर जनपद में ग्रहण किया कार्यभार

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

गुरुवार को स्थानांतरित हुए मनरेगा उपायुक्त धर्मजीत सिंह का स्थानांतरण शासन ने रद्द कर उनको उसी पद पर बने रहने का आदेश दिया। उसके बाद सोमवार को विकास भवन स्थित कार्यालय में धर्मजीत सिंह ने एक बार फिर कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिलाधिकारी के निर्देशों का पालन करते हुए पौधरोपण के प्रगति कार्यों पर समीक्षा की। साथ ही मौजूद अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए कि तीन दिन के अंदर वन विभाग से पौधों का उठान कर सभी ग्राम पंचायतों में गड्ढा खोदकर पौधे लगाने का कार्य प्रारंभ करें और सघन पौधरोपण करें।

उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रतिदिन ग्राम पंचायत का निरीक्षण करें। साथ ही पौधारोपण कार्य की प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। उन्होंने शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं से जो व्यक्ति अभी तक वंचित हैं, उसको तत्काल योजना का लाभ दिया जाए। इस मौके पर अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अमित मिश्रा, सिद्धार्थ गुप्ता, विपिन द्विवेदी, भुवाल सिंह, रोहित सोनी, रामानुज त्रिपाठी, राजेश मिश्रा, अतुल गुप्ता, शुभम मिश्रा आदि मौजूद रहे।

डीएम ने ली शादी अनुदान स्वीकृति समिति की बैठक

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में मंगलवार को शादी अनुदान स्वीकृति समिति (जिला पिछडा वर्ग) की बैठक कलेक्टरेट सभागार में आयोजित की गयी।

जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि शादी अनुदान योजना पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित है, जिसके अन्तर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजनान्तर्गत आवेदक माता-पिता की पूर्व में आय सीमा शहरी क्षेत्र में 56460 रूपए एवं ग्रामीण क्षेत्र में 46080 रूपए प्रतिवर्ष निर्धारित थी, जिसे शासन द्वारा संशोधित करते हुए आय सीमा शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में 1,00,000 रूपए (एक लाख रूपए मात्र) प्रतिवर्ष की स्वीकृति प्रदान की गयी है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष -25 में जनपद को कुल 319 आवेदकों को लाभान्वित करने के लिए लक्ष्य प्राप्त है। योजनान्तर्गत शादी अनुदान के रूप में धनराशि 20,000 रूपए पात्र आवेदकों के खाते में सीधे डीबीटी के माध्यम से हस्तान्तरित की जाती है। योजनान्तर्गत आवेदक पुत्री की शादी की तिथि से 90 दिन पूर्व व 90 दिन बाद शादी अनुदान पोर्टल पर आवेदन कर सकता है। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों व खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि लम्बित आवेदन पत्रों का सत्यापन शीघ्र कराते हुए स्वीकृति, अस्वीकृति की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें, ताकि पात्रों को समयान्तर्गत लाभान्वित किया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि यह योजना सीएम डैशबोर्ड से आच्छादित है। अतः लाभान्वित कराने की कार्यवाही व आवेदन पत्रों का निस्तारण समय के रहते किया जाना सुनिश्चित करें ताकि योजनान्तर्गत जनपद की सीएम डैशबोर्ड रैकिंग नकारात्मक रूप से प्रभावित न होने पाये।

जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष -25 में उप जिलाधिकारी व खंड विकास अधिकारी स्तर से ऑनलाइन सत्यापन के बाद अग्रसारित 100 आवेदन पत्रों के सापेक्ष जांच के बाद 83 आवेदक शादी अनुदान के लिए पात्र पाये गये है, जिन्हे 20,000 रूपए प्रति लाभार्थी की दर से अनुदान वितरण किया जायेगा।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश प्रसाद, उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम अहमद, उप जिलाधिकारी कर्वी सौरभ यादव, राजापुर प्रमोद कुमार झा, मानिकपुर पंकज वर्मा, मऊ राकेश कुमार पाठक, जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी सुनहरी लाल आदि मौजूद रहे।

janexpressnews janexpresslive janexpresslive

कानपुर नगर एक्सप्रेस

www.janexpresslive.com/epaper | हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस । | लखनऊ । बुधवार । 17 जुलाई 2024 | 03

मौसम पूर्वानुमान

पूर्वानुमान
भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार,अगले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहने के कारण तेज हवाओं (धूलभरी आँधी) एवं गरज चमक के साथ स्थानीय स्तर पर छुटपुट बूंदाबादी होने के आसार हैं तथा दिन और रात के तापमान सामान्य से अधिक रहने के आसार है

अधिकतम (डिग्री0से0) : 38.2 (+4.7)
न्यूनतम तापमान (डिग्री0से0) : 29.4 (+3.1)
सापेक्षिक आर्द्रता अधिकतम : 74 प्रतिशत
सापेक्षिक आर्द्रता न्यूनतम : 57 प्रतिशत
हवा की औसत गति : 9.0 कि0मी0/घंटा
हवा की दिशा- उत्तर पूर्व
वर्षा (मि0मी0) : 0.0

- कृषि मौसम वैज्ञानिक

डिजिटल अटेंडेंस पर रोक, एक्सपर्ट कमेटी का होगा गठन, इस्तीफे ना मंजूर

जन एक्सप्रेस
फॉलो अप

कमलेश फाइटर/प्रदीप शर्मा

कानपुर नगर/लखनऊ। शिक्षकों के द्वारा प्रदेश स्तर पर किए गए डिजिटल अटेंडेंस के विरोध में सोमवार के दिन की गई प्रदेश व्यापी हड़ताल और दिए गए इस्तीफों का अच्छा खासा असर मंगलवार को देखने को मिला जब शासन स्तर पर हाई लेवल कमेटी की बैठक हुई और इसमें यह निर्णय लिया गया कि दो माह तक के लिए डिजिटल अटेंडेंस का मामला स्थगित रहेगा और जिन लोगों ने अपने त्यागपत्र दिए थे उनके त्यागपत्र को ना मंजूर कर दिया गया है। डिजिटल अटेंडेंस के विरोध में कानपुर नगर में भी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को 133 शिक्षकों ने अपने त्यागपत्र सौंप थे जिन्हें ना मंजूर कर दिया गया है और मंगलवार को जिलाधिकारी राकेश सिंह के द्वारा शिक्षक नेताओं संग बैठक कर उनकी बातें सुनी गई और उनका मांग पत्र भी लिया गया है।

जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग मे डिजिटल अटेंडेंस का विरोध कर रहे शिक्षक, शिक्षा मित्र अनुदेशक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई एवं उनकी प्रमुख मांगों को शासन से अवगत कराने का आश्वासन दिया गया।

इस दौरान शिक्षक संगठनों द्वारा डिजिटल अटेंडेंस के विरोध में की जा रही प्रमुख मांगों का ब्योरा सौंपा गया

शासन करेगा एक्सपर्ट कमेटी का होगा गठन

लखनऊ में मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग एवं शिक्षक संगठनों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिक्षा जगत में ट्रांसफार्मेशनल चेंज की जरूरत है। छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चों को अच्छी शिक्षा दिये बगैर वर्ष 2047 में प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य को नहीं प्राप्त किया जा सकता ।बैठक में शिक्षकों की समस्याओं व सुझावों को सुनने के लिये एक एक्सपर्ट कमेटी को गठित करने का निर्णय लिया गया। यह कमेटी शिक्षकों की समस्याओं व सुझावों को सुनकर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इस कमेटी में शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक संघ के सदस्य वशिक्षाविद् आदि शामिल होंगे। और आगामी दो माह तक डिजिटल अटेंडेंस को स्थगित किया गया है।

क्या है शिक्षकों की प्रमुख मांगे

- सभी परिषदीय शिक्षक शिक्षणेत्तर कर्मियों को अन्य कर्मचारियों की भांति प्रतिवर्ष 30 अर्जित अवकाश, 15 हाफ-डे -सीएल अवकाश, अवकाश अवधि में विभागीय सरकारी कार्य हेतु बुलाने पर प्रतिकर अवकाश अवश्य प्रदान किया जाए ।
- आर टी.ई एक्ट 2009 व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में परिषदीय शिक्षकों को समस्त गैर शैक्षणिक कार्यों से तत्काल मुक्त किया जाए। ऐसे कार्यों की लंबी फेहरिस्त है। साल भर चलने वाले बी. एल ओ अभियान, एमडीएम पंजिका डिजिटाइजेशन समस्त ऑनलाइन ?कार्य ? आदि सभी इसी श्रेणी में आते हैं।
- समस्त परिषदीय शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को सामूहिक बीमा, प्रीमियम मुक्त कैशलेस चिकित्सा सुविधा से आच्छादित किया जाए। शायद यह अकेला ऐसा विभाग है जहां सामूहिक बीमा व चिकित्सा की कोई सुविधा नहीं है।
- शिक्षकों की उपस्थिति पंजिका का डिजिटाइजेशन किए जाने में आ रही कठिनाइयों का संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर निराकरण किया जाए।
- विषम परिस्थिति होने के कारण शिक्षकों को यदि विद्यालय में पहुंचने में कभी 15 से 30 मिनट तक विलंब हो जाता है तो संबंधित शिक्षक के आकस्मिक अवकाश से एक आकस्मिक अवकाश समायोजित किया जाए एवं उचित स्पष्टीकरण के उपरांत उपस्थित माना जाए।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारी एवं शिक्षकों ने दिया धरना

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर घटक संगठन के कर्मचारी एवं शिक्षकों ने मंगलवार को पुरानी पेंशन बहाली की मांग को पूरा कराए जाने को लेकर अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की प्रतिमा गोल चौराहा निकट मेडिकल कालेज पर धरना दिया व नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री ,वित्त मंत्री एवं मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि ए सी एम-6 ऋतु प्रिया को सौंपा।

धरने का नेतृत्व परिषद अध्यक्ष प्रभात मिश्रा ने किया उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि हम पेंशन की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाएं। मंडलीय महामंत्री संतोष तिवारी ने संघ संघर्ष के लिए तैयार रहने और सरकार से सांसद और विधायक की तरह पुरानी पेंशन की घोषणा कर कर्मचारी हित में फैसला लेने की मांग की।

जिला मंत्री उदयराज सिंह ने धरने का संचालन करते हुए संगठन की एकजुटता का आह्वान किया। संघर्ष समिति इंजीनियर चेयरमैन राजपाल सिंह ने कहा कि सरकार ने पेंशन के रूप में मिली सामाजिक सुरक्षा छीन कर हमारे साथ कुठाराघात किया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष रतिकांत पाल ने कहा लगातार संघर्ष हमें सफलता देगा। इस अवसर पर संप्रेक्षक मेवालाल कनौजिया, बी एल गुलाबिया, सुरेंद्र कुमार, दीपक श्रीवास्तव मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार ने उड़ा दी छोले भटूरे की दुकान

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शहर के थाना किदवई नगर इलाके स्थित साइड नंबर वन पर तेज रफ्तार से आ रही कार अचानक अनियंत्रित हो गई और एक छोटे भटूरे की दुकान में जा घुसी। जिससे दुकान का सारा खाने प पीने का सामान फैल गया।जिससे दुकानदार का भारी नुकसान हुआ है। घटना का पूरा वीडियो पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गया है।

जानकारी के मुताबिक दुकानदार आशीष ने बताया की मार्बल मार्केट के तरफ से कार आई जिसे अमरीश नाम का ड्राइवर शराब नशे में चला रहा था,पहले एक साइकल सवार को टक्कर मारी फिर टक्कर मारते हुए सीधे दुकान में कार आ घुसी जिससे दुकान का ठेला और सारा सामान फैल गया। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

ओरिएटेशन कार्यक्रम में छात्र छात्राओं को नये सत्र की दी जानकारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजिनेस मैनेजमेंट विभाग के छात्र छात्राओं के लिये मंगलवार को ओरिएटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता स्कूल ऑफ बिजिनेस मैनेजमेट की निदेशिका प्रो.अंशू यादव, डीन प्रशासन प्रो. सुधांशु पाण्डया, प्रो. नीरज कुमार सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर सह निदेशक डॉ.सुदेश कुमार श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर छात्र छात्राओं को नये सत्र के विषय में जानकारी प्रदान की गयी। एस.बी.एम. के 2004-2006 एल्युमिनाई रहे अंकित श्रीवास्तव ने ओरिएनटेशन के दौरान छात्र छात्रों के साथ अपना अनुभव साझा किया। एस.बी.एम. के 2004-2006 एल्युमिनाई रहे कृष्णा डेकोर के संस्थापक अर्पित मिश्रा ने कहा कि छात्र केवल रोजगार प्राप्त करने वाले ही नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बने। जिससे छात्र भविष्य में आगे बढ़ सके। डिपार्टमेंट आफ जरनलिजम के सह आचार्य डॉ. जितेन्द्र डबराल ने हयूमन वैल्यू का महत्तव बताया एवं मोटीवेशन स्पीकर संजीव चतुंवेदी ने छात्र छात्राओं को बताया कि जीवन कौशल अनुकूली और सकारात्मक व्यवहार की क्षमताएं मनुष्य को जीवन की मांगों और चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम बनाती है। स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के विभाग अध्यक्ष ने बताया कि एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया संचालित है जिसमें कुछ शेष सीटें अभी भी रिक्त है इच्छुक अभ्यर्थी समर्थ पोर्टल पर आनलाइन आवेदन कर प्रवेश ले सकते है।

कार्यक्रम का समन्वयक डॉ.विवेक सिंह सचान, अर्पणा कटियार, वारसी सिंह ने किया। उन्होने छात्र छात्राओं को बी.बी. ए. पाठ्यक्रम से सम्बन्धित जानकारी दी। उद्घाटन सत्र में वारसी सिंह, अर्पणा कटियार, सोनम गुप्ता, गौरी सिंह भदौरिया, मान्सी बाजपेयी, पल्लवी मिश्रा, प्रकाश नारायण पाण्डेय, मनोज कुमार उपस्थित रहे।

महापौर ने आगामी त्योहारों से पहले अधिकारियों संग की बैठक

जन एक्सप्रेस । विनीत सिन्हा

कानपुर नगर। नगर निगम मुख्यालय स्थित समिति कक्ष में महापौर प्रमिला पांडे द्वारा मोहर्रम एवं श्रावण मास में आवश्यक व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में महापौर द्वारा निर्देश दिये गये कि शहर में चिन्हित 44 कब्रिस्तानों में यदि जल भराव हो तो मलवा डलवाकर मोटरेबुल किया जाये साथ ही पहुंच मार्गो पर मार्ग प्रकाश की व्यवस्था दुरूस्त की जाये।

श्रावण मास में प्रमुख मन्दिर बाबा आनन्देश्वर मन्दिर, परमट, वनखंडेश्वर मन्दिर, पीरोड, जागेश्वर मन्दिर, ख्योरा एवं सिद्धनाथ मन्दिर, जाजमऊ के अतिरिक्त शहर के अन्य मन्दिरों पर जहॉ जनता दर्शन, पूजन के लिए आती हो, वहॉ पर प्रतिदिन साफ-सफाई एवं मार्ग प्रकाश की व्यवस्था दुरूस्त की जाये। जहॉ सजावट की जाती हो, वहॉ पर सजावट की जाये।

कानपुर नगर निगम सीमान्तर्गत महाराजपुर, कल्याणपुर विधानसभा के अन्तर्गत कई ग्रामीण इलाके है, जहॉ मूलभूत सुविधायें नही पहुँची है वहॉ पर निरीक्षण कराकर मन्दिरों हेतु पहुँच मार्ग एवं मार्ग प्रकाश की व्यवस्था दुरूस्त की जाये।

श्रावण मास में जिन मन्दिरों के आस-पास हैण्डपम्प खराब पड़े हो उन्हें ठीक कराया जाये, जलापूर्ति व्यवस्था दुरूस्त रखी जाये एवं जहॉ पर जलापूर्ति की व्यवस्था न हो वहॉ टैंकर की व्यवस्था की जाये। जो ग्रीन बेल्ट पर कब्ज़ा किये हैं और कब्जेदार किराया वसूल कर रहे हैं। गुजैनी में हुए कब्जों को दो दिन में खाली करा लिया जाये। बैठक में मौजूद नगर आयुक्त मदन सिंह गर्ब्याल, अपर नगर आयुक्त अमित कुमार भारतीय, अपर नगर आयुक्त जगदीश यादव, मुख्य अभियन्ता सिविल सैय्यद फरीद अख्तर जैदी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा अजय संख्वार, महाप्रबन्धक जलकल आनन्द कुमार त्रिपाठी, उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन सभी डी.सी.पी. को सौंपेंगे ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी आज दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री को सर्किट हॉउस में नौकरियों में आरक्षण कोटा पुरा करने, सामाजिक समानता कानून बनाकर नौकरी, रोजगार, स्वास्थ, शिक्षा, सुरक्षा की सौ फीसदी गारन्टी व दिव्यांगजन पेंशन 6 हजार रूपया मासिक करने के लिये ज्ञापन सौंपेगी। दिव्यांग उत्पीड़न के मामलों में सभी डी.सी.पी. को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही व सभी थानों में दिव्यांगजन अधिनियम लागू करने की मांग की जायेगी। यह निर्णय कल राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी की बैठक में लिया गया। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि दिव्यांग उत्पीड़न से जुड़े मामलों को पुलिस आयुक्त द्वारा अपर पुलिस आयुक्त को भेज दिया जाता है। दिव्यांगजन को उत्पीड़न के मामलों मे बार बार पुलिस अधिकारियों के चक्कर लगाना पड़ता है। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, प्रदेश अध्यक्ष आनन्द तिवारी, अल्पना कुमारी, बैभव दीक्षित, गौरव कुमार आदि शामिल थे।

गरीब महिला की मौत के बाद अखिलेश यादव ने एक लाख का चेक भेजा

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

बीते दिनों थाना रावतपुर क्षेत्र के भूतेश्वर मंदिर केशव पुरम निवासी मीना को एक कार सवार सुधीर सिंह ने टक्कर मार दी थी। जोरदार टक्कर से महिला की आंत फट गई थी। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई थी। वही आरोपी को पुलिस ने छोड़ दिया था। आरोपी भाजपा नेता बताया जा रहा है। मृतक महिला के परिवार में बूढ़ी सास बीमारी से ग्रसित है पति सोनू पासवान के तीन मासूम बच्चे हैं जिनकी परवरिश की जिम्मेदारी मृतिका के ऊपर थी। मृतिका की मौत के बाद सरकारी सहायता के लिए परिजनों ने हंगामा किया था। लेकिन अभी तक परिजनों को कोई सहायता प्राप्त नहीं हुई है। वहीं क्षेत्रीय सपा प्रत्याशी पवन हिंदुस्तानी ने परिजनों की माली हालत ठीक नहीं होने और बच्चों की परवरिश के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से गुहार लगाई थी।

जिसके बाद अखिलेश यादव ने बच्चों की परवरिश के लिए सहायता प्रदान करते हुए सास के नाम से एक लाख की चेक दी है। पवन हिंदुस्तानी सपा कार्यकर्ताओं के साथ मृतिका मीना के घर मंगलवार को पहुंचे और परिजनों को चेक सौंपा। वहीं चेक पाकर परिजन खुश दिखे और सपा मुखिया सहित सपा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

एआइएमआइएम के पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन के कार्यकर्ताओं ने मॉब लीचिंग और योगी सरकार की बुलडोजर नीति के खिलाफ राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन कानपुर कलेक्ट्रेट में सौंपा है ।यूथ नगर अध्यक्ष उमर मारूफ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मॉब लीचिंग की घटनाएं बहुत तेजी से बढ़ रही है. उन्होंने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से मांग की गई है कि इससे नफरत का माहौल बनता जा रहा है, इसलिए इसके खिलाफ कानून बनाकर इस पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के जिन जिलों में हमारी यूनिट है, वहा के जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया है।

ताज़िया रख कर रात भर कुरान ख्वानी और फातिहा ख्वानी की गई

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। पनकी स्थित कांशीराम कालोनी में मुहर्रम की 9 तारीख को कर्बला के शहीदों हज़रत इमाम हुसैन और आपके चाहने वालों की याद में ताज़िया रख कर रात भर कुरान ख्वानी और फातिहा ख्वानी की गई। इस मौके पर मोहल्ले के छोटे-बड़े सभी ने देर रात तक कुरान की तिलावत की, वहीं महिलाओं एवं पुरुषों ने अपनी-अपनी मुरादें मानते हुए फातिहा पढ़ी। कांशीराम कालोनी में हर साल की भांति इस साल भी मुहर्रम की 7 तारीख अर्थात 14 जुलाई 2024 को ताज़िया रखी गई है जो कि मुहर्रम की 10 तारीख अर्थात 17 जुलाई 2024 को ग्वालटोली मक़बरा में दफनाई जायेगी। इस दरमियान 3 दिन व रात तज़िया के करीब बैठ कर अकीदतमंद नज़र व नियाज़, फातिहा व कुरआन ख्वानी करेंगे। 17 जुलाई को ताज़िये को ग्वालटोली मकबरा में दफन करके लौटने पर दिन में लंगर के रूप में शरबत वितरण किया जाता है और शाम को दाल रोटी का वितरण किया जाता है। उपरोक्त जानकारी देते हुए दिलशाद उर्फ छोटू नेता ने बताया कि इस प्रोग्राम में इलाकाई लोगों की सहभागिता रहती है, और मुहर्रम का यह त्योहार पिछले 7 बरस से यहां मनाया जा रहा है। जिम्मेदारान में दिलशाद उर्फ छोटू नेता, मोहम्मद गुलजार, मुहम्मद अनीस, मक्खन, रहमान, लालू, अच्छे भाई, परवेज़ भाई, इरशाद उर्फ बाबू, शादान समेत सैकड़ों की संख्या में अकीदतमंद उपस्थित रहते हैं। शामिल हैं।

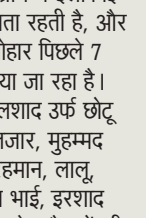

हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुहर्रम आज

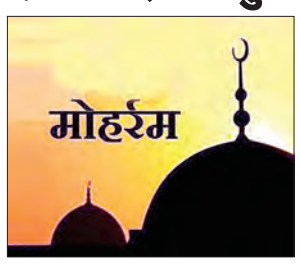

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

मुहर्रम इस्लाम धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है और इस्लामिक कैलेंडर का पहला महीना है. इस महीने का दसवां दिन यौमे आशूरा के रूप में मनाया जाता है, जो मुस्लिम लोग इस दिन को मातम और शोक के रूप में मनाते हैं. इसी दिन कर्बला की जंग में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के छोटे नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी. इस महीने को इमाम हुसैन की शहादत के रूप में याद किया जाता है और लोग गमजदा होकर ताजिए निकालते हैं और दुख प्रकट करते हैं.

इस्लामी कैलेंडर के अनुसार 17 जुलाई को दुनिया भर में आशूरा मनाया जाएगा. आशूरा के दिन ही ताजिए निकाले जाएंगे और ताजियादारी की जाएगी. आशूरा यानी मुहर्रम के माह के दसवें दिन इस्लाम की रक्षा करने वाली कर्बला की जंग में इमाम हुसैन सबसे छोटे लड़ाके थे, जो लड़ते हुए शहीद हो गए थे।

मुहर्रम का महत्व

एक तरफ जहां मोहर्रम को इस्लामिक नए साल के रूप में मनाया जाता है वहीं इसे मातम का दिन भी माना जाता है। बता दें मोहर्रम की 10वीं तारीख को यौम-ए-आशूरा के नाम से जाना जाता है। इस्लामी मान्यताओं के अनुसार इस दिन हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। हजरत इमाम हुसैन को इस्लाम धर्म का संस्थापक माना जाता है। वह हजरत मुहम्मद साहब के छोटे नवासे थे। ऐसे में हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मोहर्रम के 10वें दिन को लोग मातम के रूप में मनाते हैं, जिसे आशूरा कहा जाता है। वहीं कुछ लोग इस दिन इमाम हुसैन की शहादत की याद में जुलूस भी निकालते हैं। मुहर्रम को लेकर शिया और सुन्नी दोनों समुदाय की अलग-अलग मान्यताएं है। ये दोनों इस दिन को अलग-अलग तरीके से मनाते हैं। कहते हैं कि इस दिन रोजा रखने से अल्लाह खुश होते हैं और उनका आशीर्वाद बना रहता है। इस दौरान सुन्नी समुदाय के लोग 9 और 10 वीं तारीख को रोजा रखते हैं, तो वहीं शिया समुदाय के लोग 1 से 9 तारीख के बीच में रोजा रखते हैं।

विवाहिता ने अपने बेटे संग ससुराल के बाहर दिया धरना

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

मंगलवार को शहर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र स्थित मिर्जापुर में एक विवाहिता अपनी ससुराल के बाहर अपने बच्चे संग पति और ससुराली जनों पर उत्पीड़न मारपीट का आरोप लगाते हुए धरने पर बैठ गई। जिसके बाद विवाहिता का ससुराल के बाहर बैठकर धरना देने का मामला सोशल मीडिया पर छाया रहा। विवाहिता के भाई ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार भी लगाई है।

विवाहिता के भाई सन्दीप शुक्ला ने थानाध्यक्ष कल्याणपुर को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया है कि उसने अपनी बहन सपना का विवाह 19 फरवरी 2007 को थाना कल्याणपुर के मिर्जापुर नई बस्ती निवासी पेशे से ट्रांसपोर्टर आकाश तिवारी पुत्र श्रीकान्तविवारी के साथ काफी दान दहेज के साथ सम्पन्न की थी। शादी के कुछ समय बाद से ही पति ससुर सास दहेज के लिए उनकी बहन को प्रताडित करते हुये मार पीट करते रहे हैं। आगे जानकारी देते हुए बताया कि आज मंगलवार को बहन के पति और ससुराली जनों ने उसे घर बुलाया और घर बुलाकर उसके साथ मारपीट गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। ख़बर लिखे जाने तक पुलिस विभाग का कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था।

सांसद ने के.डी.ए. अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

सांसद रमेश अवस्थी की अध्यक्षता में कल कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार किये जा रहे सिटी डेवलपमेण्ट प्लान की समीक्षा बैठक स्वरूप नगर स्थित कार्यालय में की गयी। इस दौरान तैयार किये जा रहे सिटी डेवलपमेण्ट प्लान / विज़न प्लान के अन्तर्गत चयनित कन्सल्टेन्ट मेसर्स ट्रेक्टेबल के प्रतिनिधियों द्वारा कानपुर शहर वर्ष 1951 से लेकर वर्ष 2021 तक हुये परिवर्तन को ध्यान में रखते हुये शहर के समग्र एवं चौमुखी विकास तथा आम जनमानस की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रस्तावित 2051 तक सम्भावित परिवर्तनों / आवश्यकताओं के दृष्टिगत विचार विमर्श में मुख्य रूप से आवासीय, चिकित्सीय, जनसंख्या वृद्धि एवं ट्रान्सपोर्टेशन इत्यादि के कारण शहर पर पड़ने वाले दबाव पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त, सांसद द्वारा कानपुर में ड्रेनेज सिस्टम के व्यवस्थित विकास पर विशेष रूप से कार्य करने के निर्देश दिये गये। कन्सल्टेन्ट मेसर्स ट्रेक्टेबल द्वारा अवगत कराया गया कि तैयार किये गये प्लान में कानपुर शहर के समस्त विभागों एवं प्रमुख संस्थाओं जैसे लेदर यूनियन, मेडिकल एसोसिऐशन, आर्किटेक्चर ऐसोसिऐशन आदि से परामर्श लिया गया है एवं विज़न 2047 के अन्तर्गत प्राप्त सुझावों को सम्मिलित कर लिया गया है। सांसद द्वारा धार्मिक स्थल बिठूर का विकास, ग्रीन पार्क का नवीनीकरण, कानपुर शहर के भविष्य भौतिक विस्तार को सिटी डेवलपमेण्ट प्लान में सम्मिलित किये जाने पर जोर दिया गया।

विवाहित प्रेमी युगल फांसी पर झूले, मचा हड़कंप

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। शहर के थाना बिधनू क्षेत्र स्थित कडरी चंपत में गांव के बाहर शीशम के पेड़ पर रस्सी के सहारे प्रेमी जोड़े संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटके मिले ।घटना की जानकारी सुबह ग्रामीणों के जागने पर हुई, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया और आत्महत्या के कारणों की छानबीन शुरू कर दी है ।वही ग्रामीण एक दूसरे से कानाफूसी करते नजर आए की दोनो मृतक शादी शुदा थे कास्ट को लेकर एक ना हो सके। जानकारी के मुताबिक मृतक के परिजन ने बताया की 35 वर्षीय सोनू पहले से शादीशुदा है और इसके दो लड़कियां तथा एक लड़का है ।और 30 वर्षीय सीमा पत्नी मेहीलाल दिवाकर सीमा की भी अलग शादी हो चुकी थी लेकिन दोनो में पूर्व से प्रेम संबंध होने के कारण दोनो में नजदीकिया थी सीमा अपना ससुराल छोड़कर महीनो अपने चाचा के घर पर ही रहा करती थी जिसको लेकर मृतक सोनू के भाई ने विरोध किया लेकिन दोनो प्रेमी एक दूसरे से मिलते थे जिसकी चर्चा पूरे गांव में भी थी और दोनो परिवारों के बीच में इसी बात को लेकर तना तनी भी ।लेकिन देर रात सोनू और सीमा ने गांव के बाहर लगे शीशम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। फिलहाल पुलिस दोनो शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज छानबीन शुरू कर दी है ।वही प्रेम युगल द्वारा सुसाइड करने से दहशत का माहौल व्याप्त है।

जनता की समस्याओं का शीघ्र हो निस्तारण: प्रतिभा शुक्ला

- ओवर बिलिंग की शिकायत पर विद्युत विभाग को लगाई कड़ी फटकार
- प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यो और कानून व्यवस्था की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश
- शत प्रतिशत पौधारोपण का कार्य पूरा कराये: श्रीमती शुक्ला

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

राज्य मंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग,उ0प्र0 व जनपद की प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से आयुष्मान कार्ड की प्रगति जानी। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य तेजी से किया जाए। जिससे आम जनता तक स्वाथ्य लाभ शीघ्र पहुंच सके। राज्य मंत्री ने निर्देश दिया कि सभी सीएचसी व पीएचसी में चिकित्सको की उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए। जीवन रक्षक औषधियां स्वास्थ्य केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले आवासों की जानकारी लेते हुए कहा कि आवास आवंटन करते समय जरूरतमन्दो को प्राथमिकता पर रखा जाए। कौशल विकास के अंतर्गत विश्वकर्मा योजना की भी प्रगति जानी। कारीगरों को दिए जाने वाले टूलकिट की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि कारीगरों को कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाए।

प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिया कि सभी ब्लॉकों में समूहों का गठन किया जाए साथ ही उनको प्रोत्साहित किया जाए। जिससे रोजगार के नए अवसर मिल सके। आने वाले त्योहारों के दृष्टिगत समूहों को त्यौहारो में प्रयोग किये जाने वाले वस्तुओं का उत्पादन कराया जाए जिससे उनकी आय बढ़ सके। बाल एवं पुष्टाहार विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित को निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को गुणवत्तापरक और पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए। सैम और मैम बच्चों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा कुपोषित ना रहे। उनके स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाए। कहा कि नहरों की साफ सफाई समय से की जाए जिससे किसानों को आसानी से पानी मिल सके। विद्युत विभाग की शिकायतो की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने अधिशाषी अभियंता विद्युत को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि बिना वजह किसी का भी कनेक्शन न काटा जाए। छोटे व्यापारियों और ग्रामीणों की ओवरबिलिंग न की जाए। जिस भी कर्मचारी द्वारा इस तरह की लापरवाही की जा रही है उसे पर विभागीय कार्रवाई की जाए ।ऑनलाइन आवेदन करने वालों को शीघ्र कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए। पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत किसानों को दिए गए लाभों की जानकारी लेते हुए उन्होने ने कहा कि किसानों की केवाईसी शीघ्र करा कर आधार सीडिंग तेजी से कराई जाए।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से गौशालाओ के संबंध में जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि गौशालाओ में पर्याप्त मात्रा में चारा-पानी, शेड, प्रकाश, चिकित्सा आदि की व्यवस्था रहे। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया जाए कि अपने क्षेत्रों में लगातार गोशालाओं का निरीक्षण करते रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया कि ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों का सौन्दर्यीकरण किया जाए। इस बात का ख़ास ध्यान रखा जाए कि विद्यालयों में शौचालय, बिजली, पानी की पर्याप्त व्यवस्था रहे।

राज्य मंत्री ने अंत मे अपने सम्बोधन में कहा कि गरीब जनता को परेशान ना किया जाए उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से हल किया जाए। लोगों की बिजली, पानी, सड़क, सुरक्षा, राशन, पेंशन और शौचालय से संबंधित समस्याओं का गुणवत्तापरक निस्तारण कराया जाए। सरकार का विजन है कि लोग स्वस्थ, शिक्षित और स्वावलंबी बने। उन्होंने ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी शत प्रतिशत पौधारोपण का लक्ष्य पूरा कराये। पर्यावरण को बचाना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है।

व्यापारी और उद्यमियों की सुनी समस्याएं, निस्तारण का दिया आश्वासन

रायबरेली। प्रभारी मंत्री ने इस अवसर पर जनपद के व्यापारियों व उद्यमियों की समस्याओं को भी सुना। व्यापारियों ने अपनी बिजली, पानी, सड़क, सुरक्षा आदि से संबंधित समस्याओं का ज्ञापन प्रभारी मंत्री को सौंपा। मा0 मंत्री ने संबंधित विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि व्यापारियों की समस्या को गंभीरता से लिया जाए और उनका समय से निस्तारण कराया जाए। मुख्य बाजारों में पार्किंग और शौचालय की व्यवस्था कराई जाए और उनकी साफ सफाई का ध्यान रखा जाए। चौराहों व प्रमुख स्थलों का सौन्दर्यीकरण कराया जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल, सलोन विधायक अशोक कुमार,मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्यक्ष, जिला भाजपा अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, पूर्व विधायक रामलाल अकेला, अपर जिलाधिकारी (वि/रा0) अमृता सिंह, अपर जिलाधिकारी(प्र) प्रफुल्ल त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट बाबूराम के अतिरिक्त सभी विभागों के

डेकोरेटेड पोल को लेकर बनाया जा रहा है भ्रम का माहौल: महापौर

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

डेकोरेटेड पोल को लेकर फैलाये जा रही भ्रामक सूचनाओं का महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने प्रेसवार्ता के दौरान जवाब दिया। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि डेकोरेटिव पोल को लेकर भ्रम का माहौल बनाया जा रहा है। नकारात्मकता फैलाने वाले लोगों का अयोध्या में स्वागत है वे यहाँ आये डेकेरेटिव पोल व यहां के विकास को देखें। उसके बाद ही इसके सम्बंध में कोई बात कहें। उन्होंने कहा कि अयोध्य धाम के 10 वार्डो में डेकेरिटव पोल लगना था। 71 करोड़ 86 लाख रुपये इसके लिए सेंशन हुए थे। इसमें अभी 2935 पोल लग चुके है। इसमें 12 पोल को लेकर पार्षदों को कुछ समस्याएं थी। जिसको लेकर उन्होंने नगर आयुक्त को ज्ञापन दिया। लेकिन इसको लेकर भ्रम की स्थिति फैलाई जा रही है। इसमें तीन फर्मो को काम सौंपा गया। जिसमें ज्यादातर ने अपना लगभग कार्य पूरा कर लिया है। टेंडर में इन पोल के पांच साल तक अनुरक्षण की शर्त है। अगर पांच साल तक कोई दिक्कत होती है तो उसकी मरम्मत सम्बंधित फर्म को करनी होगी। पोल अभी नगर निगम को हैंड ओवर नही किया गया है। अनुरक्षण अवधि हैंड ओवर के बाद प्रारम्भ होगी। उन्होंने बताया कि नगर निगम डेकेरेटिव पोल के माध्यम से अच्छी सेवा अयोध्या में दे रहा है। यह पोल अयोध्या के सौन्दर्य में वृद्धि कर रहे है। अयोध्या एक तीर्थ क्षेत्र है। यहां लाईट को धार्मिक रुप दिया गया है। छोटी-छोटी गलियों में भी डेकोरेटिव पोल लगाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले व आज की अयोध्या की स्थिति में नकारात्मक बात करने वालों को तुलना करनी चाहिए। आज भी नगर क्षेत्र में कमियां हो सकती है। जिनको जनता की अपेक्षानुसार पूरा करने के लिए नगर निगम प्रतिबद्ध है। अगर कही कोई शिकायत आती है तो उसका समयबद्ध निस्तारण होता है।प्रेस वार्ता के दौरान पार्षद अनुज दास, विनय जायसवाल, रिशु पाण्डेय, अनिकेत यादव, चंदन सिंह, शिव कुमार, अनिल सिंह, संतोष सिंह, उपसभापति जयनारायण सिंह रिंकू, अनूप श्रीवास्तव, निखिल श्रीवास्तव, विकास कुमार, रमाशंकर निषाद, धर्मेन्द्र मिश्र, सुनील यादव, बिजेन्द्र बहादुर सिंह, हरिश्चन्द्र गुप्ता, अंकित त्रिपाठी, प्रियेश दास, किशन कुमार, धर्मेन्द्र सिंह, सौरभ सिंह सूर्यवंशी मौजूद रहे।

अवध विवि के फार्मेसी के छात्र चयनित ने जीपैट परीक्षा उत्तीर्ण की

जन एक्सप्रेस/अयोध्या। डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट फार्मेसी के छात्र ने जीपैट परीक्षा-2024 उत्तीर्ण किया। बीफार्मा के प्रथम बैच के छात्र चयनित जायसवाल के ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टिट्यूट टेस्ट उत्तीर्ण करने पर एम. फार्मेसी में प्रवेश की राह आसान हो जायेगी। वह एनआईपीईआर व आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश ले सकेगा। बताते चले कि जीपैट परीक्षा एम.फार्मेसी जैसे मास्टर कोर्स में प्रवेश के लिए नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय परीक्षा है। इस कोर्स में जीपैट स्कोर आधारित छात्र विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाता है। मास्टर कोर्स में प्रवेश लेने पर छात्र को स्कॉलरशिप की सुविधा भी मिलेती है। विवि के छात्र चयनित के जीपैट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. शैलेन्द्र कुमार, समन्वयक डॉ. अनिल कुमार, डॉ. सिंधु सिंह, डॉ. विमल कुमार यादव, डॉ. अजय कुमार शुक्ला, डॉ. अंकुर श्रीवास्तव, विनीत भारती, कुणाल अगम सहित अन्य ने बधाई दी।

अन्नपूर्णा दिव्यांग एवं मूक बधिर सेवा संस्थान ने मनाया समाजसेवी नेता प्रमोद सिंह का जन्मदिन

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

अपना दल एस प्रदेश सचिव प्रमोद सिंह के जन्मदिन पर अन्नपूर्णा दिव्यांग एवं मूक बधिर सेवा संस्थान समदा दिलासीगंज रोड गोसाईगंज में तीन दिवसीय जन्मदिन के पहले दिन समाजसेवी नेता प्रमोद सिंह का जन्मदिन कार्यक्रम समस्त दिव्यांग भाई बहनों के बीच मनाया गया ।संस्था द्वारा समारोह का आयोजन किया गया समारोह में मुख्य अतिथि प्रमोद सिंह ने आये हुए दिव्यांग जनों को माला पह?नाकर सम्मानित किया आभार प्रकट किया । इस अवसर पर तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उपरोक्त संस्था के प्रबंधक सोनू मिश्रा द्वारा केक काटकर कार्यक्रम की शुरुआत की जिसमें समस्त पदाधिकारी। दूसरी तरफ दिव्यांग जनकल्याण सेवा समिति के समस्त पदाधिकारी सदस्य गण ने सहयोग किया मुख्य रूप से राजकुमार तुलसीराम रेखा यादव सुरेश , अमरनाथ पवन सोमी राजेश मोनू मिश्रा, रमेश यादव मंशाराम आदि लोग मौजूद रहे। जर्नादन सिंह, राम नवल वर्मा जगराम वर्मा हरिहरनाथ मिश्रा सूर्य नारायण मिश्रा सोनी सिंह कुसुम गुप्ता, दीनानाथ मिश्रा आदि।

पट्टे की जमीन पर कब्जेदारी को लेकर विवाद में छप्पर ढकेला

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

रौनाही थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कुंदुरखाखुर्द मजरे सरदार का पुरवा में पट्टे की जमीन पर कब्जेदारी को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया। इस दौरान एक पक्ष के दर्जनों लोगों ने पहुंचकर दूसरे पक्ष का रखा छप्पर ढकेल दिया।

मामले की शिकायत पर पुलिस घटना की जांच पड़ताल के बाद आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कह रही है।ग्राम सरदार का पुरवा में देवी प्रसाद निषाद पुत्र लालता निषाद व उदयराज, अनंतराम व अंकित कुमार पुत्र जगन्नाथ निवासी ड्योढ़ी बाजार के बीच पट्टे की जमीन पर कब्जेदारी को लेकर विवाद हो उठा है। एक पक्ष से जुड़े देवी प्रसाद निषाद का कहना है कि वह उक्त जमीन पर कई वर्षो से छप्पर रखते चले आ रहे है। जिस पर नींव भरने के लिए ईंट, सरिया रखा। तो दूसरे पक्ष से जुड़े ड्योढी लोगों ने उक्त जमीन को अपने पट्टे की जमीन बताकर विवाद खड़ा कर दिया। इसके बाद अंकित अपने सहयोगी जगन्नाथ, उदयराज, विपिन, अनंतराम सहित दर्जन भर से अधिक लोगों के साथ मौके पर पहुंचकर जबरिया छप्पर गिरा दिया। आरोप है कि छप्पर में रखा गृहस्थी का सामान फेंक कर आमादा फौजदारी पर उतारू हो गए। जिसके चलते पीड़ित पक्ष के लोग मौके से भागकर अपनी जान बचाई। मामले में मिली तहरीर पर पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है। पूंछे जाने पर थाना प्रभारी रौनाही पंकज सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। मामला राजस्व से जुड़ा है। जांच पड़ताल के बाद आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने किया नि:शुल्क मिनी किट का वितरण

जन एक्सप्रेस/रुदौली- अयोध्या। मोटे अनाजों में मनुष्य को नि:रोग रखने की क्षमता है हमारे पूर्वज सदियों से इन्ही मोटे अनाजों को खाकर नि:रोग रहते थे मोटे अनाजों में रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक थी, जबसे मानव नें मोटे अनाजों को खाने से दूरी बनाई तब से मनुष्य को बीमारियों नें घेर लिया है इसी कारण योगी सरकार नें मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए किसानों में नि:शुक वितरण करने की योजना बनाई उपरोक्त बातें रुदौली विधायक रामचंद्र यादव नें आज विकासखंड रुदौली मे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना अंतर्गत मिलेट्स तकनीकी कृषक प्रशिक्षण /नि: शुल्क मिनी किट का वितरण करते हुए कहीं इस अवसर पर श्री शैलेंद्र प्रताप सिंह उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी रुदौली ,गोदाम प्रभारी अनिल गौड़, राम प्रेस यादव पूर्व अध्यक्ष प्रधान

सीडीओ के आकस्मिक निरीक्षण में नदारद मिले कर्मचारी, रोका वेतन, नोटिस जारी

जन एक्सप्रेस। अमेठी

मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने मंगलवार को खंड विकास कार्यालय भेंटुआ का आकस्मिक निरीक्षण किया।इस दौरान विकास खंड प्रांगण की साफ सफाई की व्यवस्था के साथ-साथ कार्यालय कक्ष की साफ सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई।सीडीओ ने विकास कार्यों को लेकर सख्त रुख अख्तियार किया है।उन्होंने मंगलवार को खंड विकास कार्यालय भेंटुआ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान आधा दर्जन अनुपस्थित कर्मचारियों को वेतन रोकते हुए कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। सीडीओ ने अभिलेखों के रख रखाव को लेकर वहां मौजूद कर्मचारियों को फटकार लगाई।इस दौरान विकास खंड प्रांगण की साफ सफाई की व्यवस्था के साथ-साथ कार्यालय कक्ष की साफ सफाई की व्यवस्था बहुत खराब रही।अभिलेखों का रखरखाव समुचित ढंग से नहीं किया गया था। जिसे तत्काल ठीक कराए जाने का निर्देश दिया।मनरेगा योजना अंतर्गत विकासखंड की ग्राम पंचायत में निर्गत आईडी तथा मस्टर रोल का मनरेगा सॉफ्ट पर अवलोकन किया। इसके साथ ही संबंधित मनरेगा कर्मियों को निर्देशित किया गया कि विलंबित भुगतान किसी भी श्रमिक का ना हो,इसका विशेष ध्यान दिया जाए।समय-समय पर मस्टर रोल निर्गत होता रहे।तथा सभी ग्राम पंचायत में प्रत्येक दिन कम से कम एक कार्य चलता रहे।इसका भी विशेष ध्यान दिया जाए।

भारतीय खेल प्राधिकरण साईं हॉस्टल रायबरेली को मिले 4 स्वर्ण व 1 रजत पदक

- ताइक्वांडो के खिलाड़ियों को मिले 4 स्वर्ण व एक रजत पदक
- रायबरेली के लोगों में छाई खुशी की लहर लोगों ने दी बधाई

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

रायबरेली भारतीय खेल प्राधिकरण साई प्रशिक्षण केंद्र रायबरेली साई हॉस्टल को 4 स्वर्ण पदक व 1 रजत पदक मिला साई हॉस्टल रायबरेली के केंद्र प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि दिनांक 12 जुलाई से 14 जुलाई 2024 तक राज्य स्तरीय ताइक्वांडो की प्रतियोगिता के डी सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में आयोजित हुई जिसमें साई ट्रेनिंग सेंटर रायबरेली के ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने भी प्रतिभाग किया एवं 4 स्वर्ण व 1 रजत पदक प्राप्त किया स्वर्ण पदक अर्जित करने वाले खिलाड़ियों में विनीत कुमार सनी कुमार त्रिशू शर्मा हर्षित सिंह तथा अमन केसरवानी ने रजत पदक प्राप्त किया है और रायबरेली जिले के साई हास्टल का नाम रोशन किया इस सफलता पर केंद्र प्रभारी अभय कुमार ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी शुभकामनाएं दी वर्तमान में ताइक्वांडो के खिलाड़ियों को श्रीमती सृष्टि सिंह एवं अभय कुमार लगातार प्रशिक्षण दे रहे हैं। बधाई देने वालों में श्री राजन वॉलीबॉल प्रशिक्षक एवं जे बी सिंह, सुधीर तिवारी एवं कैप्टन राजेश सहित तमाम लोगों ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पेड़ पौधे ही मानव के निस्वार्थी व प्राकृतिक मित्र: राजेश चौबे

जन एक्सप्रेस/अयोध्या। राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन व वन विभाग अयोध्या इकाई के संयुक्त तत्वावधान में ऐमी आलापुर में पर्यावरण जागरूकता रैली निकाल कर ग्राम सभा में 50 से ज्यादा स्थानों पर फल व छायादार पौध रोपित किए गए। रैली को सम्बोधित करते हुए समाजसेवी राजेश चौबे ने कहा कि केवल मानव ही नहीं बल्कि पशु, पक्षी, कीट इत्यादि जंतुओं का जीवन भी पेड़ पौधे के बिना संभव नहीं है। पेड़ पौधे ही मानव के नि:स्वार्थी व प्राकृतिक मित्र है,लिहाजा प्रत्येक व्यक्ति को पौध लगाना चाहिए और वें उसके संरक्षण करने का भी संकल्प ले। इस मौक़े पर संस्था के अध्यक्ष आकाश गुप्त ने कहा कि ग्लोवल वर्मिंग, जल व पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक आपदा को रोकने के लिए हमें अत्याधिक पौध रोपण करना होगा जिससे प्राकृतिक संतुलन बना रहें और रोपित किए गए सभी पौधों की सेवा हमें परिजनों की तरह करें जिससे जीवित रहें।

चुरुआ हत्याकांड: लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर मृतक चांदनी के लिए इंसाफ की मांग की

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

बछरावां थाना क्षेत्र के गांव चुरूआ में आज सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे और बैनर लेकर मृतक चांदनी के लिये न्याय की मांग करने लगे।

चार साल पहले 2020 में हुए यूपी के चर्चित हाथरस कांड की तरह बछरावां थाना क्षेत्र के चुरुआ गांव में चांदनी की मौत का मामला तूल पकड़ चुका है। आज सैकड़ों की संख्या में लोग सड़कों पर निकले और कैडिल मार्च निकालकर चांदनी को इंसाफ देने की मांग करने लगे।

हत्यारों को फांसी दो के नारे से इलाका गूंज उठा। यह मामला हाथरस कांड की याद इसलिये ताजा कर दे रहा है कि इस मामले में ग्रामीण विवाहिता की गैंगरेप के बाद हत्या की बात कह रहे हैं। और पुलिस द्वारा देर रात आनन फानन में पेट्रोल डालकर शव को जलाने की बात भी सामने आई है। पुलिस का रवैया इसलिये भी संदेह के घेरे में है कि फोरेंसिक टीम को जांच भी नही करने दी गई। साथ ही मृतका के दाह संस्कार में हिन्दू रीति रिवाजों को भी दरकिनार कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल का एक वीडियो भी सामने आया जिसमे वे पत्रकारों को धमकाते नजर आ रहे हैं और कह रहे हैं कि परिवार वालों को परेशान मत करो। ग्रामीणों ने मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है गौरतलब है कि 13 जुलाई को बछरावां थाना क्षेत्र के चुरुआ गांव में उत्तराखंड की रहने वाली चांदनी कि घर में हत्या हुई थी। पुलिस ने मृतका के भाई की शिकायत पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया था और इस मामले में मृतका के पति जीतू सिंह को गिरफ्तार भी कर लिया था। पुलिस की तरफ से यह भी कहा गया कि मृतक महिला के सिर में चोट लगी थी। जिसकी वजह से उसकी मौत हुई थी। उसका पोस्टमार्टम भी करवा लिया गया था। लेकिन ग्रामीणों ने पुलिसिया कार्रवाई का विरोध करते हुए महिला के साथ गैंगरेप होने के बाद हत्या होने की बात कही है। मृतक महिला का पति शराबी किस्म का है। जोकि अपने दोस्तों के साथ घर पर शराब पार्टी करता था। घटना की रात घर मे आधा दर्जन शराब की बोतलें मिली थी। थाना बछरावां इंचार्ज की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में है।

फास्ट फॉरवर्ड

चुरुआ चांदनी हत्याकांड के मामले में गांव पहुंचे कांग्रेस जिलाध्यक्ष

जन एक्सप्रेस/रायबरेली। बछरावां बहुचर्चित चुरुआं हत्याकांड के मामले में आज जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पंकज तिवारी के नेतृत्व में चुरुआ गांव पहुंचे गांव पहुंचकर वहां के स्थानीय लोगों से मिलकर मुलाकात कर वहां की स्थिति के बारे में जानकारी ली और लोगों को अस्वस्थ किया आश्वासन दिया कि हम कांग्रेस जन पीड़ित परिवार के साथ हैं उसको इंसाफ मिलना चाहिए उसको इंसाफ दिलाने के लिए रायबरेली की कांग्रेस कांग्रेस परिवार मृतका के साथ न्याय के लिए उसके साथ है जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने बताया कि हम पूरी टीम के साथ बछरावां ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के टीम के साथ चुरुआ गांव पहुंचे और वहां गांव के लोगों से मुलाकात की वहां के लोगों ने बताया की चांदनी के पति ने अपने दोस्तों के साथ रात में शराब पार्टी की और उसके बाद उसे मार दिया गांव के लोगों ने यह भी बताया की पुलिस ने रात में ही शव को जला दिया इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कहीं ना कहीं पुलिस की मिली भगत है क्योंकि आनन फानन यह सब हुआ ऐसी भी क्या जल्दी थी की रात में ही शव को जला दिया गया इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्मला शुक्ला ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य रमेश शुक्ला पूर्व प्रत्याशी बछरावां विधानसभा सुशील पासी ब्लॉक अध्यक्ष अवधेश चौधरी सहित तमाम लोग वहां उपस्थित थे।

24 तक अल्पसंख्यक वर्ग की छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों के स्तर से आवेदन पत्र कर सकते हैं सही: महिमा

जन एक्सप्रेस/रायबरेली। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा ने बताया है कि वर्ष 2023-24 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत समय सारिणी के अनुसार यू0पी0 स्टेट मेडिकल फैकल्टी एवं एस0सी0ई0आर0 टी0 के पाठ्यक्रमों का परीक्षा परिणाम समयान्तर्गत घोषित न होने एवं पी0एफ0एम0एस0 से समयान्तर्गत रिस्पांस न प्राप्त होने के कारण छात्रवृत्ति से वंचित रह गये छात्र-छात्राओं के लिये नवीन समय सारिणी निर्गत की गयी है। उन्होंने बताया है कि अल्पसंख्यक वर्ग की छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति से वंचित छात्रों के स्तर से आवेदन पत्र को सही करने की तिथि 15 जुलाई से 24 जुलाई, 2024 तक तथा शिक्षण संस्थाओं के द्वारा सही आवेदन पत्रों को दिनांक 16 जुलाई, 2024 से 30 जुलाई, 2024 तक अग्रसारित करना। विश्वविद्यालय / एफ़िलिएटिंग एजेंसी के द्वारा वास्तविक छात्रों के डाटा का सत्यापन व अपात्र छात्रों को ब्लॉक करने की तिथि 31 जुलाई, 2024 से 08 अगस्त, 2024 तक निर्धारित की गयी है।

एन एस पी एस त्रिपुला में शहादत दिवस पर याद किए गए हजरत इमाम हुसैन

जन एक्सप्रेस/रायबरेली न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में इस्लामिक कैलेंडर के पहले महीने के दसवें दिन हुई इस्लाम धर्म के आखरी पैगंबर हजरत इमाम हुसैन की शहादत पर उन्हें याद किया गया और बुराई एवं अत्याचार के खिलाफ संघर्ष में शहादत से पीछे न हटने का संदेश देते हुए मुहर्रम मनाया गया विद्यालय की छात्रा अनुष्का और आर्या ने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए बताया कि मोहर्रम इस्लामिक कैलेंडर का पहला माह है और इस रमजान की तरह ही पवित्र महीना माना जाता है इस महीने के दसवें दिन इस्लाम धर्म के आखिरी पैगंबर हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। बताया जाता है कि यजीद को खलीफा मानने से इनकार करने पर इमाम हुसैन और उनके साथियों पर बहुत अत्याचार हुए उनका पानी तक बंद कर दिया गया मोहर्रम माह के दसवें दिन इराक में हुई कर्बला की जंग में इमाम हुसैन सहित 71 लोगों की यजीद की सेना ने मौत के घाट उतार दिया इस जंग में इमाम हुसैन के 6 माह के बेटे अली असगर को भी नहीं बक्शा गया शहादत के इसी दिन मुस्लिम समुदाय के लोग मातम मनाते हुए इमाम हुसैन को याद करते हैं यह घटना शहादत के अलावा भी एक शिक्षा देती है की इज्जत के साथ मरना जिल्लत की जिंदगी गुजारने से बेहतर है इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य शिव लखन प्रजापति उप प्रधानाचार्य मोहम्मद फैजान खान शिवकरणपाल शाहीन खान संचित त्रिवेदी अभिषेक श्रीवास्तव आरजू यादव रामदेव पिंकी जयसवाल गिरी श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं विद्यार्थी कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासन में जो जिम्मेदारी दी है व जनता की जो अपेक्षा है उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा: जिलाधिकारी

जन एक्सप्रेस/अयोध्या धाम। जनपद अयोध्या का चार्ज लेने के बाद नवागत जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते कहा अयोध्या एक सुप्रसिद्ध नगरी है, अयोध्या धाम है, मेरा सौभाग्य है कि मुझे सेवा करने का मौका मिल रहा है, मेरी पूरी कोशिश होगी जो यहां के निवासी हैं और जो आने वाले श्रद्धालु हैं उन्हें किसी तरह की दिक्कत ना हो, उनकी समस्याओं का गुणवत्ता पूर्वक समाधान किया जाएगा, जहां भी सुधार की आवश्यकता है वहां सुधार किया जाएगा और बेहतर तरीके से जनता के बीच इन सब चीजों को लाया जाएगा, चिकित्सा और शिक्षा क्षेत्र में भी और बेहतर कर सके इसका प्रयास होगा, सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है, शासन ने जो जिम्मेदारी दी है जनता की जो अपेक्षा है उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा, सावन झूला मेला व कावड़ यात्रा 22 जुलाई से शुरू हो रहा है इसके लिए प्रशासन व पुलिस की टीम की कोआर्डिनेशन मीटिंग हो चुकी है, इस पर बैठक हुई है अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो, लॉ एंड ऑर्डर अच्छी तरह सब मेनटेन रहे, क्राउड मैनेजमेंट भी अच्छी तरह से मैनेज किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती की हुई मौत, पुलिस ने भेजा पोस्टमार्टम

जन एक्सप्रेस/मवई-अयोध्या। मवई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बादे का पुरवा मजरे नरौली में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।परिजन अंतिम संस्कार करने जा रहे थे कि सूचना पर पहुंचीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के मुताबिक नरौली गांव के मजरे बादे का पुरवा गांव निवासी राम भारत धीमान की 21 वर्षीय पुत्री किरण की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।मृतक के परिजनों की माने तो शौच के समय किसी जहरीले जंतु के काटने से उसकी मौत हो गई है जबकि कुछ अन्य की माने तो उसके गले में रस्सी के निशान भी बताए जा रहे हैं।

फिलहाल सूचना पर पहुंचे मवई थाना प्रभारी संदीप कुमार त्रिपाठी ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतक युवती की पहचान किरण धीमान उम्र 21 वर्ष पुत्री राम भारत धीमान निवासी बादे का पुरवा थाना मवई के रूप में हुई है। युवती की मौत संदिग्ध है पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

janexpressnews janexpresslive janexpresslive

लखनऊ एक्सप्रेस

तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	36°C	28°C
कानपुर	36°C	29°C
देहरादून	31°C	26°C
नई दिल्ली	36°C	29°C

www.janexpresslive.com/epaper | हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस । | लखनऊ । बुधवार । 17 जुलाई 2024

2023-24 में 17 प्रतिशत तक बढ़ा यूपीपीसीएल का रेवेन्यू कलेक्शन

सीएम योगी की मंशा के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति के साथ ही रेवेन्यू कलेक्शन में भी यूपीपीसीएल ने हासिल की उपलब्धि

- वित्तीय वर्ष 2023-24 में यूपीपीसीएल का रेवेन्यू कलेक्शन 17.63 प्रतिशत बढ़कर 70,153 करोड़ रुपए पहुंचा
- कलेक्शन एफिशिएंसी 99.54 प्रतिशत पर पहुंची तो बिलिंग एफिशिएंसी भी सुधार के साथ 84.44 प्रतिशत हुई
- पीक डिमांड के बावजूद 15 मार्च से 30 जून 2024 तक प्रदेश भर में सुनिश्चित की गई 24 घंटे विद्युत आपूर्ति

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

3.46 करोड़ हुई उपभोक्ताओं की संख्या

2023-24 में प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं की कुल संख्या 3.46 करोड़ के करीब पहुंच गई है। 2022-23 में यह संख्या करीब 2.37 करोड़ तो 2021-22 में 3.16 करोड़ से अधिक थी। मौजूदा उपभोक्ताओं में 60 प्रतिशत उपभोक्ता ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। वहीं,प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या 87 प्रतिशत, कॉमर्शियल एवं इंडस्ट्रियल उपभोक्ता 7 प्रतिशत,कृषि उपभोक्ता 4 प्रतिशत है। रेवेन्यू कलेक्शन में घरेलू उपभोक्ताओं का हिस्सा 39 प्रतिशत है, जबकि इंडस्ट्रियल का 22 प्रतिशत, गवर्नमेंट का 13 प्रतिशत, नॉन डॉमेस्टिक का 12 प्रतिशत, बल्क सप्लाई, टेंपरेरी कनेक्शन का 9 प्रतिशत और कृषि का 5 प्रतिशत भागीदारी है। लोड की बात करें तो 2022-23 की तुलना में इसमें भी काफी वृद्धि हुई है। 2022-23 में जहां यह 70,137 मेगावाट था, वहीं 2023-24 में बढ़कर यह 73,835 मेगावाट पहुंच गया।

15 मार्च से 30 जून तक भीषण गर्मी में की गई 24 घंटे विद्युत आपूर्ति

यूपीपीसीएल के अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल के अनुसार, इस वर्ष भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर 15 मार्च से 30 जून तक प्रदेश भर में पीक डिमांड के बावजूद 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराई गई है। इस दौरान जिला मुख्यालय स्तर पर, तहसील मुख्यालय, महानगर और ग्रामीण स्तर पर 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की गई है। उन्होंने बताया कि 2024-25 में पीक डिमांड 30,618 मेगावाट तक पहुंची, जो रिकॉर्ड है। इससे पूर्व 2023-24 में पीक डिमांड 29043 मेगावाट रही थी। 13 जुलाई 2024 तक एवरेज डिमांड में 16 प्रतिशत की वृद्धि रही। इसके अतिरिक्त, उपभोक्ताओं को बिना बाधा के गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है। इसके लिए डीईईपी पोर्टल से एडवांस पावर प्रोक्योरमेंट द्वारा बेहतर प्लानिंग और मध्य प्रदेश, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तराखंड से पावर बैंकिंग व्यवस्था के साथ ही डीएएम, आरटीएम, एलडीसी और टीएमके के माध्यम से समयबद्ध पावर मैनेजमेंट सुनिश्चित किया जा रहा है। सिस्टम फाल्ट्स को समयबद्ध तरीके से निस्तारित किया जा रहा है, जबकि ओवरलोडेड सब स्टेशंस को सीमित किया गया है।

बिलिंग और कलेक्शन एफिशिएंसी में हुआ सुधार

हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष हुई बैठक में यूपीपीसीएल ने बताया कि 2023-24 में विभाग का रेवेन्यू कलेक्शन 17.63 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 70,153 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस दौरान कलेक्शन एफिशिएंसी और बिलिंग एफिशिएंसी में भी काफी सुधार हुआ है। कलेक्शन एफिशिएंसी जहां 2022-23 में 93.42 प्रतिशत थी तो वहीं 2023-24 में यह 99.54 प्रतिशत पर पहुंच गई। वहीं बिलिंग एफिशिएंसी 2022-23 के 83.35 प्रतिशत की तुलना में 2023-24 में सुधरकर 84.44 प्रतिशत पर पहुंच गई। बिलिंग एफिशिएंसी का मतलब विद्युत उपभोक्ताओं को सही और समय पर बिजली के बिल दिए जाने से है, जबकि कलेक्शन एफिशिएंसी का मतलब उपभोक्ताओं से बिजली बिल के सही समय पर वसूली से है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश विद्युत निगम लि. (यूपीपीसीएल) प्रदेश में बेहतर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के साथ-साथ रेवेन्यू कलेक्शन के क्षेत्र में भी लगातार वृद्धि कर रहा है। 2023-24 में उसका रेवेन्यू कलेक्शन 2022-23 की तुलना में 17 प्रतिशत से अधिक रहा है। 2022-23 में जहां यूपीपीसीएल का रेवेन्यू कलेक्शन 59,635 करोड़ रुपए रहा था तो वहीं, 2023-24 में यह 17.63 प्रतिशत बढ़कर 70,153 करोड़ रुपए पहुंच गया है। इसके अतिरिक्त 2023-24 में प्रदेश में विद्युत कनेक्शन की संख्या करीब 3.46 करोड़ और कुल लोड 73,835 मेगावाट पहुंच गया।

पौधरोपण अभियान में हरियाली संग सेहत का भी ध्यान

- सीएम योगी का निर्देश, अभियान में लगेंगे सहजन के 55 लाख पौधे
- हर आंगनवाड़ी केंद्र और पीएम आवास लाभार्थी के घर के सामने लगेंगे पौधे

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

योगी सरकार हर बार की तरह इस बार भी पौधरोपण का रिकार्ड बनाने जा रही है। 20 जुलाई को एक दिन में 36.50 करोड़ पौधों के रोपण से यह रिकॉर्ड बनेगा। हर साल लगभग इसी सीजन में किए जाने वाले पौधरोपण का मकसद प्रदेश में हरितिमा बढ़ाना, पर्यावरण को स्वच्छ व सुंदर बनाना, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को कम करना है। साथ ही योगी सरकार इस अभियान के जरिये लोगों की सेहत का भी ख्याल रखती है। यही वजह है कि अपनी तमाम खूबियों के कारण पोषण का पावर हाउस और चमत्कारिक पौध कहे जाने वाले सहजन के पौधरोपण पर खास ध्यान देती है। इस बार के पौध रोपण अभियान में भी सहजन के 55 लाख पौधे लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश है कि हर आंगनवाड़ी केंद्र, प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को सहजन के पौधे दिए जाएं। यही नहीं विकास के मानकों पर पिछड़े आकांक्षात्मक जिलों में हर परिवार को सहजन के कुछ पौधे लगाने को भी प्रेरित किया जाए। गृह वाटिका के पीछे भी सीएम की यही सोच रही। दरअसल अगर लोग सहजन की खूबियों को जान जाएं और उनका सेवन करें तो यह कुपोषण के खिलाफ एक सफल जंग सरीखा होगा। अब तो केंद्र सरकार भी सहजन की खूबियों की मुरीद हो चुकी है। पिछले साल केंद्र ने राज्यों को निर्देश दिया था कि वे पीएम पोषण योजना में स्थानीय स्तर पर सीजन में उगने वाले पोषक तत्वों से भरपूर पालक, अन्य शाक-भाजी एवं फलियों के साथ सहजन को भी शामिल करें।

तुलनात्मक रूप से सहजन के पौष्टिक गुण

- विटामिन सी- संतरे से सात गुना।
- विटामिन ए- गाजर से चार गुना।
- कैल्शियम- दूध से चार गुना।
- पोटैशियम- केले से तीन गुना।
- प्रोटीन- दही से तीन गुना।

खूबियों का खजाना है सहजन

सहजन सिर्फ एक पौधा नहीं है बल्कि खुद में पोषण का पावरहाउस है। इसकी पत्तियों एवं फलियों में 300 से अधिक रोगों की रोकथाम के गुण होते हैं। इनमें 92 तरह के विटामिन्स, 46 तरह के एंटी ऑक्सीडेंट, 36 तरह के दर्द निवारक और 18 तरह के एमिनो एसिड मिलते हैं।

दैवीय चमत्कार भी कहा जाता है सहजन को

दुनिया में जहां-जहां कुपोषण की समस्या है, वहां सहजन का वजूद है। यही वजह है कि इसे दैवीय चमत्कार भी कहते हैं। दक्षिणी भारत के राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक में इसकी खेती होती है। साथ ही इसकी फलियों और पत्तियों का कई तरह से प्रयोग भी। तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय ने पीकेएम-1 और पीकेएम-2 नाम से दो प्रजातियां विकसित की हैं। पीकेएम-1 यहां के कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुकूल भी है। यह हर तरह की जमीन में हो सकता है। बस इसे सूरज की भरपूर रोशनी चाहिए।

पशुओं एवं खेतीबाड़ी के लिए भी उपयोगी

सहजन की खूबियां यहीं खत्म नहीं होतीं। चारे के रूप में इसकी हरी या सूखी पत्तियों के प्रयोग से पशुओं के दूध में डेढ़ गुने से अधिक और वजन में एक तिहाई से अधिक की वृद्धि की रिपोर्ट है। यही नहीं इसकी पत्तियों के रस को पानी के घोल में मिलाकर फसल पर छिड़कने से उपज में सवाया से अधिक की वृद्धि होती है।

मुख्यमंत्री योगी ने घर पहुंच विधानसभा अध्यक्ष का जाना हाल

- तबीयत बिगड़ने पर पिछले महीने की गई थी ओपन हॉर्ट सर्जरी
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के घर पहुंचे। सीएम ने उनका हालचाल जाना। तबियत बिगड़ने पर जून में विधानसभा अध्यक्ष का गुरुग्राम में ऑपरेशन हुआ था। सीएम योगी मंगलवार सुबह विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के 16-कालिदास मार्ग लखनऊ स्थित आवास पहुंचे। यहां महाना के परिजनों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका हालचाल जाना, फिर विधानसभा अध्यक्ष के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, सरोजिनी नगर के विधायक राजेश्वर सिंह आदि भी मौजूद रहे।

सवर्ण युवा महासभा की बैठक संपन्न

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

सवर्ण युवा महासभा अमौसी स्थित कार्यालय पर आज दिनांक 16 जुलाई 2024 दिन मंगलवार दोपहर 1:00 कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई लगभग 2 घंटे चली इस बैठक में तमाम महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। जिसमें युवा महा सभा के सभी पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

आगामी बैठक 28 जुलाई 2024 दिन रविवार प्रातः 11 बजे का समय निश्चित किया गया है जिसमें संगठन आज की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप आगे कार्य करेगी एवं संगठन विस्तार से लेकर संगठन के मजबूत सक्रिय कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने का भी कार्य करेगी। आज की बैठक में सुशील शुक्ला राष्ट्रीय अध्यक्ष, गोविंद मणि तिवारी राष्ट्रीय सचिव, शिवमोहन तिवारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य , सतीश द्विवेदी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, अर्जुन सिंह जिला अध्यक्ष लखनऊ, विजय शंकर मिश्रा महानगर अध्यक्ष लखनऊ, अनिल सिंह जिला सचिव लखनऊ इत्यादि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

होटल ट्यूलिप में प्रवास 4.0 बस कार ऑपरेटर्स समिति ने समस्याओं को लेकर किया आयोजन

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

राजधानी स्थित होटल गोल्डन ट्यूलिप में बस एवं कार ऑपरेटर्स की बैठक में पूरे भारत से आये लगभग 250 से अधिक ऑपरेटर्स शामिल हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह भी उपस्थित रहे। ऑपरेटर्स के पदाधिकारी द्वारा मंत्री के समक्ष अवगत कराया कि आज के समय में यात्रियों के लिए बस यात्रा सबसे सुरक्षित रहती है। शहर के बढ़ते हुए ट्रैफिक के जाम को देखते हुए दो पहिया,चार पहिया वाहनों के दौड़ने की सड़क पर भरमार होती है और उन वाहनों में एक से दो लोग सफर करते और प्रति व्यक्ति के लिए लगभग 100 स्क्वायर फीट जगह कवर होती है।जबकि बस में 10 से 15 स्क्वायर फिट ही जगह कवर कर एक बस में 50 से 60 लोग एक साथ सफर करते है। प्रदूषण की दृष्टि से भी शहर के अंदर बस का संचालन यात्रियों के लिए सुरक्षित और आरामदायक है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बस का सफर सबसे अधिक किया जाता है। बसो के संचालन के लिए सरकार को बस वाहन स्वामियों की समस्याओं का समाधान कराकर उन्हें परमिट फिटनेस, टैक्स एवं विधिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए। जिससे की बसों का संचालन वाहन स्वामी आसानी से कर सके। मंत्री दया शंकर सिंह के समक्ष ऑपरेटर्स ने वाहनों को संचालन करने मे परमिट, रूट, फिटनेस, चालान एवं कानूनी संबंधित समस्याओं से अवगत कराया। बस ऑपरेटर्स की समस्याओं को सुनकर मंत्री ने ऑपरेटर्स को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश एक प्रगतिशील प्रदेश है आप यहां निवेश करें ताकि आम जनता को सुरक्षित और आरामदायक परिवहन सेवा प्रदान की जा सके राज्य सरकार आप सबको व्यापार करने के लिए एक अच्छा सिस्टम और सुविधाएं मुहैया करायेगी। इस अवसर पर ऑपरेटर के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रसना पाटवर्धन, चेयरमैन जगदेव सिंह खालसा, हर्ष कोटक, चेयरमैन यूपी अनिल दीक्षित, चेयरमैन गुरमीत सिंह तनेजा, चेयरमैन सीएमआर कमेटी, राकेश कालरा वाइस चेयरमैन यूपी मनीक चावला,डा0हरीश सभरवाल, नरेश ग्रोवर, मेजर मुजताबा अली खान आदि ने कार्यक्रम का संचालन किया।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को बताया फीडबैक का महत्व

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि अध्यापकों को विद्यार्थियों के साथ महीने में कम से कम दो बैठक कर उनकी समस्याओं को समझते हुए त्वरित निस्तारण के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के फीडबैक के माध्यम से ही महाविद्यालय शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में मेरठ कॉलेज, मेरठ द्वारा नैक (नेशनल एक्रेडिटेशन एंड असेसमेंट काउंसिल) के लिए दाखिल होने वाली सेल्फ स्टडी रिपोर्ट (एसएसआर) की समीक्षा की। इस बैठक में नैक के सभी संबंधित मानदंडों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल. जानी, महाविद्यालय की नैक टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। राज्यपाल ने महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों, विभिन्न विभागीय समितियों और क्लबों के माध्यम से विविध कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला और प्रतियोगिता के आयोजन किए जाने तथा उसमें विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि इससे उनका नेतृत्व कौशल और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। महाविद्यालय को स्कूलों में जाकर बच्चों को उच्च शिक्षा में दाखिला लेने हेतु प्रोत्साहित करने का निर्देश देते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्राओं की फीस कम की जाए ताकि वे भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें और उनकी पढ़ाई में कोई बाधा न आए। इसके साथ ही, उन्होंने महाविद्यालय में इंटरनेशनल व नेशनल कांफ्रेंस करने तथा विविध ऑनलाइन गतिविधियाँ आयोजित करने और रिसर्च पॉलिसी बनाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने दुर्लभ और सौ साल से भी अधिक पुरानी पुस्तकों को संरक्षित करने और उन्हें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराने का निर्देश दिया ताकि विद्यार्थी अपनी प्राचीन धरोहरों से परिचित हो सकें। राज्यपाल ने बैठक में बेस्ट प्रैक्टिस पर चर्चा करते हुए कहा कि लैब का काम किसान, महिलाएं, बच्चे, गरीब और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय को ऐसे काम करने चाहिए जिससे इन सभी को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। उन्होंने महाविद्यालय को मशरूम की खेती को बेस्ट प्रैक्टिस के रूप में अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय मशरूम की खेती की जानकारी किसानों तक पहुंचाएं और इसे पौष्टिक आहार से जोड़ते हुए आंगनबाड़ी और स्कूलों तक पहुंचाएं, ताकि विद्यार्थियों को इसकी पौष्टिकता के बारे में जानकारी मिल सके और वे जागरूक होकर इसका सेवन कर सकें। उन्होंने मशरूम की खेती को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केवल शरीर का नहीं होता, बल्कि मिट्टी का भी होता है, जो मशरूम की खेती से सुधरता है। इसलिए इसकी खेती को प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता है।

पूर्व विधायक गोमती यादव ने बाढ़ क्षेत्र गांवों का किया दौरा

- गांव के संभ्रांत व्यक्ति, अन्य किसानों से की मुलाकात

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ जिले के बीकेटी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक गोमती यादव ने बाढ़ क्षेत्र गांवों का सपा कार्यकर्ताओं के साथ दौरा किया। बता दें कि पूर्व विधायक ने सुल्तानपुर, बहादुरपुर, अकडरियां कलां, अकडरियां खुर्द, लासा,हरदा कॉलोनी, हीरापुरवा,दुधरा, जमखनवां इन गांवों में गोमती नदी में आई बाढ़ से प्रभावित किसानों एवं गांवों के संभ्रांत व्यक्तियों से मुलाकात कर चर्चा की, और बाढ़ से प्रभावित फसलों का जायज़ मुआवजा दिलवाने की बात कही। बता दे कि पिछले दिनो इन गांवों में आई बाढ़ से गांवो के किसानों की धान की बेंड, भिन्डी,तुराई, लौकी,बजरा, मक्का अन्य फसलें बर्बाद हो गई है, जिसको लेकर पूर्व विधायक गोमती यादव ने प्रशासन से जायज़ मुआवजा दिलवाने की बात कही हैं। इस मौके पर लखनऊ जिला उपाध्यक्ष सपा सुनील भदोरिया, बीकेटी ब्लाक अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह , वरिष्ठ संभ्रांत व्यक्ति नेता भुवनेश्वर द्विवेदी उर्फ बच्चा महराज, पूर्व विधायक गोमती यादव, अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

पंचम तल के अफसर विधायकों से छुलवाते हैं पैर-देवेन्द्र सिंह

जन एक्सप्रेस/लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा सनसनीखेज खुलासा सामने आया है। बीजेपी के एमएलसीदेवेंद्र प्रताप सिंह ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी विधायकों से अपने पैर छुलवाते हैं। इस बयान ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने एक प्रेस वार्ता में यह खुलासा किया। उन्होंने कहा, पंचम तल यानि मुख्यमंत्री कार्यालय में विधायकों को अधिकारी इतना विवश कर देते हैं कि वे उनके पैर छुए। मुख्यमंत्री के ऑफिस के अधिकारी विधायकों से अपने पैर छुलवाते हैं। विधायक उनके सामने पैर पड़ने को मजबूर हैं। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा का माहौल गर्म हो गया है।देवेंद्र प्रताप सिंह ने अधिकारियों के व्यवहार को अत्याचार और बदसलूकी करार दिया और मुख्यमंत्री से इस मामले में तुरंत कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ विधायकों की गरिमा का अपमान है, बल्कि लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ भी है।बीजेपी के अन्य नेताओं ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं कई नेताओं ने इस तरह की घटनाओं की निंदा की और जांच की मांग की। वहीं, विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है।

यूपी के 54,64,254 को अन्य राज्यों में मिला खाद्यान्न

लखनऊ। प्रदेश में चल रही 'वन नेशन वन राशनकार्ड योजना' के तहत अब तक अन्य राज्यों के 49,635 राशन कार्डधारकों को उत्तर प्रदेश से तथा उत्तर प्रदेश के 54,64,254 कार्डधारकों को अन्य राज्यों से खाद्यान्न दिया गया है। जो आजीविका की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर चलायमान रहते हैं।खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश स्तर पर राशनकार्ड पोर्टेबिलिटी संचालित किये जाने के उपरान्त भारत सरकार की 'वन नेशन वन राशनकार्ड' योजना के तहत प्रदेश में राष्ट्रीय पोर्टेबिलिटी की सुविधा माह मई 2020 से लागू है।

अनावासीय भवनों के निर्माण कार्य हेतु 03 करोड़ रूपये मंजूर

जन एक्सप्रेस/लखनऊ। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में अमरोहा की तहसील अमरोहा में अनावासीय भवनों के निर्माण कार्य हेतु 03 करोड़ रूपये मंजूर किये हैं। धनराशि तृतीय किश्त के रूप में मंजूर की गयी है। राजस्व विभाग ने इस संबंध में आवश्यक आदेश जारी कर दिये हैं।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य / उ.रे.
नीलामी सूची सं./ लॉट सं.	ADVT-LKO-LKO-OSN-505-24-3 (Advertising - On station premise (Non-Digital))
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	11.07.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	29.07.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	29.07.2024 समय 10:30 बजे
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E- Auction Module of www.ireps.gov.in

दिनांक: 15.07.2024 2163/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

तीन साल में योगी आदित्यनाथ कितने बदल पायेंगे हालात

आंकड़ा 2027 के विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आने तक पांच लाख तक पहुंच सकता है। इसी के साथ पेपर लीक की घटनाओं पर अंकुश लगाने और इसमें लिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये भी एसटीएफ तेजी से काम कर रही है। बेरोगारी और पेपर लीक की घटनाओं के चलते युवा वर्ग केन्द्र और राज्य सरकारों के खिलाफ काफी आक्रोशित है। उधर, इन युवाओं को गुस्से को विपक्ष हवा-पानी देने का काम कर रहा है। ऐसी ही एक मोदी सरकार की एक और योजना अग्निवीर भी सरकार के लिये बढ़ा मुद्दा बना हुआ है।

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश में काफी नुकसान उठाना पड़ा। यूपी की वजह से केंद्र में मोदी की पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बन पाई, जो बीजेपी यूपी में 80 सीटें जीतने का सपना पाले हुए थी, वह 33 सीटों पर सिमट गई। बीजेपी का ग्राफ इतनी तेजी से गिरा की अब तो विपक्षी नेता खासकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव तो दिल्ली में मोदी को सबक सिखाने के पश्चात तीन साल बाद 2027 में योगी को भी धूल चटाने की बात करने लगे हैं। 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं और तब योगी की प्रतिष्ठा दांव पर होगी। 2027 के चुनाव में जहां राहुल गांधी और अखिलेश यादव बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान में उतरेंगे, वहीं बीजेपी को 2024 के नतीजे कचोटते रहेंगे, जबकि भारतीय जनता पार्टी 2024 जैसे चुनावी नतीजे 2027 विधानसभा चुनाव में नहीं देखना चाहती है। इसीलिये बीजेपी आलाकमान के साथ-साथ सीएम योगी आत्यिनाथ उन मुद्दों की धार कुंद करने में लग गये हैं जिसके सहारे कांग्रेस-सपा गठबंधन ने बीजेपी को आईना दिखाया था। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने संविधान, दलित ओबीसी आरक्षण, बेरोजगारी, महंगाई को बीजेपी के खिलाफ सबसे मजबूत चुनावी हथियार बनाया था। अबकी से राहुल के मुंह से अडानी-अंबानी, नोटबंदी, राफेल विमान खरीद भ्रष्टाचार, चौकीदार चोर है, जैसे तमाम जुमले सुनने को नहीं मिले थे। राहुल गांधी के साथ-साथ अखिलेश यादव भी अपनी जनसभाओं में दो ही बातें दोहराते रहे, पहला मोदी को 400 सीटें मिली तो वह संविधान बदल देंगे, दूसरा दलितों और ओबीसी को मिलने वाला आरक्षण खत्म कर दिया जायेगा। इसके अलावा राहुल की महिलाओं को 8500 रूपये प्रति माह देने की गारंटी ने भी बीजेपी का खेल बिगाड़ दिया। चुनाव बाद भी जिस तरह से राहुल गांधी संविधान की किताब लिये घूम रहे हैं उसकी काट के लिये अब मोदी सरकार ने इमरजेंसी के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। मोदी के मंत्री से लेकर छोटे-बड़े सभी नेता लगातार बता रहे हैं कि 1975 में किस तरह से तत्कालीन इंदिरा गांधी की सरकार ने इमरजेंसी लगाकर संविधान की आत्मा को तार-तार कर दिया था। सदन में तो इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव तक पास हो गया। सबसे खास बात यह रही कि मोदी सरकार जब इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाई तो इसके खिलाफ कांग्रेस सदन में अकेले ही खड़ी नजर आई। राहुल के सबसे मजबूत साथी समझे जाने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इमरजेंसी मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं गये। बहरहाल, आम चुनाव में इंडी गठबंधन के कुछ दमदार और असरदार साबित हुए मुद्दों की धार को मोदी सरकार कम करने में लगी है तो दूसरी ओर गठबंधन के कुछ मुद्दों की हवा निकालने के लिये योगी सरकार ने अपने कंधों पर जिम्मेदारी ले रखी है। योगी ने इसके लिये अभी से सरकार के पेंच कसना शुरू कर दिये हैं। संगठन स्तर पर भी काम चल रहा है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के शुरुआती तीन-चार महीनों में सम्पन्न होना है। इस हिसाब से सरकार के पास तीन साल से भी कम का समय बचा है। यह तय माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी खराब छवि वाले विधायकों का टिकट काटने में भी आलाकमान परहेज नहीं करेगा। गौरतलब हो, हाल में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीद से काफी कम सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग ने जो आकड़े जारी किये हैं उसके अनुसार यूपी में 80 लोकसभा सीटें जिसके अंतर्गत 403 विधान सभाएं आती हैं।

एक्सप्रेस आलेख

जो 1990 के दशक में कश्मीरी पंडित समुदाय के पलायन के बाद से असुरक्षित हैं। न्यायालय में विरासत संरक्षण के लिए एक मार्मिक लड़ाई देखी गई। न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर प्रवासी अचल संपत्ति (संरक्षण, सुरक्षा और संकट बिक्री पर रोक) अधिनियम 1997 के तहत आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। दरअसल, इस मामले में याचिकाकर्ता कश्मीरी पंडितों ने तीर्थस्थलों की स्थिति के बारे में चिंता व्यक्त की थी। जवाब में, उच्च न्यायालय ने इन ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा के लिए राज्य की जिम्मेदारी पर जोर दिया। यहां तक कि हिन्दू श्मशान घाट पर अतिक्रमण पर भी न्यायालय ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है और हर अतिक्रमण को हटाने का निर्देश दिया है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जम्मू-कश्मीर में हिन्दू मंदिरों की पुनर्प्रतिष्ठा का सदियों का संघर्ष आखिरकार विजित हुआ

इस संबंध में सामने आए एक डेटा के अनुसार, कश्मीरी पंडितों के लगभग 900 परिवार वर्तमान में कश्मीर में रहते हैं । यहां 3000 के करीब मंदिर, तीर्थ स्थल, 600 श्मशान घाट और लगभग इतने ही पवित्र झरने हैं, जिनमें से 105 का रखरखाव ठीक से किया जाता है और बाकी पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता।

इतिहास में एक लम्बा संघर्ष का दौर चलता है। ये वर्षों-बरस का संघर्ष है। कई पीढ़ियां गुजर गईं इस आस में कि कभी तो न्याय मिलेगा। और अचानक से अब देखो, न्याय मिलने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ा है। यदि भविष्य में भी सब कुछ ठीक रहा तो सदियों के गहरे घाव समय के साथ भर जाएंगे। जम्मू-कश्मीर में फिर एक बार वही प्राचीन संस्कृति एवं ज्ञान धारा का प्रवाह दिखाई देगा, जिसकी स्थापना ऋषियों ने वर्षों तक गहरी साधना के बाद इस धरती पर की थी। जम्मू का उल्लेख भारत के हर हिन्दू घर में सदियों से देवपूजा में गूंजता रहा है, फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह हिन्दू भारत के किस क्षेत्र में निवास करता है, अपने अस्तित्व और पूर्वजों की लम्बी शृंखला को नमन करते हुए लिया जाने वाला हर संकल्प जम्मूद्वीप के भरतखण्ड से शुरू होता है। निश्चित ही इससे जम्मू-कश्मीर के अति प्राचीन महत्व को सहज ही समझा जा सकता है। कश्मीर का नामकरण कश्यप ऋषि के नाम पर हुआ है। कश्यप ऋषि कश्मीर के पहले राजा थे। कश्मीर को उन्होंने अपने सपनों का राज्य बनाया। कैस्पियन सागर से लेकर कश्मीर तक ऋषि कश्यप के कुल के लोगों का ही सर्वत्र राज फैला हुआ था। उनकी एक पत्नी कद्रू के गर्भ से नाग वंश अस्तित्व में आया, जिनमें प्रमुख आठ नाग हुए-अनंत (शेष), वासुकि, तक्षक, कर्कोटक, पद्म, महापद्म, शंख और कुलिक। कश्मीर में इन नागों के नाम पर ही अनंतनाग जैसे स्थान हैं। फिर हाल में अखनूर से प्राप्त हड़प्पा कालीन अवशेषों तथा मौर्य, कुषाण और गुप्त काल की कलाकृतियों से जम्मू के प्राचीन इतिहास की गहराइयों का पता चल ही जाता है। राजतरंगिणी तथा नीलम पुराण की कथा के अनुसार कश्मीर की घाटी कभी बहुत बड़ी झील हुआ करती थी। कश्यप ऋषि ने ही यहां सबसे पहले अपना वह प्रयोग किया जिसके कारण से झील का पानी हटा और यह क्षेत्र एक मनोरम प्राकृतिक स्थल में बदल गया। जहां मनुष्यों को बसाया जाना संभव हुआ। इतिहास के पन्नों में यहां शैव और बौद्ध दर्शन का व्यापक प्रभाव दिखाई देता है। कश्मीर के हिन्दू राजाओं में ललितादित्य, अवन्तिवर्मन जैसे अनेक राजा हुए हैं, जिनका राज्य पूर्व में बंगाल तक, दक्षिण में

ऐसे में अब जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट से आए हिन्दू पक्ष के निर्णय के बाद यहां उम्मीद की गहरी आस जगी है। सिर्फ जम्मू-कश्मीर में निवासरत हिन्दुओं को ही नहीं, देश के प्रत्येक हिन्दू को लगता है कि जल्द ही जम्मू-कश्मीर में मंदिरों की पुनर्प्रतिष्ठा का नया दौर देखने को मिलेगा।

कोंकण, उत्तर-पश्चिम में तुर्किस्तान और उत्तर-पूर्व में तिब्बत तक फैला था। साहित्यकारों और संस्कृत आचार्यों की लंबी परंपरा यहां देखने को मिलती है। प्रसिद्ध वैयाकरणिक रम्मत, मुक्तकण, शिवस्वामिन और कवि आनंदवर्धन, रत्नाकर, भीम भट्ट, दामोदर गुप्त, क्षीर स्वामी, रत्नाकर, वल्लभ देव, मम्मट, क्षेमेन्द्र, सोमदेव, मिल्हण, जयद्रथ हों या कल्हण जैसे संस्कृत के अपार विद्वानों की एक लम्बी परम्परा भारत को इसी कश्मीर की देन है । कुल मिलाकर जम्मू-कश्मीर की एक सांस्कृतिक, भौगोलिक और अति प्राचीन हिन्दू विरासत है, जिसे कि आगे नष्ट करने के अनेक प्रयास हुए। कहना होगा कि कश्मीर में इस्लाम के आगमन के बाद जैसे यहां सब कुछ बदलना शुरू हो गया था। इस्लाम या मौत चुनाव किसी एक का ही किया जा सकता था। कई लोग पहाड़ों में छिपते-छिपाते रहे तो कई अनुनय-विनय से तो कुछ अपने शक्ति-पराक्रम के बल अपने धर्म की रक्षा करते रहे, लेकिन शाह हमादान के समय में जो यहां इस्लामीकरण शुरू हुआ वह आगे सुल्तान सिकन्दर के वक्त तक आते-आते अपने चरम पर पहुंच चुका था। कश्मीर के लिए यह वह दौर था, जब यहां की संस्कृति बलात बदली जा रही थी, इस काल में हिन्दुओं को बड़ी संख्या में इस्लाम कबूल करवाया गया और इस तरह धीरे-धीरे कश्मीर के अधिकतर लोग मुसलमान बन गए। समय बीतने के साथ कई पीढ़ियां अपने मूल अस्तित्व को भूल गईं और इस्लाम अब इनके सिर पर चढ़कर बोलने लगा था। यहां के लिए यह युग सनातन हिन्दू संस्कृति के लिए उसके ह्रास का युग था। मंदिर नष्ट किए जा रहे थे। साहित्य और संस्कृति के प्राचीन ज्ञान खजाने से जुड़ी पाण्डुलिपियां जलाई जा रही थीं। ऐसे में यहां प्राचीन सनातन परंपरा को माननेवाले हिन्दुओं और विदेशी धरती से आए इस्लाम के बीच संघर्ष जारी था और तभी इसी संघर्ष के बीच राजा रणजीत सिंह ने 15 जून 1819 को कश्मीर में सिख शासन की स्थापना की और गुलाब सिंह को जम्मू-कश्मीर का शासन सौंप दिया, लेकिन रणजीत सिंह की मृत्यु के बाद पैदा हुई परिस्थितयों में एक नया दौर अंग्रेजी सत्ता का भारत में आया। तब जम्मू के राजा गुलाब सिंह की सत्ता सुदूर उत्तर में कराकोरम पर्वत श्रेणी तक फैली हुई थी। उत्तर में अक्साई चिन और लद्दाख भी इस राज्य के अंतर्गत था। इसके साथ ही कहना होगा कि बीच में कई मुस्लिम शासकों के बाद भी महाराजा रणबीर सिंह, राजा रंजीत देव, डोगरा शासक राजा मालदेव से लेकर यहां के अंतिम शासक महाराजा हरि सिंह 1925 से 1947 तक का हिन्दू साम्राज्य देखने को मिला। लेकिन इसके बाद भी यहां बसे हिन्दुओं पर इस्लाम का अत्याचार अभी भी बीच-बीच में उभर कर सामने आ ही रहा था। स्वतंत्र भारत में जम्मू-कश्मीर से बहु संख्या में हिन्दुओं विशेषकर पंडितों का पलायन, उन पर हुए क्रूर अत्याचार से इतिहास भरा पड़ा है। उसके अनेक दस्तावेज आज पब्लिक डोमेन में मौजूद हैं। फिर भी कुल मिलाकर जम्मू-कश्मीर की शताब्दयों तक की कहानी यही कहती है कि अनेक संघर्षों और इतिहास से पूरी तरह से हिन्दू सांस्कृतिक शब्दावली एवं परम्परा मिटाने के सदियों चले आततायी प्रयासों के बाद भी हर बार यही देखने में आया कि हिन्दू सनातन संस्कृति यहां भस्म में से भी पुन-पुन उठ खड़ी हुई है।

एक्सप्रेस कविता

याद आती है जिनकी मधुर सुगंध,
समा गई सांसों और रग रग में।
याद आते हैं पद कमल कोमल
बोल रही जिनकी पदचाप मधुर।
चुपके चुपके एकांत में याद करता
बाट जोहता पद चिन्हों की शांत सदा।

खिंचे चले जाते पग पग मेरे
उन फैली बेसुध बांहों की ओर।
पुकारते रहे पुकारते रहे मनुहार कर,
छिपे हो कहां धारा में गगन या अनंत में।
तुम्हारे दरस को तरसे नयन हमारे
सामने आ जाओ सफल जीवन हो हमारा।

संजीव ठाकुर

एक्सप्रेस ज्ञान

कौन बताता है भला समंदर का रास्ता नदी को, जिन्हें मंजिल पानी होती है वो सुझाव नहीं लेते

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरुरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे है, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	एकादशी 21:03 तक
नक्षत्रः	अनुराधा 27:12 तक
पक्षः	शुक्ल
वारः	बुधवार
योगः	शुभ, 07:03
सूर्योदयः	05:36
सूर्यास्तः	19:18
चंद्रमाः	वृश्चिक राशि में
राहुकालः	12:27-14:10
विक्रमी संवत्ः	2082
शक सम्वतः	1945
मासः	आषाढ़
शुभ मुहूर्तः	नहीं है

जन एक्सप्रेस

उठ रही पुकार !

लगातार ये हमले ।
उठ रही पुकार ।।
देने को जवाब अभी ।
हम कितने तैयार ?
रहा फिर आतंक ।
अपना पांव पसार ।।
अंतिम कब जवाब हम ।
देंगे आखिरकार ।।
बिलख रहे परिवार ।
रूदन हर तरफ छाया ।।
घड़ी आज वो आन ।
है दरकार सफ़ाया ।।
योजना तो फिर से ।
है त्वरित बनानी ।।
दहशतगर्द फिर से ।
कर रहे मनमानी ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

अपराजिता के सेवन से सेहत को मिलते हैं कई फायदे

अपराजिता एक प्रकार का पौधा होता है। इसे आयुर्वेद में औषधि माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व समस्त स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। अपराजिता के पौधे पर सफेद और नीले दो तरह के फल आते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होने के साथ एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं। ये गुण समस्त स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं। कई लोग अपराजिता के फूल का इस्तेमाल पंचकर्म के लिए करते हैं। पंचकर्म उपचार बॉडी से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है। आयुर्वेद में इसे कई स्वास्थ्य समस्याओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। इस बारे में जानकारी देते हुए आयुर्वेदिक एक्सपर्ट चैताली राठौर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है।

नर्वस सिस्टम के लिए फायदेमंद: अपराजिता के फूल नर्वस सिस्टम को रिलैक्स रखने में मदद करते हैं। इनके सेवन से माइंड शांत रहता है और स्ट्रेस कम होता है। जिन लोगों को एंग्जायटी ज्यादा रहती है उन्हें भी इसका सेवन करना चाहिए। इसके सेवन से याददाश्त भी तेज होती है।

स्किन को हेल्दी रखता है: स्किन को हेल्दी और स्मूद रखने के लिए अपराजिता के फूल फायदेमंद है। इनके सेवन से बॉडी डिटॉक्स होती है और टॉक्सिन बाहर आते हैं। इससे त्वचा की रंगत भी निखरती है। अगर आपको एक्ने की समस्या है, तो अपराजिता के फूलों की चाय पीने से आपको काफी राहत मिल सकती है।

बुखार कम होता है: बुखार होने पर भी अपराजिता के फूलों की चाय पीने की सलाह देते हैं। यह शरीर का तापमान कम करने और बॉडी इंफेक्शन से लड़ने में मदद करती है। इसके सेवन से शरीर में वात-पित्त भी संतुलित होता है।

इम्यूनिटी बूस्ट होती है: अपराजिता के फूलों में एंटीऑक्सीडेंट्स होने के साथ एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं। ये गुण इंफेक्शन और बीमारियों का खतरा दूर करने में मदद करते हैं। इसके सेवन से बॉडी से टॉक्सिन भी बाहर आते हैं जिससे बॉडी हेल्दी रहती है।

पाचन संबंधित समस्याएं: पाचन से जुड़ी समस्याओं के लिए अपराजिता के फूल फायदेमंद हैं। यह एसिडिटी और अपच की समस्याओं में राहत देते हैं।

वजन कम होता है: अपराजिता के फूलों की चाय पीने से वजन घटाने में भी मदद मिलती है। इसके सेवन से मेटाबॉलिज्म भी बूस्ट होता है। इसके रोज सेवन से चर्बी कम होने लगती है और वजन कम होता है।

अपराजिता के फूल का सेवन कैसे करें: सेहत के फायदों के लिए आप अपराजिता के फूलों की चाय बनाकर पी सकते हैं। इसके लिए आपको बड़े बाउल में एक कप पानी गर्म करना है। इसमें 2 से 3 ताजे अपराजिता के फूल डालें। इसके अलावा आप अपराजिता के सूखे हुए फूल भी ले सकते हैं। इसे 3 से 4 मिनट तक अच्छे से पकाएं। पकाने के बाद इसे छान लें और इसमें नींबू मिलाकर इसका सेवन करें। अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है और आप रोज दवा लेते हैं। ऐसे में अपराजिता का सेवन आपको अपने डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए। इस बारे में ज्यादा जानकारी के लिए आयुर्वेदिक एक्सपर्ट से संपर्क करें।

एक्सप्रेस विशेष

डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

लोक ही नहीं, परलोक सुधारने का जतन है 'मां के नाम एक पेड़'

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक ऐसे ही सच्चे प्रशंसक हैं। यही वजह है कि उन्होंने एक पेड़ मां के नाम योजना को पूरी गंभीरता से लिया है। बेशक इस योजना को क्रियान्वित करने के लिए कोई कानून नहीं बनाया गया है।

मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से मां के नाम एक पेड़ योजना को हाथ में लेकर केवल पर्यावरण को सुधारने का प्रयास ही नहीं किया है, बल्कि इसके माध्यम से प्रकृति को अपने अनुकूल बनाने की कोशिश शुरू कर दी है। यदि इस योजना को साकार करने हेतु सरकार के साथ जनता जनार्दन के कदम मिल जाएं तो आने वाले समय में एक नए भविष्य की संभावना प्रबल होती दिखाई देती है। जनश्रुति और ग्रंथों में दर्ज परंपराओं पर ध्यान दें तो हमें पता चलेगा कि भारतीय संस्कृति और संस्कार, दोनों इस प्रकृति के प्रादुर्भाव से ही पर्यावरण के हितकारी रहे हैं। उदाहरण के लिए- हमारे देश में आस्था का इतना गहन महत्व है कि यहां अनेक नदियों को मां के समान पूजा जाता है। पत्थरों से मूर्तियां तराशकर हम उनके भीतर अपने देवताओं के दर्शन करते हैं। इसे भी महत्वपूर्ण स्थान हमारे जीवन में पेड़-पौधों और वृक्षों का रहा है। वर्ष भर जितने भी हिंदू त्योहार मनाए जाते हैं उनमें ढेर सारे उत्सव ऐसे हैं, जिनमें केवल और केवल वृक्षों अथवा पेड़-पौधों की ही पूजा की जाती है। विस्तार से स्मरण करें तो हम पाएंगे हमारी माताएं बहने विभिन्न त्योहारों के माध्यम से वट वृक्ष, पीपल, आंवला, आम, केला, तुलसी सहित अनेक वृक्षों अथवा पेड़ पौधों की स्तुति करती रहती हैं। ये परंपराएं केवल इसलिए नहीं बनीं

लेकिन अब भारत की प्रकृति और प्रवृत्ति परिवर्तित हो रही है। क्योंकि देश में जन सरोकारों के प्रति सदैव ही चिंतित बने रहने वाले प्रधानमंत्री मोदी की सरकार है। उन्होंने वृक्षारोपण को केवल औपचारिकता से अलग हटकर उसे संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का बीड़ा उठाया है। अपनी इसी मंशा को पूरा करने की दृष्टि से उन्होंने एक पेड़ मां के नाम योजना का शुभारंभ किया है।

कि वृक्षों अथवा पेड़- पौधों की पूजा करने से हमें इच्छित फल की प्राप्ति हो जाती है अथवा देवी- देवताओं के दर्शन हो जाते हैं। इनका गूढ़ अर्थ यह भी है कि हम जिन्हें पूजते हैं, सदैव ही उनकी सलामती की कामना करते रहते हैं। लिखने का आशय यह कि जब हम वृक्षों अथवा पेड़-पौधों की पूजा करते हैं तो फिर यह चिंता भी स्वाभाविक हो जाती है कि धरती को हरा भरा बनाए रखने वाले ये पेड़ पौधे सदैव सही सलामत बने रहें तथा इनकी उत्पत्ति निरंतर वृद्धि को प्राप्त होती रहे। जाहिर है इस कामना को फलीभूत करने के लिए हमारे पूर्वज बड़े स्तर पर पौधरोपण भी करते रहे हैं। यदि हम अपने पुराने इतिहास को टटोलें तो पाएंगे कि भारत में ऐसे नगरों और ग्रामों की भरमार थी, जहां सड़कों के किनारे, घरों के आंगन में, बस्तियों के केंद्र में फलदार वृक्ष सहज भाव से ही आरोपित किए जाते थे और इनका अस्तित्व जनजीवन के लिए वरदान साबित होता रहता था। मौसम कोई भी हो, गर्मी सर्दी अथवा बारिश, यह सब जीव मात्र के प्रति अनुकूल तो बने ही रहते थे। ना ज्यादा सर्दी होती थी और ना अधिक गर्मी पड़ा करती थी। बारिश के मौसम में भी अतिवृष्टि और सूखे से राहत बनी रहती थी। कारण स्पष्ट है वृक्षों की अधिकता मौसम में अनुकूलता बनाए रखती थी। यदि विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो फिर यह मानना पड़ेगा कि हमारे पूर्वज और संत महात्मा शेष सभ्य समाज की अपेक्षा अधिक चैतन्य एवं जागरूक थे। वे जानते थे कि जीव मात्र का अस्तित्व बचाए रखने के लिए वृक्षों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। अर्थात वृक्षों को जीवन दाता माना गया तभी उसके पूजन और स्तुति की स्थितियां निर्मित हुईं और आम जनमानस को प्रकृति के साथ जोड़ दिया गया। यदि हमारे धार्मिक ग्रंथो की बात की जाए तो उनमें यह उल्लेख भी पढ़ने को मिलता है कि कोई व्यक्ति एक वृक्ष को धरती पर रोपता है और उसकी पूरी तन्मयता से उसकी देखभाल करते हुए ठीक ढंग से उसका पालन पोषण करता है, तो वह अनेक सुफलों का अधिकारी हो जाता है। हिंदू धर्म में कहा तो यहां तक गया है कि किसी पुरुष अथवा नारी द्वारा दस बच्चों को जन्म देने और उनके पालन पोषण करके उन्हें सभी प्रकार से योग्य बनाने के बाद जो सुफल प्राप्त होते हैं वह सब केवल एक वृक्ष को लगाने से ही प्राप्त हो जाते हैं। लिखने का आशय यह की पृथ्वी का संतुलित पर्यावरण अधिकांशतः पेड़ों पर ही टिका हुआ है। यदि पेड़ पर्याप्त मात्रा में है तो उनके द्वारा अतिरिक्त ताप को सोख लिया जाता है। यदि मानवीय गलतियों से नुकसानदायक गैसों का उत्सर्जन होने लगता है तो उन्हें भी पेड़ों की अधिकता के चलते निस्तेज किया जा सकता है। यदि पृथ्वी पर पेड़ पौधे पर्याप्त हैं तो वे सब मिलकर जलवायु परिवर्तनों को संतुलित बनाए रखते हैं। अर्थात समय पर बारिश होती है और उतनी ही होती है जिससे ना तो सूखा रह जाए और ना ही बाढ़ अथवा प्रलय के हालात बनें। दुख की बात यह है कि आजादी के बाद से लेकर अभी तक जितनी भी सरकारें अधिकतम समय तक शासन करती रहीं, उन्होंने कभी इस अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू पर गंभीरता के साथ गौर किया ही नहीं। बस वृक्षारोपण के नाम पर करोड़ों अरबों रुपय स्वाह किए जाते रहे। इस पुण्य कार्य की आड़ में भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार होता रहा। कागजों में वृक्षारोपण होते रहे, जो थोड़े बहुत वृक्षारोपण हुए भी तो देखभाल के अभाव में उन्होंने दम तोड़ दिया।

20 से अधिक छात्राएं, क्लासरूम में अचानक हुई बेहोश कॉलेज में मची अफरातफरी

* विद्यालय में भीषण गर्मी से निपटने के लिए नहीं संसाधन अभिभावकों को देना होगा ध्यान
* बहुत बड़ी घटना 20 बच्चों का बेहोश होना उच्च अधिकारियों को लेना होगा संज्ञान

जन एक्सप्रेस । सुनहरा

लखीमपुर खीरी। मंगलवार को सुबह करीब 10 बजे शहर लखीमपुर के आर्य कन्या इंटर कॉलेज में कक्षा 10 की 20 से अधिक छात्राएं अचानक उमस और गर्मी की वजह से बेहोश हो गईं। इससे स्कूल में अफसर तफरी का माहौल सबके होश फाख्ता शिक्षकों ने आनन-फानन छात्राओं को नजदीक के अस्पताल में दिखाया। ज्यादा हालत खराब होने पर जिला अस्पताल ले गए।तीन छात्राओं की हालत गंभीर होने पर भर्ती कराया गया।जिला अस्पताल के महिला वार्ड में भर्ती छात्रा दीपशिखा ने बताया कि वह आर कन्या इंटर कॉलेज में कक्षा 10 की छात्रा है। रोजाना की तरह निर्धारित समय पर कॉलेज पहुंची और अन्य छात्राओं के साथ कक्षा में बैठकर अध्ययन कर रही थी। छात्रा के अनुसार क्लास में 80 छात्राएं हैं। मंगलवार को करीब 40- 42 छात्राएं कक्षा में उपस्थित थीं। क्लासरूम में लग रही थी उमस और गर्मी क्लासरूम में दो पंखे हैं, जो काफी ऊपर व धीमी गति से चलते हैं। क्लास में बहुत उमस और गर्मी लग रही थी। सुबह करीब नौ बजे गर्मी की वजह से कई छात्राएं बेहोश होनी शुरू हो गईं। प्राथमिक उपचार पर उन्हें होश में लाया गया। उसने यह भी बताया कि करीब 9:30 बजे आधा दर्जन से अधिक छात्राएं एक-एक कर बेहोश हो गईं। शिक्षकों ने उनके परिजनों को सूचना दी। बेहोश हुईं छात्राओं में कुछ को उनके परिजन निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले गए हैं। दीपशिखा, अंशिका व गुड़िया को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ.राजकुमार कोली ने बताया कि तीन छात्राएं अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टर संतोष मिश्रा की देखरेख में उनका इलाज किया जा रहा है, सभी की हालत बेहतर है। इस तरह की अशुविधा और भी विद्यालय में है अपने जिगर के टुकड़े मां बाप के हर सुख-सुविधा में रखते हैं उन्हें क्या पता विद्यालय में उनके बच्चों के साथ क्या होता है भीषण उमस भरी गर्मी में बच्चों को पढ़ना पड़ता है। जहां पर गर्मी से निपटने के लिए दो पंखे लगे।

देश के युवा बेरोजगारी से बेहाल हैं और नौकरियों के लिए खाक छान रहे: रवि तिवारी

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रवि तिवारी ने बताया कि नरेंद्र मोदी ने फिर से झूठ बोला और देश को गुमराह करने की कोशिश की उन्होंने कहा कि बीते कुछ सालों में हमने रिकॉर्ड तोड़ रोजगार दिए हैं। जबकि सच्चाई से बिल्कुल उलट है। देश के युवा बेरोजगारी से बेहाल हैं और नौकरियों के लिए खाक छान रहे हैं। तिवारी ने आंकड़ों सहित बताया कि बेरोजगारी ने 8 महीने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। देश में करीब 30 लाख सरकारी पद खाली हैं द्य हमारे देश में बेरोजगारी से तंग आकर हर घंटे दो युवा आत्महत्या कर रहे हैं। 20 से 24 साल के युवाओं में बेरोजगारी डर 44.49 प्रतिशत है। आज देश के बेरोजगारों में 83 प्रतिशत युवा है। हिंदुस्तान का युवा नौकरी के लिए रूस और इसराइल जैसे युद्धग्रस्त देश जाने को मजबूर है। मोदी सरकार में युवाओं के सपनों को कुचला जा रहा है लेकिन अफसोस की नरेंद्र मोदी को लाखों युवाओं की मेहनत और उनके माता-पिता के संघर्षों से कोई फर्क नहीं पड़ता।
नरेंद्र मोदी न सिर्फ बेरोजगारी रोकने में नाकाम हो रहे हैं बल्कि अपनी युवा विरोधी नीतियों से युवाओं को बेरोजगारी के अंधेरे में धकेल रहे हैं। जो कि देश के लिए चिंता जनक है।

बाढ़ पीड़ितों को एसडीएम तहसीलदार ने बाटी राशन किट

जन एक्सप्रेस । निघासन खीरी

विधायक शाशंक वर्मा उपजिलाधिकारी राजीव निगम तहसीलदार भीमचंद बीडियो ज्येस कुमार सिँह नें तहसील निघासन मे बाढ़ प्रभावित मुरगहाँ के दौ सौ पचास बाढ़ पीड़ितों को राहत किट का वितरण किया बाढ़ राहत किट पाकर बाढ़ पीड़ितों के चेहरे पर खुशी दिखी जितने भी गांव बाढ़ से प्रभावित हैं सभी को ज्यो ज्यो राहत किट आती रहेगी बराबर बाढ़ पीड़ितों को मिलती रहेगी की कोई भी बाढ़ पीड़ित बचेगा नही इस मौके नायब तहसीलदार दिव्यांशु लेखपाल लवन्य समेत बाढ़ पीड़ित मौजूद रहे।

शारदा नदी के कटान को देखने पहुंचे एसडीएम गोला बोले रोका जाएगा कटान

जन एक्सप्रेस । मालपुर खीरी

तहसील गोला की ग्राम पंचायत बेलहा सिकटिहा मे शारदा नदी में कटान शुरू कर दिया है नदी गांव के उत्तर में बना देवी मां का मंदिर एवं वहीं पर खड़ा पीपल का पेड़ सोमवार को नदी में कट कर शमा गया है नदी गांव के बिल्कुल करीब 30 मीटर के दायरे मे आ गई है शारदा नदी के कटान की खबर तहसील प्रशासन को मिलते ही उप जिलाधिकारी गोला विनोद कुमार गुप्ता एवं सिंचाई विभाग के एक्स एन अजय कुमार अपनी टीम के साथ गांव पहुँच कर शारदा नदी के कटान को देखा और गांव वालों को ढांढस बधाया कहा कि हम शारदा नदी के कटान को रोकने की कोशिश करेंगे जिससे गांव के एक भी मकान का कटान ना हो वहीं एक्स एन अजय कुमार ने कहा कि आज कटान रोकने का सामान लेकर पूरी टीम शाम तक गांव पहुंच जाएगी और कटान रोकने के लिए कार्य शुरू कर दिया जाएगा हमारी कोशिश रहेगी की हम अब गांव नहीं कटने देंगे पिछले वर्ष भी शारदा नदी के काटन को रोका गया था और वह वहीं पर रुक गई थी।

जनपदवासियों के सहयोग के लिए जिला प्रशासन 24 घंटे तत्पर: डीएम

* दैवीय आपदा की स्थितियों में सरल जानकारियों का रखें विशेष ध्यान

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

मंगलवार को जनपद खीरी के निवासियों से आग्रह करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की दैवीय आपदा जैसे : बिजली गिरना, सांप काटना या बाढ़ आना। ऐसी स्थितियों में कुछ सरल जानकारियो का विशेष ध्यान रखें। प्रशासन 24 घंटे जनपदवासियों के सहयोग के लिए तत्पर है। खुद को बचाएं और नजदीकी लोगों को भी इन जानकारियो के बारे में बताएं।

डीएम की अपील, बाढ़ के पानी में बच्चों को खेलने, तैरने न दें

डीएम ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों को अकेले तालाब व नदी में नहाने व खेलने न दें, परिवार का कोई बड़ा सदस्य बच्चों के साथ अवश्य जाये। आगामी वर्षा के मौसम में तालाबों में जलस्तर बढ़ने से दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कृपया सभी विशेष ध्यान रखें। यदि आपके क्षेत्र में बाढ़ आ जाती है तो कृपया ध्यान रखें कि बाढ़ के पानी से दूरी बनाए रखें। बच्चों को बाढ़ के पानी में खेलने, तैरने न दें। बाढ़ के पानी के संपर्क में आए खाने-पीने की वस्तुओं का सेवन बिलकुल न करें। यदि आपको उल्टी, बुखार, दस्त, आंखों में खुजली की शिकायत होती है। तो कृपया नजदीकी बाढ़ चौकी में संपर्क कर वहां अपना उपचार कराए।

आसमान से बिजली गिरे तो क्या करें? इन बातों का रखें ध्यान

डीएम ने बताया कि अगर बिजली गिरती है तो कृपया पक्के मकान के अंदर ही रहे और मकान के दरवाजे, बरामदे, और छत से दूरी बनाकर रखें। यदि आप रास्ते में कहीं जा रहे हैं, तो अपने वाहन के अंदर ही रहे। यदि आप खेत खलिहान में हैं, तो कृपया तुरंत अपने पैरों के नीचे कुछ सूखे पत्ते, प्लास्टिक, लकड़ी या बोरे रख ले। यदि आप कहीं सुरक्षित स्थान से दूर है, तो कृपया अपने कानों को बंद करके उकडू की स्थिति में आए।

सांप ने काट लिया तो घबराएं नहीं, नजदीकी अस्पताल लेकर जाएं

डीएम ने बताया कि यदि आपके यहां किसी को सांप काट जाता है। तो कृपया घबराएं नहीं, उसको नजदीकी अस्पताल लेकर जाएं। किसी भी ओझा या तांत्रिक के झाड़-फूंक के लिए ना लेकर जाएं।यह ध्यान रखें जिस अंग पर सांप काटा है, उसे मुड़ने ना दें और कसाव वाली वस्तुएं जैसे बेल्ट, जूता इनको ढीला खोल दे।

नगर पंचायत के सभासद बोर्ड बैठक न बुलाये जाने से सभासद नाराज

जन एक्सप्रेस । निघासन-खीरी

नगर पंचायत के सभासद बोर्ड बैठक न बुलाये जाने से नाराजगी जाहिर कर अधिशाषी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बैठक की मांग की थी।लेकिन अभी बैठक न होने से नाराज सभासद डीएम खीरी से मिलकर ज्ञापन सौंपेंगे।
सभासद उमेश मौर्या, मुन्ना खांन, असलम, अमित वर्मा, बाबूराम, श्यामसुंदर, दयाशंकर, नीलूगिरि द्वारा एक ज्ञापन अधिशाषी अधिकारी दिनेश शुक्ला को लगभग 27 दिन पहले सौंपकर बोर्ड बैठक कराने की मांग की थी। लेकिन अभी तक चेयरमैन द्वारा बोर्ड बैठक न बुलायें जाने से सभी सभासदों में नाराजगी है। सभासद अध्यक्ष उमेश मौर्य ने बताया कि ज्ञापन दिए हुए लगभग एक माह हो रहा है लेकिन अभी तक बोर्ड बैठक नही करायी गयी है और कार्ययोजना मनमाने तरीके से भेजी जा रही है।हम सभी सभासद जल्द ही डीएम से मिलकर अपनी समस्या रखेंगे और ज्ञापन सौंपकर बोर्ड बैठक की मांग करेंगे। इस बाबत अधिशाषी अधिकारी दिनेश शुक्ला ने बताया कि सभासदों द्वारा ज्ञापन मुझे मिला था और मैंने पत्र के माध्यम से चेयरमैन को अवगत करा दिया था।

डोर फाउंडेशन के टैलेंट शो में सिंगिंग, डांसिंग और मॉडलिंग प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

डोर फाउंडेशन द्वारा स्थानीय सेक्रेड हार्ट हायर सैकेंडरी स्कूल के सभागार मे सिंगिंग मॉडलिंग, संगीत और डांसिंग प्रतियोगिता टैलेंट शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभआरंभ मुख्य अतिथि समाज सेवी गोपाल टंडन व विशिष्ट अतिथि बार एसोसिएशन अध्यक्ष विजय अवस्थी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर के किया गया।
मानस मिश्रा एवं खुशी सिंह ने कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए दर्शको को हँसाते रहे द्य स्थानीय व विभिन्न जनपद से आये प्रतिभागियों ने अपने टैलेंट से कार्यक्रम मे शमा बांध दिया। कौरियोग्रैफ जय गुप्ता ने डांस के बच्चों की नृत्य कला का परीक्षण करते हुए डांस जुनियर मे स्वर्णिमा श्रीवास्तव को प्रथम, अहम कुमार को द्वितीय, अथर्व शर्मा को तृतीय व डांस सीनियर वर्ग में प्रिया राठौर को प्रथम, अरना को द्वितीय तथा प्राची को तृतीय स्थान पे घोषित करते हुए पुरुस्कार प्रदान किया।
मॉडलिंग के बच्चों को जज करने के लिए मिस उत्तर प्रदेश दीप्ति जोशी को आमंत्रित किया गया था, उन्होंने मॉडलिंग जुनियर वर्ग मे वैभव महिंद्रा को प्रथम, आराधया सिंह को द्वितीय, प्रथम अग्रवाल को तृतीय व सीनियर वर्ग मे तमन्ना भार्गव को प्रथम, अंजली विश्वकर्मा को द्वितीय तथा अंतरिक्ष को तृतीय स्थान प्राप्त करने की घोषणा करते हुए पुरुस्कार प्रदान किया द्य संगीत अध्यापक गोपाल बाजपेयी ने सिंगिंग जुनियर मे स्वर्णिमा श्रीवास्तव को प्रथम, तक्षिव् महेश्वरी को द्वितीय, कुशाग् को तृतीय व् सिंगिंग सीनियर वर्ग मे वैष्णवी को प्रथम, सुरभि जयसवाल को द्वितीय तथा इच्छा गुप्ता को तृतीय स्थान पे घोषित करते हुए पुरुस्कार प्रदान किया। सञ्जीवनी संस्थापक आकाश अग्रवाल ने संगीत वर्ग मे तक्षिव् को प्रथम, वैभव को द्वितीय, हर्शिका को तृतीय व् सीनियर वर्ग मे मानसी को प्रथम स्थान पे घोषित करते हुए पुरुस्कार प्रदान किया। महिलाध्यक्ष पूनम मिश्रा, महासचिव डॉ.वी के आर्या, एवं बृजेश तिवारी द्वारा सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरुस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किया गया। डोर फाउंडेशन अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा द्वारा आये हुए अतिथियों का सम्मान करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर संजय पूरी, प्रदीप गुप्ता, बृजेश गुप्ता, उत्कर्ष मिश्रा, संतोष कुमार, संजय गुप्ता, ममता तिवारी, निधि गुप्ता, शुभीत बाजपेयी, भावना वेश्य शिवांशी मिश्रा, रजत, अतुल रस्तोगी, राजीव मिश्रा, वेदप्रकाश कश्यप, डॉ शांति स्वरूप रस्तोगी, शिवांश, राम चंद्र कटियार, विमल वर्मा, शिवम् दिवेदी, शिवब्या, रेणु मिश्रा, कल्पना गुप्ता, विनीत द्विवेदी, सुनीति, दीपा कश्यप आदि उपस्थित रहे।

राज्य मंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को वितरित की राहत सामग्री

जन एक्सप्रेस । हरदोई। राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन के साथ सदर तहसील के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया। आबकारी मंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को खाद्यान्न किट वितरित की। लोगों से जानकारी ली कि भोजन उपलब्ध हो रहा है या नहीं।मंत्री ने कहा कि सरकार पूरी तरह से बाढ़ प्रभावितों के साथ खड़ी है। पूरा प्रशासनिक अमला प्रभावितों को राहत देने के लिए सक्रिय है। स्वास्थ्य विभाग व पशुपालन विभाग की टीमें लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं। जिन लोगों के घर टूट गए हैं उनको सरकार की ओर से आवास दिया
जायेगा।जिलाधिकारी ने सम्बंधित प्रधान, लेखपाल, सचिव को लगातार प्रभावित क्षेत्र में रहने व प्रभावितों की मदद करने के निर्देश दिए।
जिलाधिकारी ने खाने की व्यवस्था के बारे में पूछा तो लोगों ने बताया कि प्रशासन की ओर से भोजन की व्यवस्था की जा रही है।
जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी ग्रामीण पानी में पैदल न निकलें। दूषित जल न पियें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि पानी उतरते ही ग्रामों में एंटी लार्वा का छिड़काव किया जाये। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर सुशील कुमार मिश्रा व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये दिखाई गई

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज को सकुशल सम्पन्न कराने एवं सभी संबंधित अधिकारियों के संवेदीकरण एवं समन्वय हेतु बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में सम्पन्न हुयी। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के विशेषज्ञों एवं राज्य स्तरीय संबंधित अधिकारियों द्वारा आपदा से बचाव एवं आपदा की स्थिति में बेहतर प्रबंधन के विषय में पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से जानकारी दी। आपदा से पूर्व संसूचन के विषय में भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया, वहीं राहत एवं बचाव के कार्यों के विषय में राज्य आपदा मोचक बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचक बल (एनडीआरएफ) के साथ-साथ थल सेना एवं वायु सेना के अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण दिया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नीतीश कुमार सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से प्राप्त निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुये 23 जुलाई 2024 को आयोजित होने वाली टेबल टॉप एक्सरसाइज एवं 25 जुलाई 2024 को आयोजित होने वाली मॉक एक्सरसाइज के संबंध में समस्त तैयारियां समय से पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें।
सभी संबंधित अधिकारी मॉक एक्सरसाइज एवं टेबल टॉप एक्सरसाइज में समय से प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। आपदा की संवेदनशीलता के दृष्टिगत इंसीडेंट रिस्पांस सिस्टम के अनुरूप गतिविधियां अभ्यास स्थल पर संचालित की जाये। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 हरपाल सिंह, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई विशाल पोरवाल, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग मिथेलश वर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

किताबें कॉपी व बैग हमारे ज्ञान का स्रोत हैं

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

महमूदाबाद। किताबे कॉपी एवम बैग हमारे ज्ञान का श्रोत हैं। इनको साफ सुथरा और कार्य को सुंदरता पूर्वक करने वाले विद्यार्थियों के अच्छे गुणों एवम अनुशासन की झलक छात्र में दिखने लगती है। बैग कंप्टीशन का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन लाना है। यह बात सीता ग्रुप ऑफ एजुकेशन के शास्त्री सभागार में आयोजित सीनियर वर्ग हिंदी मीडियम के बैग कंप्टीशन के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संस्था के चेयरमैन आर के वाजपेई विरल ने कही।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अनुसासन की महती भूमिका है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्यों में वाइस प्रिंसिपल आर जे वर्मा व यशपाल वर्मा, नीरज वर्मा, नवनीत पांडेय, शिक्षिका अंजली वर्मा एवम सुनील वर्मा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों में चार प्रथम, चार द्वितीय, चार तृतीय एवम सांत्वना स्थान पर चार विद्यार्थियों का चयन किया गया।
इन्हे मिला स्थान। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने प्रथम स्थान पर आस्था मिश्रा, अंशिका वर्मा, रिद्धिमा सिंह एवम अतुल वर्मा, सेकंड स्थान पर ऋतिक श्रीवास्तव, प्राची वर्मा, थर्ड प्लेस पर मानस वर्मा, अमृता नमृता रावत ज्योति वर्मा को एवम कंसोलेशंस प्लेस पर अंशुल वर्मा, रूपाली वर्मा, आर्या वर्मा शुभम कुमार एवम अमित कुमार का चयन किया। सभी विजई प्रतिभागियों को डिप्टी मैनेजर आञ्जनेय आशीष वाजपेई, डिप्टी मैनेजर वागीश दिनकर वाजपेई, जूनियर वर्ग प्रिंसिपल अनंत रत्नम वाजपेई ने बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की।

सब रजिस्ट्रार कार्यालय में भ्रष्टाचार का हुआ खुलासा किसान मंच की मेहनत लाई रंग: शिव प्रकाश सिंह

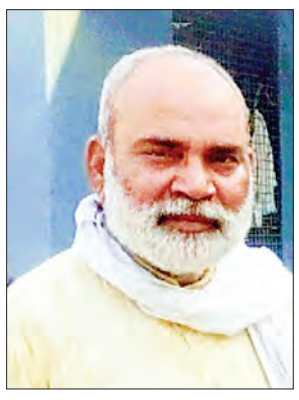

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

रजिस्ट्रार कार्यालय में भ्रष्टाचार पनप रहा है। और की जा रही लूट की शिकायत राष्ट्रीय सचिव, प्रदेश प्रभारी किसान मंच द्वारा साक्ष्य एवं प्रमाणों के साथ मुख्यमंत्री से शिकायत सं0 12154230261938 द्वारा की गई थी। जांच में सीतापुर लखीमपुर मार्ग के किनारे झरेखापुर गाटा संख्या 310 रकबा 0.871 हेक्टेयर आबादी व कामर्शियल भूमि पर की गई प्लाटिंग बैनामा सामान्य दर पर किया घोटाला उजागर हुआ।आरोप सिद्ध होने पर उपरोक्त गाटे में शामिल सभी क्रेताओं द्वारा खरीदे गए प्लाटों पर की गई कर चोरी की उन सभी से स्टाम्प शुल्क वसूली कर ली गई, परंतु सब रजिस्ट्रार व सहयोगी कर्मचारियों पर कोई भी कार्रवाई नहीं की गई।
इस प्रकरण की जांच में आरोप सिद्ध होने के पर लाखों रुपए के घोटाले में सौ प्रतिशत दोषी सब रजिस्ट्रार और शामिल लिपिकों के विरुद्ध कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। जबकि उपरोक्त घोटाले में मुख्य रूप से इन सभी द्वारा अवैध धन वसूली और स्टाम्प चोरी हेतु गुमराह किया गया था। जांचोपरांत जांच अधिकारी ने दूरभाष पर संपर्क कर मुझसे पूछा कि आप जांच से संतुष्ट हैं, मैंने बताया कि प्रकरण में वास्तविक दोषियों के विरुद्ध भी अर्जित की गए धन की वसूली और एफ आई आर दर्ज कर कार्रवाई की जाए। वहां से पुनः जांच हेतु मुझे आश्वस्त किया गया। किसान मंच इस प्रकरण में भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों पर दंडात्मक कार्रवाई की मांग करता है। अन्यथा की स्थिति में संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। और जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस । हरदोई। पाली। थाना क्षेत्र के गावं की किशोरी को एक युवक बहला फुसलाकर साथ भगा ले गया। युवती घर से 40 हजार की नगदी व जेवर भी साथ ले गई है। किशोरी के पिता ने आरोपी युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। पाली थाना क्षेत्र के एक गावं निवासी व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया 15 जुलाई की देर रात उसकी बेटी (15) को गावं में ही अपनी बुआ के घर रह रहा अफतियापुर थाना जलालाबाद जिला शाहजहांपुर निवासी लेखराज बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया। बताया बेटी अपने साथ चांदी की पायल व 40 हजार की नगदी भी साथ ले गई है। बेटी को ले जाने में गावं के ही अभिमन्यु ने मुख्य भूमिका निभाई है। थाना प्रभारी आलोक मणी त्रिपाठी ने बताया कि पिता की तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। किशोरी की बरामदगी के प्रयास किये जा रहे है।

बाढ़ के दौरान एक सैकड़ा गांवों की बंद विद्युत आपूर्ति बहाल, लोगों ने ली राहत

जन एक्सप्रेस । हरदोई

पाली। आगमपुर स्थित 132 केवीए पावर हाउस के जिम्मेदारों द्वारा फाल्ट बताकर पाली विधुत उपकेंद्र को ट्राई नही दी गई। जिसके कारण 18 घण्टे बिजली व्यवस्था ठप रही। जिसमें कस्बा सहित 100 से अधिक गावों के 22 हजार उपभोक्ता भीषण गर्मी व उमस से परेशान रहे। बिजली ठप होने से लोगों ने रतजगा कर रात गुजारी वहीं पेयजल को लेकर भी लोगों को मुसीबतें झेलनी पड़ी। 18 घण्टे बाद आपूर्ति बहाल होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।
आगमपुर स्थित 132 केवीए पावर हाउस से पाली विधुत उपकेंद्र को बिजली सप्लाई होती है। यहां से कस्बा व 100 से अधिक गावों के 22 हजार बिजली उपभोक्ताओं को आपूर्ति की जाती है। गर्रा नदी में बाढ़ का पानी आगमपुर उपकेंद्र में घुस गया था। जिसके कारण शुक्रवार की देर रात बिजली ठप हो गई थी। जलस्तर कम होने के बाद सोमवार की दोपहर 12 बजे आपूर्ति चालू की गई थी। दस मिनट के बाद रोस्टिंग हो गई। करीब दो बजे फिर बिजली आई। उसके बाद टुकडों में पांच बजे तक लोगों को बिजली मिली। पांच बजे आगमपुर 132 केवीए पावर हाउस ने पाली की लाइन काट दी और फाल्ट बताकर मेन लाइन को ब्रेक डाउन में डाल दिया। पाली विधुत उपकेंद्र के बिजली कर्मियों ने फाल्ट खोजने के लिए पेट्रोलिंग की। कोई फाल्ट नही निकला। जेई सरफराज अहमद ने आगमपुर 132 के केवीए पावर हाउस के ट्रांसमिशन जेई व एसडीओ से पाली की सप्लाई चालू करने की बात कही। लेकिन आगमपुर से फाल्ट होने का हवाला देकर लाइन चालू नही की गई। रात नौ बजे फिर पेट्रोलिंग कर फाल्ट खोजा गया। लेकिन कोई फाल्ट नही मिला। सोमवार की रात करीब 12 बजे तक पाली विधुत उपकेंद्र के जेई आगमपुर पावर हाउस के जिम्मेदारों से लाइन चालू करने की बात कहते रहे। लेकिन आगमपुर की ओर से एक बार भी ट्राई नही दी गई। पूरी रात बिजली गुल होने से लोग भीषण गर्मी से बिलबिलाते रहे। लोगों ने टहलकर रात गुजारी। बिजली ठप होने से 100 से अधिक गावों में अंधेरा पसरा रहा। लाखों लोग बेहाल रहे। वहीं सुबह पेयजल को लेकर भी लोग परेशान दिखे। मंगलवार की सुबह 11 बजे आगमपुर से पाली उपकेंद्र को बिजली आपूर्ति की गई तब जाकर सप्लाई शुरू हुई। 18 घण्टे बाद बिजली शुरू होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। पाली जेई सरफराज अहमद ने बताया टेक्निकल फाल्ट की बजह से आपूर्ति बंद हो गई थी। जिसे सही कराकर सप्लाई सुचारू रूप से शुरू करा दी गई है।आगमपुर विधुत उपकेंद्र के जिम्मेदारों के प्रति कस्बा के लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है सुबह आगमपुर से सप्लाई शुरू कर दी गई। जबकि कोई फाल्ट को दुरुस्त भी नही किया गया। ऐसे ही रात को भी शुरू हो सकती थी। जानकारी के अनुसार तीन बार ट्राई देने का नियम है।

उद्योग व्यापार मंडल ने केंद्रीय वित्त मंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

जन एक्सप्रेस । आनन्दनगर महराजगंज

उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के नगर इकाई आनन्दनगर अध्यक्ष आशिफ जमाल के नेतृत्व में व्यापार मंडल ने मंगलवार को फरेंदा उपजिलाधिकारी के जरिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र भेजकर 15 बिंदुओं पर मांग की हैं। उन्होंने दिए गए पत्र में लिखा है कि आगामी बजट में व्यापारियों व उद्योगों का भारी नुक़सान हुआ है। जिसमें बाढ़ में व्यापारियों का भारी नुकसान हुआ है व्यापारी विभिन्न प्रकार के कर देकर सरकार को चलाने में सहयोग करते है इसलिए बाढ़ में हो रहे नुकसान का आकलन कर व्यापारियों को मुआवजा दी जाए। बढ़ती हुई महंगाई को ध्यान में रखकर नगद लेन-देन की सीमा बढाकर आगामी बजट में एक लाख करने व आयकर में छूट की सीमा को बढ़ाकर 10 लाख तक करने तथा आयकर व जी.एस.टी. देने वाले व्यापारियों के परिवार के लिए शिक्षा व स्वास्थ्य की मुफ्त व्यवस्था की मांग किया है। जी.एस.टी. का सरलीकरण कर जी.एस.टी. में दरों की विभिन्नताएं समाप्त की जाए जी.एस.टी. कि दरें 0, 5, 12 तथा अधिकतम 18 प्रतिशत रखी जाए तथा एक ट्रेड में सभी प्रकार के कारोबार पर एक ही दर रखी जाए, और व्यापारीयों को सहूलियात मिले जिससे सरलीकरण होने से सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा। दैनिक इस्तेमाल की चीज जैसे अनाज, (गेहूं, चावल, दाल, आटा) कपड़ा आदि से जी.एस.टी. समाप्त किया करने तथा 20 साल तक आयकर रिटर्न भरने वाले व्यापारियों को 40 हजार रूपए प्रतिमाह पेंशन योजना लागू करने की मांग किया है।नये घरेलू व कुटीर उद्योगों को 10 साल तक जी.एस.टी. व इनकम टैक्स से छूट दी जाये।आयकरदाता व्यापारी की किसी भी प्रकार से मृत्यु होने पर 10 लाख रुपए का बीमा की मांग।आयुष्मान कार्ड की भर्ती व्यापारियों कि जों किसी भी विभाग से पंजीकृत हो 10 लाख रुपए का व्यापारी स्वास्थ्य बीमा बनाया जाए। मंडी समिति को समाप्त किया जाए। कुटीर व घरेलू उद्योगों व रिटेल व्यापार को बचाने के लिए ऑनलाइन शॉपिंग पर 10 प्रतिशत कर लगाने की व्यवस्था की जाए तथा ई-कॉमर्स मार्केटिंग में जी.एस.टी. चोरी रोकने के लिए रेगुलर मार्केट मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जाए। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे फ्लिपकार्ट, अमेजॉन जैसे पोर्टल द्वारा सीधे उपभोक्ता को सामान बेचा जाता है, आई.टी.सी. का दुरुपयोग कर सरकार के राजस्व की चोरी की जा रही है, इसलिए इस तरह के ऑनलाइन पोर्टल द्वारा बेचे गए सम्मान पर जी.एस.टी. इनपुट क्रेडिट लेने पर रोक लगाई जाए।बैंकों द्वारा 3 महीने किस्त व ब्याज जमा न करने पर ऋण खातों को एनपीए किया जाता है इसकी समय सीमा बढ़ाकर 6 माह की जाएं। इसके अलावा इनकम टैक्स रिटर्न भरने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर किया जाए। इन्हीं 15 बिंदुओं को लेकर उद्योग व्यापार मंडल ने भारत सरकार के केंद्रीय वित्त मंत्री से मांग किया है। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष व नगर प्रभारी अश्वनी चौधरी, नगर महामंत्री कमल जायसवाल, नगर कोषाध्यक्ष मनोज सिंघानिया, उपाध्यक्ष अनुज चोखानी, शिवम बांग्ला, शशाकांत, रुपेश, सुभाष सहित अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल ने सीएम योगी से लगाई गुहार रोजगार उजड़ने से बचाइए सरकार

बरगदवा व्यापार मंडल संघर्ष समिति ने अपनी मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

बरगदवा से जेल रोड बाईपास फोर लेन निर्माण का कार्य जोरों से चल रहा है। ऐसे में सड़क चौड़ीकरण को लेकर गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा भूमि अधिग्रहित की जा रही है और अधिग्रहण की इस कार्रवाई में 43 कमर्शियल दुकान व मकान इसकी जद में आ गए हैं। जीडीए द्वारा कमर्शियल जमीन को अधिकृत करने से लोगों का रोजगार छिन जाएगा जो लोग पिछले 30 से 40 सालों से रहकर अपने परिवार का जीवन यापन कर रहे थे। दुकानदारों ने प्रदर्शन के माध्यम से कहा कि आप मुख्यमंत्री व गोरखपुर के विधायक भी है आपसे मांग है कि हम लोगों का अधिग्रहण से रोजगार छिन जाएगा। वर्तमान में 18 मीटर चौड़ी सड़क है और फोरलेन के लिए 18 मीटर से काम चल जाएगा लेकिन फिर भी विभाग द्वारा 24 मीटर जमीन अधिकृत की जा रही है। उक्त मांगो को लेकर बरगदवा व्यापार मंडल संघर्ष समिति फ़र्टिलाइज़र के दुकानदारों ने प्रदर्शन करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है कि अगर हमारी जमीन अधिग्रहित की जा रही है तो उसे व्यावसायिक दर पर मुआवजा दिया जाए जबकि अधिकारी आवासीय दर पर मुआवजा देने की बात कर रहे हैं। प्रदर्शन करने वालों में डॉक्टर बी के मिश्रा, दयानंद यादव, देवेंद्र प्रताप सिंह, राज किशोर पांडे, सदानंद शर्मा, नीरज शाही अच्युतानंद तिवारी, रामदेव त्रिपाठी, आर एस मिश्रा, अशोक साहनी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

एसएसपी ने पुलिस ऑफिस पर पौधरोपण कर अभियान का किया शुभारंभ

एसपी नगर, एसपी उत्तरी व डीएफओ ने पौधरोपण कर संरक्षित करने का किया आह्वान

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने पुलिस ऑफिस प्रांगण में किया पौध रोपण, सहयोगी अधिकारियों पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण बिश्नोई, डीएफओ विकास यादव, पुलिस अधीक्षक उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने भी किया पौध रोपण।

एसएसपी गौरव ग्रोवर ने पौधरोपण कर कहा कि पौधरोपण कर पौधे का सुरक्षा करना बेहद जरूरी एसएसपी ने पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया । उन्होंने पुलिस आफिस परिसर में आम बरगद व नीम के पौधे रोपित कर अभियान की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है इसलिए उससे बचने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पेड़- पौधों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि पेड़ पौधे जहां हमारे स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है वहीं पेड़-पौधे हमारे लिए अनेक प्रकार की औषधियां भी प्रदान करते है। पुलिस जवानों से कहा की उन्हें भी एक पौधा अवश्य लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज लगाए पौधे कल पेड़ होंगे तो खुद के मन को भी शांति मिलेगी। इसलिए पौधे जरूर लगाएं।

ओबीसी पार्टी ने चौरी चौरा में रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कार्य के जांच की उठाई आवाज

जन एक्सप्रेस । चौरी चौरा, गोरखपुर

चौरी चौरा के मुंडेरा बाजार में बन रहे रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण में अनियमितताओं को लेकर ओबीसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष काली शंकर यदुवंशी ने उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव को संबोधित ज्ञापन उप

ओबीसी पार्टी सुप्रीमो ने ओवरब्रिज निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री प्रयोग का लगाया आरोप

जिलाधिकारी चौरी चौरा, प्रशांत वर्मा को सौंपा। और इस संदर्भ में जांच करने और शासन को रिपोर्ट भेजने की मांग की, जिस पर उप जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया है कि वह इस मामले में शासन को पत्र के माध्यम से अवगत करा दिया जाएगा।ओबीसी सुप्रीमो काली शंकर यदुवंशी ने बताया कि ओवर ब्रिज का नक्शा और बजट ङ्ख टाइप ओवर ब्रिज के लिए पास किया गया था, और निर्माण कार्य जून 2023 तक पूरा होना था। हालांकि, अब तक इसका निर्माण पूरा नहीं हुआ है। ओबीसी पार्टी ने मंडल आयुक्त गोरखपुर को ज्ञापन देकर जल्द से जल्द ओवर ब्रिज का निर्माण करने की मांग की थी। उन्होंने बताया कि इस ओवर ब्रिज के निर्माण से लाखों लोगों को लाभ होने की उम्मीद है, जिसका एक विंग शहीद स्मारक तक और दूसरी मुंडेरा बाजार से होकर सोनबरसा वाली रोड तक जाएगी।

निजी फायदे के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि बदलना चाहते हैं ब्रिज निर्माण की दिशा

मुख्य प्रोजेक्ट मैनेजर सेतु निगम ए.के. सिंह से हुई बातचीत में स्पष्ट हुआ कि सोनबरसा की तरफ जाने वाली विंग का निर्माण रोक दिया गया है। काली शंकर यदुवंशी ने आरोप लगाया कि कुछ स्वार्थी लोग और जनप्रतिनिधियों ने अपने फायदे के लिए इस निर्माण को रुकवाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि चौरी चौरा की जनता यह अन्याय कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

पूर्व निर्धारित प्रारूप में यदि नहीं हुआ निर्माण तो होगा आंदोलन

काली शंकर यदुवंशी ने सरकार और जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि ओवर ब्रिज का निर्माण पास हुए नक्शे और बजट के अनुसार ही किया जाए, अन्यथा इसके खिलाफ बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के फायदे के लिए लाखों जनता का नुकसान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। इस मुद्दे पर स्थानीय प्रशासन और शासन की प्रतिक्रिया का इंतजार है, जबकि ओबीसी पार्टी ने अपने आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है।

मलिन बस्तियों में पहुंचाएं परिवार नियोजन के साधन : सीएमओ

शहरी क्षेत्र में परिवार नियोजन कार्यक्रम के सुदृढीकरण हेतु आयोजित हुई कार्यशाला

जन एक्सप्रेस । देवरिया

स्वास्थ्य विभाग एवं द चैलेंज इनीशिएटिव इंडिया -पीसीआई इंडिया के सहयोग से मंगलवार को एक स्थानीय होटल में विभिन्न शहरी स्टेकहोल्डर्स के साथ सिटी कंसलटेंट कार्यशाला का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर राजेश झा की अध्यक्षता में किया गया।

।कार्यशाला में सीएमओ डॉक्टर राजेश झा ने कहा कार्यक्रम का उद्देश्य सभी मुख्य विभागों से आपसी समन्वय स्थापित कर द चैलेंज इनीशिएटिव पीसीआई इंडिया परियोजना के माध्यम से शहरी मलीन बस्तियों तक परिवार नियोजन की सेवाओं को अंतिम लाभार्थी तक पहुंचाना है। उन्होंने देवरिया के प्रसिद्ध स्थल से लेकर यहां के इतिहास पर भी विधिवत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग शिक्षा विभाग, नगर पालिका की मदद से स्लम एरिया की स्थिति को और बेहतर किया जा सकता है। इस दौरान विभागों की ओर से कुछ सुझाव भी दिए गए।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक पंकज आनंद एव मास्टर कोच गोरखपुर ने स्वास्थ्य सेवाओं को किस प्रकार आम जनमानस तक पहुँचाया जा रहा है इस पर प्रकाश डाला और उन्होंने शहरी समन्वय समिति की त्रैमासिक बैठक नियमित होने और इसके फायदे के बारे में सभी को अवगत कराया। मंडलीय नगरीय स्वास्थ्य सलाहकार एव मास्टर कोच डॉक्टर प्रीति सिंह ने कहा कि विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बैठक समय-समय पर होनी चाहिए जिससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में अन्य विभागों के सामने आ रही समस्या को जानकर उसका समाधान निकाला जा सके। उन्होंने बताया कि पीएसआई संस्था विगत 7 सालों से गोरखपुर मंडल के गोरखपुर शहर में टेक्निकल सहयोग प्रदान कर रही है। जिससे परिवार नियोजन की सेवाओं में काफी सुधार देखने को मिला है।

उन्होंने कहा कि पी.एस.आई.इंडिया अपने कोचिंग मॉडल के तहत समय-समय पर परिवार नियोजन की सेवाओं में बढ़ोत्तरी के लिए तकनीकी सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने आगे कहा कि संस्था समय-समय पर आंकड़ों की समीक्षा कर सहयोग प्रदान करेगी और आंकड़ों को कैसे रख रखाव किया जाए इसमें अपने हाई इंपैक्ट इंटरवेंशन टूल की मदद से सहयोग देगी।

इस अवसर पर नगर पालिका ईओ एसके तिवारी, एसीएमओ डॉ संजय गुप्ता, एसीएमओ आरसीएच डॉ. सुरेंद्र चौधरी, मण्डलीय कार्यक्रम प्रबंधक अरविन्द पाण्डेय, अर्बन हेल्थ कोआर्डीनेटर सुरेश चौहान, मण्डलीय क्वालिटी कंसलटेन्ट जसवंत मल्ल, मण्डलीय अर्बन कंसलटेन्ट प्रीति सिंह, डीपीएम पूनम, डीसीपीएम राजेश गुप्ता, पीएसआई इंडिया टीम की तरफ से अमित कुमार ,मीनाक्षी दीक्षित , हिना , केवल सिंह सिसोदिया एवं प्रियंका सिंह ने प्रतिभाग किया।

काली सेना प्रमुख ने किया ऐलान, बरेली में नहीं होने देंगे धर्म परिवर्तन

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

शांभवी पीठाधीश्वर व काली सेना प्रमुख स्वामी आनंद स्वरूप ने बरेली में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह का विरोध किया है। उन्होंने कहा है कि यदि शासन प्रशासन इस तरह के आयोजन रोकने में विफल रहा तो काली सेना स्वयं इस प्रकार के कार्यक्रम को बरेली में नहीं होने देगी।

उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी मौलाना तौकीर ने सावन मास शुरू होने से ठीक एक दिन पहले बरेली में हिन्दू लड़के-लड़कियों के सामूहिक इस्लामिक कन्वर्जन की घोषणा किया है।

बता दें कि धर्म परिवर्तन की खबर फैलते ही विश्व हिन्दू परिषद, हिन्दू जागरण मंच, बजरंग दल समेत तमाम हिन्दू वादी संगठन मुखर होकर मौलाना तौकीर के विरोध में उतर आए हैं। हिन्दू संगठनों ने एक सुर में कहा है कि मौलाना तौकीर लव जिहाद को बढ़ावा देने के साथ बरेली के शांत माहौल में जहर घोलने का षडयंत्र कर रहे हैं। इसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा।

पूंजीपतियों की दावतें छोड़ धर्म बचाने में जुटें धर्माचार्य

शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप जी महाराज ने हिंदी दैनिक **जन एक्सप्रेस संवाददाता से** बातचीत में मौलाना तौकीर द्वारा हिंदुओं के धर्म परिवर्तन की घोषणा किए जाने पर चुप्पी साधने वाले धर्माचार्यों को भी आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्माचार्यों को पूंजीपतियों के यहां दावत की जगह हिन्दू धर्म को बचाने का कार्य करना चाहिए। वहीं यूपी के बरेली में मौलाना तौकीर रजा खान के धर्म परिवर्तन और सामूहिक निकाह कार्यक्रम का आयोजन करने के ऐलान के बाद पुलिस-प्रशासन अलर्ट हो गया है। पुलिस ने साफ कह दिया है कि बिना अनुमति के इस प्रकार के किसी कार्यक्रम का आयोजन नहीं करने दिया जाएगा। अगर कोई जोर-जबरदस्ती करेगा तो उसके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। किसी को भी शांति-व्यवस्था से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।

अचेतावस्था में मिला युवक, पुलिस ले गई अस्पताल, डॉक्टरों ने घोषित किया मृत

जन एक्सप्रेस । आनन्दनगर महराजगंज

फरेंदा- धानी मार्ग के एक धान के खेत से 32 वर्षीय युवक का अचेत अवस्था में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई,उस युवक के मुंह से झाग निकल रहा था। उक्त घटना की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी, मौके पर पहुंची फरेंदा पुलिस ने उक्त युवक को अपने वाहन से लादकर अस्पताल लेकर पहुंची जहां पर चिकित्सकों ने मृत्यु घोषित कर दिया। सूत्रों के अनुसार मंगलवार को दिन में तीन बजे के लगभग फरेंदा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सभा सिधवारी के पास उक्त मार्ग पर एक युवक अचेता अवस्था में धान के खेत में मिला जिसके मुंह से झाग निकल रहा था। ग्रामीणों की सूचना पर फरेंदा पुलिस मौके पर पहुंची और युवक का हालत गंभीर देखीं तत्काल फरेंदा कोतवाली की पुलिस ने युवक को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी पहुंची जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। इस घटना की पुष्टि करते हुए फरेंदा कोतवाल अभिषेक सिंह ने बताया कि मृतक युवक की पहचान नगर पंचायत आनंद नगर के वार्ड नंबर 15 विकास नगर निवासी रामचंद्र पुत्र अजय चंद्र विश्वकर्मा उम्र 32 वर्षीय के रूप में हुई हैं। युवक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम हेतु महराजगंज भेज दिया गया है। मृतक के परिजनों ने बताया कि युवक कबाड़ बिनने का कार्य करता था।

छह माह भी नहीं टिक पाई लाखों रूपए से बनी बाउंड्री वॉल, खुली गुणवत्ता की पोल

जन एक्सप्रेस । निचलौल/महराजगंज

निचलौल ब्लॉक अंतर्गत कई ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों में हुई जम कर अनियमितता की वजह से कही नाली की दीवार ढह गई तो कही अमृत सरोवर की दीवार ढह गई तो कही मनरेगा खेल मैदान की बाउंड्री वॉल गिर गई। ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत विशुनपुरा प्रथम का सामने आया है जहां मनरेगा के तहत लाखों की लागत से बने खेल मैदान की बाउंड्री वॉल छः माह के भीतर ही गिर गई।बताया जा रहा है मानक विहीन निर्माण कार्य की वजह से मानसून की पहली बारिश में एक साइड की दीवार भरभरा कर गिर गई। शासन द्वारा गांवो में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए मनरेगा योजना के तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान/ मिनी स्टेडियम बनाए जा रहे है।

जहां लगभग सभी प्रकार के खेलों का अभ्यास खिलाड़ी कर सकेंगे।इसी क्रम में निचलौल विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत विशुनपुरा प्रथम में लगभग 14 लाख की लागत से मनरेगा के तहत खेल मैदान/ मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया गया। मानक विहीन निर्माण व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की अनदेखी से छः माह के भीतर ही मनरेगा खेल मैदान/ स्टेडियम की एक साइड की दीवार बीते दिनों भरभरा कर गिर गई। जिससे कार्य के गुणवत्ता की कलई खुल गई। गनीमत रही की हादसे के वक्त मौके पर कोई मौजूद नही था अन्यथा किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता था। खेल मैदान के अन्य साइड की दीवारों में भी कई जगहों पर दरारें आ गई है इससे कार्य की गुणवत्ता का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।ग्रामीणों का आरोप है कि खेल मैदान के निर्माण में मानक की धज्जियां उड़ाते हुए मानक विहीन सामग्री लगाई गई। जिसकी वजह से पिछले दिनों हुई बारिश से बाउंड्री का एक साइड का हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा।

मरम्मत के पश्चात ही होगा भुगतान - बीडीओ इस बाबत खण्ड विकास अधिकारी शमां सिंह ने बताया की प्रकरण संज्ञान में है। मरम्मत के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया है। उसके बाद ही शेष धनराशि का भुगतान किया जाएगा।

मृत बिखरे पड़े गौवंश के कंकाल खोल रहे हैं योगी सरकार की पोल, अफसरों की लापरवाही भी हुई उजागर: अभिषेक सिंह राणा

जनपद के गौशालाओ मे गायों पर अत्याचार व उनकी दुर्दशा को लेकर कांग्रेसी हुए मुखर,18 जुलाई को दी आंदोलन की चेतावनी

जन एक्सप्रेस। सुलतानपुर

जनपद में हो रहे गौमाता पर अत्याचार व बरर्बता को लेकर कांग्रेस मुखर हो गई है। जनपद के पैगूपुर गांव में खुनशेखपुर गौशाला के पास विगत दिनों दर्जनों मृत गायों के कंकाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसको लेकर कांग्रेस पार्टी ने जिले के जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति खासा नाराजगी जाहिर की थी। लापरवाह जिम्मेदार अधिकारियों के प्रति कार्रवाई करने हेतु व जिले में बड़े पैमाने पर हो रहे गायों पर अत्याचार व बरर्बता को लेकर कांग्रेस ने गुरुवार 18 जुलाई को जिला प्रशासन को

आंदोलन की चेतावनी दी है। इस बावत कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि गौशाला के पास मृत मिले दर्जनों गायों के कंकाल प्रदेश की योगी सरकार की अवस्थाओं की पोल खोल रहा है। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है की दर्जनों से अधिक मृत गाय के कंकाल इधर-उधर बिखरे पड़े हैं। वहीं उन्होंने कहा कि जिले के जिम्मेदार अधिकारियों के प्रति कार्यवाही सुनिश्चित की जाए अन्यथा कांग्रेस पार्टी एक बड़ा आन्दोलन करेगी अभी 18 जुलाई गुरुवार को गौशालाओं में गायों की हो रही दुर्दशा को लेकर विरोध प्रदर्शन करके जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया जाएगा। वहीं शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि जिले में हो रहे बड़े पैमाने पर गौमाता पर अत्याचार व बर्बरता हम कांग्रेस जन कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। जिले के जिम्मेदार अधिकारी लापरवाह अधिकारियों के प्रति कठोर कार्रवाई करें जिससे भविष्य में इस तरह की घटना न हो सके।

सैदपुर में निकला जुलूस, किया गया आग का मातम

जन एक्सप्रेस। सुल्तानपुर

सोमवार की रात्रि चीनी मिल सैदपुर गांव में आठवीं मोहर्रम का जुलूस बरामद हुआ। जिसमें इत्तेहाद-ए बैनुल मुस्लेमीन के बैनर तले शिया-सुन्नी ने मिलकर नौहा मातम कर पुरसा पेश किया।
जुलूस की मजलिस को सम्बोधित करते हुए मौलाना असगर नकी ने कहा कि रमजान कुरआन आने का महीना है और मोहर्रम कुरआन बचाने का महीना है। सन 61 हिजरी में यजीद कह रहा था कि न कुरआन आया न पैगम्बर मोहम्मद पर कोई वही आई। मौलाना ने कहा करबला में जंग इमाम हुसैन ने जंग की तो पहल हुसैन की तरफ से नहीं थी। हुसैन ने जमीन-ए करबला खरीदा था जिस पर आकर यजीद के लश्कर ने चढ़ाई की थी। किसी के घर में जबरन घुसकर हमला करने को ही टेरीरिज़्म कहते हैं। करबला में हुसैन के घर वालों पर यजीद के लश्कर द्वारा किया गया हमला पहला आतंकी हमला था। उस हमले के बचाव में हुसैन और उनके साथियों ने तलवार हाथ में ली थी। हुसैन और उनके 71 साथियों को कत्ल करने के लिए नौ लाख का लश्कर आया था।
यहां जुलूस रात भर पूरे गांव में गशत किया। अंत में सुबह की नमाज के बाद आग पर मातम करके जुलूस समाप्त हुआ। जहां जमीर सैदपुरी, बबलू रिज़वी, डॉ जफर, सलमान, जीशान, सज्जाद आदि मौजूद थे। ये जानकारी शबीह रिज़वी ने दी।

मोटे अनाज के सेवन से स्वस्थ रहता है शरीर: ब्लॉक प्रमुख

जन एक्सप्रेस। लंभुआ सुलतानपुर

श्री अन्न योजना अंतर्गत राजकीय कृषि बीज भंडार लंभुआ में मंगलवार को क्षेत्र के किसानों को निशुल्क बीज वितरित किया गया। ब्लॉक प्रमुख कुंवर बहादुर सिंह ने अरहर, रागी, बाजरा का बीज किसानों में वितरित करते हुए कहा दलहन से आय दोगुनी करें। रागी आदि मोटे अनाज के सेवन से शरीर स्वस्थ रहता है।

राजकीय कृषि बीज भंडार लंभुआ में क्षेत्र के किसानों को श्री अन्य योजना के तहत दलहन-मोटे अनाज के प्रोत्साहन के लिए शासन से भेजे गए निशुल्क बीज का वितरण किया गया। ब्लॉक प्रमुख ने अनाज वितरित करते हुए कहा कि पुरानी पद्धति में किसान मोटे अनाज की उपज भरपूर करते थे। इसके सेवन से शरीर स्वस्थ रहता था। कई बीमारियों से बचाव भी होता था। किसान बीज की बुआई कर स्वास्थ्य के लिए इसका उपयोग कर अधिक पैदावार कर अपनी आय दोगुनी कर सकते हैं।
सरकार निशुल्क दलहन व मोटे अनाज का बीज वितरित कर किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। राजकीय कृषि बीज भंडार के सहायक विकास अधिकारी राजेश कुमार पासवान ने बताया कि क्षेत्र में 67 किसानों को निशुल्क रागी, पांच किसने को बाजरा व 18 किसानों को अरहर का बीज किसानों में वितरित किया गया। ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक आकाश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश व केंद्रीय सरकार के संयुक्त प्रयास से दलहन व मोटे अनाजों के बीज़ किसानों को निशुल्क वितरित किया जा रहा है और किसानों को जागरूक भी किया जा रहा है कि ज्यादा से ज्यादा मोटे अनाज जैसी फसले पैदा करें। इस मौके पर सहायक तकनीकी प्रबंधक पवन कुमार, किसान अवनीश सिंह, दिनेश सिंह मामपुर, सुशील सिंह राजापुर, शेषाराम वर्मा, बृजेश यादव एवं दर्जन भर से ज्यादा किसान मौजूद रहे।

मनरेगा घिरा सवालों के घेरे में अब देखना है अधिकारी कैसे भ्रष्टाचार उजागर करते हैं

जन एक्सप्रेस। लम्भुआ/सुलतानपुर

मनरेगा पर नहीं लग पा रही है लगाम भ्रष्टचारी कर रहे हैं मौज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट जीरो टॉलरेंस नीति को दिखा रहे हैं ठेंगा जनता के धन पर हो रही है ठगी नहीं हो रहा किसी ग्राम सभा में विकास कार्य और ना ही तालाब पर मजदूर दिखाई देते हैं जहां एक तरफ तालाब में पानी भरा हुआ है बरसात के कारण वहां भी मनरेगा मजदूर के नाम पर फर्जीवाड़ा हो रहा है सुल्तानपुर के 14 ब्लाको में से सभी ब्लॉकों में मनरेगा के तहत कार्य किया जा रहा है कार्य जहां भी हो रहा है 80त्न फर्जी तरीके से पैसा निकालने की व्यवस्था बनाई जा रही है और 20त्न में सिर्फ काम हो रहा है महज यही सच्चाई है दिनांक 15 जुलाई रात्रि 11ः55 पर भी कुछ ऐसा ही डाटा सामने आया जो सिर्फ चौंकाने वाला डाटा था डाटा देखकर खुद को भी शर्म आने लगती है अगर इस बात को समझा जाए तो विकास खण्ड लम्भुआ में हाजिरी की कोई कमी नहीं है आज सुबह 14 ब्लॉकों में समय लगभग 11ः34 पर 670 मास्टर रोल जारी हुआ और 195 जगह पर काम चल रहा था मजदूरों की संख्या 5869 थी। वही 4ः00 बजे 1175 मस्टरोल 331 जगह पर काम और उसी दिन मजदूर की संख्या 10293 हो गई, वही जानकारी के लिए यह बताना आवश्यक है कि 15 जुलाई रात्रि लगभग 11ः48 का 14 ब्लॉक का डाटा 2655 मस्टरोल जारी हुआ था रात्रि में मौजूद मजदूर 24861 और 638 जगह पर कार्य हुआ था। सोचनीय और गंभीर विषय है कि देर शाम 7ः30 बजे के बाद कुछ दिखता ही नहीं है और मजदूरों की मजदूरी का ऑनलाइन फीडिंग इतना किस रूप में बढ़ जाती है और वह मजदूर अंधेरे में काम कैसे करते हैं कौन से प्रकाश के उजाले में काम होता है यह विषय बहुत गंभीर हैं यह हमारे मुख्यमंत्री को चिढ़ाने जैसी बात है आप कुछ भी करो हम रास्ता निकाल ही लेंगे भ्रष्टाचार करके दिखा देंगे आपकी हिम्मत हो तो रोक कर दिखाएं जिले के तमाम अधिकारी जो जिम्मेदार हैं वह अपनी मौन स्वीकृति क्यों दे रहे हैं कौन सा दबाव है यह नहीं समझ में आ रहा है और कार्रवाई क्यों नहीं हो पा रही है।

राज्यपाल ने यूथ आइकॉन प्रवीण गुप्ता को किया सम्मानित

जन एक्सप्रेस। अम्बेडकर नगर

जनपद में निरन्तर विभिन्न सामाजिक गतिविधियों को लेकर निरंतर प्रयासरत युवा प्रवीण कुमार गुप्ता को राजभवन के खचाखच भरे हाल में रेड क्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश की अध्यक्षा राज्यपाल आनंदी बेन पटेल एवं उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा रेड क्रॉस अम्बेडकर नगर को सक्रिय करने और किए गए अवैतनिक निःस्वार्थ सेवा के लिए रेड क्रॉस उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े सम्मान **उत्कृष्ट सेवा पदक/सम्मान** से सम्मानित किया। इनके इस उपलब्धि पर रेड क्रॉस जिला शाखा के अध्यक्ष जिलाधिकारी, रेड क्रॉस चेयरमैन डॉ0एम0एच0 सिद्दीकी सहित कई गणमान्य नागरिकों ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

कलयुगी पुत्र ने मां को थाने में लगाई आग, महिला की मौत, बेटा हिरासत में

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

अलीगढ़ के थाना खैर में एक पुत्र ने अपनी मां को आग लगा दी। मां चिल्लाती रही। थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने कंबल आदि से आग को बुझाने की कोशिश की, जब तक महिला काफी जल चुकी थी। महिला की मौत हो गई। जिस मां ने बेटे को नौ माह तक अपने गर्भ में रखा और जन्म के समय असहनीय दर्द बर्दाश्त किया, उसी कलयुगी पुत्र ने अपनी मां को थाना परिसर में आग लगा दी। मां चिल्लाती रही और आग की लपटें बढ़ती गईं। पुलिसकर्मियों ने कंबल आदि से आग को बुझाने का भरपूर प्रयास किया।
महिला को नजदीकी अस्पताल लेकर जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत देखकर अलीगढ़ रेफर कर दिया। अस्पताल में महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला 80 फीसदी से अधिक जल चुकी थी। वहीं पुलिस ने बेटे को हिरासत में ले लिया है। एसएसपी संजीव सुमन ने बताया कि हेमलता का अपने पति के मामा यानी परिजनों से कब्जे और जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। मामले को लेकर एक एफआईआर लिखवाई गई और उसमें चार्जशीट लग चुकी है। इसमें आज दोनों पक्षों को इसलिए बुलवाया गया था कि इन्हें मकान चाहिए तो किसी और जगह बनवा दो। इनमें पैसों को लेकर बात चल रही थी, पर यह पैसे को लेकर किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाए।
महिला वहां से बाहर गई, उसके बेटे ने लाइटर से आग लगा दी। आग लगाने का पूरा वीडियो थाने के सीसीटीवी कैमरे में है, वीडियो फुटेज को महिला के परिवार वालों को दिखा दिया गया है। जब तक पुलिस वाले बेटे को रोक पाते, तब तक उसने मां को आग लगा दी।

स्मार्टफोन से युवा अपनी पढ़ाई व रोजगार को आगे बढ़ाने में होंगे सफल: आनन्द जायसवाल

जन एक्सप्रेस। कादीपुर/सुलतानपुर

स्थानीय संत तुलसीदास पीजी कॉलेज कादीपुर के एमकॉम एवं एमएसी के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र छात्राओं को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना के तहत नगर पालिका अध्यक्ष कादीपुर आनन्द जायसवाल एवं महाविद्यालय प्रबन्धक सौरभ त्रिपाठी व प्राचार्य प्रो आरएन सिंह की उपस्थिति में टैबलेट का वितरण

किया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि चेयरमैन कादीपुर आनन्द जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री का सपना है कि युवा समग्र रूप से सक्षम हों। आज के इस तकनीकी युग में प्रदेश में वितरित किये जा रहे स्मार्टफोन से युवा अपनी पढ़ाई व रोजगार को आगे बढ़ाने में सफल होंगे और आने वाले समय में स्मार्टफोन हर व्यक्ति के लिए लाभकारी है। प्राचार्य प्रो आरएन सिंह के अनुसार महाविद्यालय के एमकॉम व एमएससी के कुछ 194 छात्र छात्राओं को टैबलेट का वितरण किया गया है। टैबलेट वितरण कार्यक्रम में चीफ प्रॉक्टर प्रो मदन मोहन सिंह, डॉ समीर पांडेय, डॉ संतोष पांडेय नीरज तिवारी, डॉ कुमुद राय, डॉ सुरेन्द्र प्रताप तिवारी आदि शिक्षक कर्मचारी व शिवम दूबे, राजन पांडेय, प्राची मिश्रा, प्राची सिंह, काजल, कोमल पांडेय, कोमल यादव, व अभिषेक आदि कई छात्र व छात्राएं उपस्थित रहे।

बकाया राशि के भुगतान को लेकर कोटेदारों ने जिला पूर्ति अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस। अम्बेडकर नगर

ऑल इण्डिया फेयर प्राइस डीलरशिप फेडरेशन के जिलाध्यक्ष राज कुमार वर्मा द्वारा एम0डी0एम0 एवं आंगनवाड़ी के बकाया भाड़ा एवं पल्लेदारी भुगतान के बकाया राशि को लेकर जिला पूर्ति अधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा गया। फेडरेशन के जिलाध्यक्ष द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि पूरे जनपद में उचित दर विक्रेताओं के एम0डी0 एम0 एवं आंगनवाड़ी योजना का भाड़ा एवं पल्लेदारी योजना प्रारम्भ होने से लेकर जून 2022 तक भाड़ा बकाया है। जिसके भुगतान के सम्बन्ध में कई बार तत्कालीन अधिकारीयों को अवगत भी कराया गया लेकिन अभी तक न तो कोई कार्यवाही हुई और न ही बकाया

भुगतान। उन्होने यह भी कहा है कि एनएफएसए खाद्यान्न का कमीशन अत्यन्त कम है और महंगाई अत्यधिक बढ़ गई है जिससे तमाम कोटेदारों की आर्थिक स्थिति काफी खराब है। ऐसे में सभी प्रकार के बकाये का भुगतान कराया जाना अति आवश्यक है। इस दौरान जिलाध्यक्ष राज कुमार वर्मा के साथ कृष्ण कुमार, राधेश्याम, राममूरत, सुरेश, अनिल कुमार, फूलचन्द वर्मा सहित तमाम कोटेदार मौजूद रहे।

भारती एयरटेल फाउंडेशन ने 'भारती एयरटेल छात्रवृत्ति प्रोग्राम' लॉन्च किया सालाना 100+ करोड़ के परिव्यय के साथ 4000 विद्यार्थियों को सशक्त बनाने की महत्वाकांक्षा

जन एक्सप्रेस। आगरा

भारती एंटरप्राइजेज की परोपकारी शाखा, भारती एयरटेल फाउंडेशन, अपने 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भारती एयरटेल छात्रवृत्ति प्रोग्राम लांच कर रही है। यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम विद्यार्थियों की योग्यता और उनकी आर्थिक पृष्ठभूमि दोनों को ध्यान में रखते हुए, आईआईटी सहित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के मानकों के अनुसार शीर्ष स्तरीय रैंकिंग प्राप्त 50 (इंजीनियरिंग) कॉलेजों में, जैसे आईआईटी कानपुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय) वाराणसी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, एमिटी विश्वविद्यालय, शामिल हैं7 प्रौद्योगिकी आधारित इंजीनियरिंग के स्नातक स्तरीय और एकीकृत कार्यक्रमों (5 वर्ष तक) में भागीदारी करने वाली लड़कियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के योग्य विद्यार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है7 यह अगस्त 2024 में प्रवेश के लिए पात्र विद्यार्थियों पर लागू होगा। इस वर्ष 250 विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के साथ से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम को, विद्यार्थियों के ऐसे प्रत्येक समूह में इसका सफल कार्यान्वयन होने पर भविष्य में इससे लाभान्वित होने वाले विद्यार्थियों की संख्या को धीरे-धीरे बढ़ाने का उद्देश्य रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम के चरम पर पहुंचने पर प्रति वर्ष रुपए 100प्लस करोड़ के परिव्यय के साथ इसके माध्यम से 4,000 विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। पूरी तरह से वित्त पोषित छात्रवृत्ति की परिकल्पना ऐसी वित्तीय बाधाओं को दूर करने के लिए की गई है, जो मेधावी विद्यार्थियों, विशेष रूप से वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाने में बाधा डालती हैं। यह छात्रवृत्ति उन विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय रुपए 8.5 लाख से अधिक नहीं होगी। भारती एयरटेल छात्रवृत्ति, एनआईआरएफ के मानकों के अनुसार शीर्षस्तरीय 50 (इंजीनियरिंग) कॉलेजों में इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान, डेटा विज्ञान और उभरती प्रौद्योगिकियों (एआई, आईओटी, एआर/वीआर, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स) के क्षेत्र में स्नातक और एकीकृत पाठ्यक्रमों पर केंद्रित होगी। इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ताओं को भारती स्कॉलर्स के रूप में जाना जाएगा। वे अपने पाठ्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान कॉलेज की फीस की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति प्राप्त करेंगे और उन्हें लैपटॉप भी दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, इसके लिए आवेदन करने वाले सभी पात्र विद्यार्थियों को हॉस्टल और मेस फीस की प्रतिपूर्ति भी की जाएगी। हम चाहते हैं कि योग्य विद्यार्थियों को हर साल बारहों महीन यह सुविधा मिलती रहे और उन्हें गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा मिले इसलिए हम भारती स्कॉलर्स को प्रोत्साहित करेंगे कि वे स्नातक होने और बाद में लाभकारी रूप से नियोजित होने के बाद, स्वेच्छा से, कम से कम 1 विद्यार्थी की निरंतर सहायता करने की जिम्मेदारी उठाएं।

आरटीओ कार्यालय-ट्रेनिंग सेंटर पर डीएम की छापेमारी, 12 लोग पकड़े

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

आरटीओ कार्यालय के बाहर अराजक तत्वों का जमावड़ा रहता है। ये लोग आरटीओ कार्यालय परिसर के बाहर जनता को बहकाते हैं। अधिकारियों ने इन बिचौलियों के विरुद्ध अभियान चलाने का निर्णय लिया। यहां डीएम विशाख जी के नेतृत्व में छापेमारी की गई। अलीगढ़ डीएम विशाख जी के नेतृत्व में 16 जुलाई को एक टीम ने आरटीओ कार्यालय एवं ट्रेनिंग सेंटर में छापेमारी की। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में की गई कार्रवाई से कार्यालय के बाहर बैठे दलालों में खलबली मच गई। दलाल सामान सहित भाग ही रहे थे कि 12 लोगों को हिरासत में लिया गया। इनके पास से कई फर्जी कागजात मिले हैं। डीएम ने पकड़े गए दलालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के आदेश दिए हैं।

दो बैरकों में खुले मिले बिजली के तार

जन एक्सप्रेस। आगरा

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने मंगलवार को जेल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दो बैरकों में बिजली के खुले तार मिले। प्राधिकरण सचिव ने नाराजगी जताते हुए दो दिन में खुले तार बंद कराने के निर्देश दिए। अनहोनी की स्थिति में जवाबदेही तय करके कार्रवाई की चेतावनी दी।
मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कमल सिंह अपर जिला जज जेल पहुंचे। जेल की बैरकों, महिला बैरक सहित पाकशाला का निरीक्षण किया। बैरक नंबर 10-ए और महिला बैरक में बिजली के खुले तार मिलने पर नाराजगी जताते हुए जेलर को दो दिन में बंद कराने को कहा।
बंदी अजय उर्फ नरेश ने मुकदमा लड़ने के लिए वकील दिलाने की मांग की। बंदी सुंदरम ने अपने अपराध में जुर्म इकबाल करके जेल लोक अदालत में निस्तारित कराने की मांग की। जेलर को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जेल में एक लड़की द्वारा अपनी उम्र 18 वर्ष से कम बताने पर जेलर को लड़की का मेडिकल कराने को कहा।
प्राधिकरण सचिव ने बंदियों को जेल लोक अदालत के संबंध में जानकारी दी। इस मौके पर चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल हृदय कुमार चतुर्वेदी, जेल विजिटर सुनील यादव, जेलर पीके त्रिवेदी, डिप्टी जेलर रतन प्रिया, जेल पीएलवी अजय चौहान, प्राधिकरण कार्यालय प्रभारी देवेंद्र सिंह मौजूद रहे।

साइड हटने को हॉर्न बजाने पर चिढ़ गए युवक; गिराकर बाइक तोड़ी... फिर चलने लगे लात-घूसे, तीन घायल

जन एक्सप्रेस। आगरा

ताजनगरी में साइड हटने को हार्न बजाने पर युवक चिढ़ गए। उन्होंने हॉर्न बजाने वाली की बाइक तोड़ी। मारपीट में तीन लोग घायल हो गए।
उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार को बाइक का हॉर्न बजाने को लेकर युवक भिड़ गए। मारपीट में तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराया है। दो का शांतिभंग में चालान करने के साथ छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना बरहन थाना क्षेत्र के चौकडा गांव की है।
थानाध्यक्ष बरहन उदयवीर सिंह ने बताया कि सुबह चौकडा गांव निवासी उपदेश सिंह चौहान बाइक से कहीं जा रहा था। गांव के रास्ते में खड़े अश्वनी कुमार, प्रवीन कुमार आदि को रास्ते से हटाकर बाइक निकालने के लिए उपदेश ने हार्न बजा दिया। हार्न बजाने का दुष्यंत और प्रवीन आदि ने विरोध किया। इसको लेकर पहले बाद विवाद हुआ, जो मारपीट में बदल गया। प्रवीन और अश्वनी आदि उपदेश के साथ मारपीट करने लगे। चीख-पुकार होने पर उपदेश के परिवारीजन ने आकर बीच बचाव कराने का प्रयास किया। इस अश्वनी और प्रवीन आदि ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इससे उपदेश चौहान और उसका भाई यतेंद्र सिंह चौहान और सर्वेश देवी पत्नी यतेंद्र सिंह को गम्भीर चोंटे आ गई। आरोपी ने उपदेश की बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा है। प्रवीन और अश्वनी का शांतिभंग में चालान किया गया है। थानाध्यक्ष बरहन उदयवीर सिंह ने बताया कि यतेंद्र की तहरीर पर अश्वनी, प्रवीन सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 16.08.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	06902024 dated 16.07.2024
2	निविदा संख्या	1. 10Sr.DEN-IV-LKO/2024-2025 2. 18 Sr.DEN-III-LKO/2024-2025
3	कार्य का नाम	1. वरि. मण्डल इन्जीनियर उत्तर रेलवे (चतुर्थ) उत्तर रेलवे, लखनऊ के तहत ट्रैक आधारित रेल गेज फेस लुबरीकेटर (इलेक्ट्रॉनिक प्रकार) के साथ डुअल ग्रीस एप्लीकेटर/वाइपर बार–23 नम्बर का प्रावधान 2. वरि. मण्डल इन्जीनियर उत्तर रेलवे (तृतीय) उत्तर रेलवे, लखनऊ के तहत ट्रैक आधारित रेल गेज फेस लुबरीकेटर (इलेक्ट्रॉनिक प्रकार) के साथ डुअल ग्रीस एप्लीकेटर/वाइपर बार–35 नम्बर का प्रावधान
4	अनुमानित लागत	1. Rs. 3,04,70,400.00 2. Rs. 4,63,68,000.00
5	धरोहर राशि	1. Rs. 3,02,400.00 2. Rs. 3,81,800.00
6	कार्य की समापन अवधि	1 एवं 2 के लिये स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 60 माह।
7	निविदा डालने का प्रारंभ	02.08.2024
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	16.08.2024 15:00 बजे
9	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट : निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 2160/24
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भंगामोहम्मद गंज में नदी की धारा का रूख मोड़ने को परियोजना बनाएं अफसर : संजय सिंह गंगवार

राज्यमंत्री ने डी0एम0 सहित अन्य अफसरों के साथ किया मौके पर निरीक्षण अफसरो को दिये निर्देश

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

अमरिया ब्लाक क्षेत्र के गांव भंगामोहम्मद गंज में देवहा नदी से होने वाले भू-कटान को रोकने के लिए गन्ना विकास एवं चीनी मिले राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह एवं सिचाई विभाग सहित अन्य अफसरों के साथ मौके पर जाकर निरीक्षण किया और भंगामोहम्मद गंज में नदी के पुल के बजाय गांव की ओर वह रही धारा को मोड़ने के लिए परियोजना बनाने के निर्देश दिये गये है। राज्यमंत्री श्री गंगवार बाढ़ ग्रस्त इस क्षेत्र का दौरा करने के बाद पुनः डी0एम0 सहित अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुँचे और वहा नदी की धारा रूख गांवों के बजाय पुल से होकर गुजरने की परियोजना बनाये जाने की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यमंत्री श्री गंगवार बताया की भंगामोहम्मद गंज में देवहा नदी की धारा का रूख इस क्षेत्र में बसे दर्जनों गांवों की ओर होने के कारण गांव में नदी कटान का खतरा पैदा हो गया है जिसे रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाना अति आवश्यक है। उन्होनें कहा की बाढ प्रभावित क्षेत्रों में समय रहते आवश्यक परियोजनाऐं एवं निर्माण कार्य कराये जाने से क्षेत्र की जनता को लाभांवित किया जा सकता है। उन्होनें डी0एम0 एवं उनके साथ गये सिचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता आदि अन्य अधिकारियों को नदी पर बने पुल एवं नदी की धारा मोड़ने के लिए तत्काल परियोजना बनाकर उस पर काम शुरू करने के निर्देश दियें है। मालूम रहे की भंगामोहम्मद गंज में नदी कटान से इस क्षेत्र के ग्राम कुर्रा, आसपुर, बेहरी, सुस्वार, नाकूड़ आदि कई गांव हर साल बारिश के दौरान प्रभावित होते है इन गांव को नदी कटान से बचाने के लिए आवश्यक परियोजना जरूरी है।

विधायक ने बिजली आपूर्ति की दुर्दशा पर अधिकारियों के कसे पेंच

आपूर्ति की दुर्दशा से उपभोक्ताओं में मचा हाहाकार

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

बिजली आपूर्ति की दुर्दशा को लेकर विधायक रमेश सिंह ने मंगलवार को अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। डाक बंगला शाहगंज में हुई समीक्षा बैठक में श्री सिंह ने बिजली विभाग के अधिकारियों को आपूर्ति व्यवस्था सुधारने की सख्त हिदायत दी। क्षेत्र में खासकर सुइथाकलां व गुड़बड़ी क्षेत्र में आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। शासन के 18 घंटे आपूर्ति के निर्देश की कौन कहे चार-पांच घंटे भी लोगों को बिजली मिलना मुश्किल हो गया है। मंगलवार को इसी समस्या से आजिज उपभोक्ताओं ने सुइथाकलां विद्युत उपकेंद्र पर ताला जड़ दिया। विधायक के समक्ष समस्या का कारण बताते हुए अधिशासी अभियंता संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि कॉमन लाइन पर दो उपकेंद्र संचालित होने से ओवरलोडिंग है। इसके निस्तारण के लिए विधायक ने मौके से ही मुख्य अभियंता तकनीकी से फोन पर बात की। जिन्होंने गुड़बड़ी तक नई लाइन बनाने का काम जल्द शुरू कराने की बात कही। इस दौरान एसडीएम शैलेंद्र कुमार, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह, एसडीओ सतीश सिंह, धर्मेंद्र गुप्ता, अवर अभियंता राजकुमार सिंह, सत्य प्रकाश यादव, भानु प्रताप सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में एंटी लार्वा स्प्रे सहित फागिंग कार्य कराया

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

बरखेड़ा। ब्लाक क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत एंटी लार्वा स्प्रे चूना सहित फागिंग का कार्य कराया गया।वही बारिश के मौसम में संचारी रोग फैलते हैं जिससे गांव में तरह-तरह की बीमारियां होती हैं। वही लगातार हुए बरसात के कारण पानी में मच्छर मक्खियां पैदा होते हैं जो गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। जिसको लेकर शासन प्रशासन के द्वारा संचारी रोग नियंत्रण सप्ताह मनाया जाता है तथा गांव शहर में अभियान चलाकर साफ सफाई एवं फागिंग आदि कराई जाती है। इस अभियान के तहत बरखेड़ा क्षेत्र की ग्राम पंचायत दियोहना, रामनगर-जगतपुर, मुड़िया कुंडरी तथा जंगीपुर-जैतपुर, दियोराजपुर सहित आदि मे साफ-सफाई के साथ-साथ एंटी-लार्वा स्प्रे एवं फगिग का कार्य कराया गया।वही ग्राम पंचायत के सचिव रामवीर गंगवार ने बताया की शासन की मंशा के अनुसार संचारी रोग नियंत्रण के तहत पंचायत में साफ-सफाई एवं स्प्रे तथा फॉगिंग कराई गई। जिससे कि संक्रामक बीमारियों पर रोक लगाई जा सके तथा गांव साफ सुथरा और स्वच्छ रहे।

वरिष्ठ पत्रकार राधा किशन रावत के निधन पर पत्रकारों में शोक की लहर

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन ने शोक सभा आयोजित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

वरिष्ठ पत्रकार एवं उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के लंबे समय से यूनियन में शामिल रहे राधाकृष्ण रावत का सोमवार देर रात निधन हो गया। जानकारी के अनुसार स्वर्गीय राधा कृष्ण रावत लंबे समय से बीमार चल रहे थें। इसी बीच सोमवार को देर रात उनका निधन हो गया। जैसे ही इसकी जानकारी पत्रकारों को लगी सभी ने गहरा शोक व्यक्त किया। वही उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश त्रिवेदी, प्रदेश महामंत्री रमेश शंकर पांडे, प्रदेश संगठन मंत्री सुधीर दीक्षित मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह सहित जनपद के सैकड़ो पत्रकारों ने राधाकृष्ण रावत की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। इसी क्रम में मंगलवार सुबह उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिला अध्यक्ष हरिपाल सिंह के नेतृत्व में शहर की नेहरू पार्क में दिवंगत आत्मा के लिए शोक सभा आयोजित की गई इस दौरान सभी पत्रकार साथियों ने मौन धारण उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की साथ दर्जनों पत्रकार साथियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की। साथ ही सभी ने कहा कि दुख की इस घड़ी में दिवंगत राधा कृष्ण रावत के परिवार के साथ खड़े है । ईश्वर इस दुख की घड़ी में परिवार को सहन शक्ति प्रदान करें इस मौके पर इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिपाल सिंह, अर्जदेव सिंह, रामनरेश शर्मा, सौरभ दीक्षित, करन सिंह चौहान, अनूप शुक्ला, महेश कौशल, धर्मेंद्र सिंह चौहान, विक्रांत शर्मा, प्रदीप सक्सेना, बिलाल रजा, मुकेश कुमार, जगननाथ, करन देव शर्मा, तेज पाल वर्मा, अब्दुल हनीफ, बिलाल मिया, पंकज ठाकुर, राम देव सहित दर्जनों उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के पदाधिकारी एव जिला कार्यकाणी के सदस्य गढ़ मौजूद रहें।

महिला ने एसपी को दिया प्रार्थना पत्र, बीसलपुर के लाला से गिरवी गांठ दिलवाने की गुहार लगाई

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

बरखेड़ा। थाना क्षेत्र दियुरिया कला के गांव भगौतीपुर निवासी महिला गीता देवी ने एसपी को दिए प्रार्थना पत्र मे बताया है कि मेरे पति गंगा सहाय की मृत्यु 25 नवम्बर 2023 को एक रोड दुर्घटना में हो गई।पति की मृत्यु से पहले मैंने पति के बेहतर इलाज हेतु प्रयास किया।प्रार्थनी ने 25 नवबंर 2023 को अपना जेवर बीसलपुर में छोटेलाल मुन्नालाल सर्राफ की दुकान बीसलपुर के यहाँ रखा था।सत्तर हजार रुपये लेकर मैं अस्पताल पहुँची उक्त पैसा खर्च करने से पहले ही उसी दिन मेरे पति की मृत्यु हो गई।मेरी सास शांति देवी ने सारा पैसा पर्स में रखा था छीन लिया।मैं पति के मृत्यु की गम में इतनी टूट चुकी थी कि मुझे शुद्बुद नही थी और काफी दिनों तक दुःख से उबर नहीं पाई।मेरी सास शांति देवी मुझे बिना बताए परिवार के वीरपाल को साथ लेकर मेरा जेबर धोका देकर छुड़ा लाई यह बात मुझे 29 जून 2024 को मालूम हुई जब मैं अपना जेबर लेने मुन्नालाल छोटेलाल सर्राफ के यहाँ गई।तो मैंने कहा की मुझे मेरा जेबर दे दो दुकान मालिक विशाल ने मुझसे गिरवीं गांठ की पर्ची मांगी तो मैंने दे दी खाता देखने के बाद विशाल ने कहा कि उक्त गांठ शांति देवी व वीरपाल छुड़ा ले गए है। तभी मैने कहा कि हमारी गांठ उन्हें कैसे दे दी।इतने में सर्वेश व विशाल मेरे ऊपर आग बबूला होकर मुझे गन्दी गन्दी गालियां दी और कहा कि दुकान पर आ गयी तो जान से मार देंगे।उक्त घटना की शिकायत बीसलपुर थाने में कई परन्तु उक्त लोगो पर पुलिस ने कोई कार्यवाही नही की पुलिस अधीक्षक से गिरवीं गांठ दिलाने की गुहार लगाई है।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारी ने बाढ़ से हुए व्यापारियों को नुकसान को लेकर सौपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल जिलाध्यक्ष अफ़रोज़ जिलानी के निर्देश पर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने ज़िले की सभी तहसीलों और कस्बों की इकाइयों ने अपने अपने यहां ज़िला अधिकारी व परगना मजिस्ट्रेट को वित्त मंत्री भारत सरकार को संबोधित ज्ञापन सौंपा , जिसमें, बाढ़ से हुए व्यापारियों के नुकसान का मुआवजा, टैक्स दरों में कटौती, आयकर सीमा बढ़ाने, जीएसटी का सरलीकरण एवम दरों में कटौती, अनाज सहित रोज खाने वाली चीजों, वस्तुओं पर टैक्स हटाने, व्यापारियों को जीवन बीमा, निरंतर टैक्स भरने वाले को पेंशन तथा नए व्यापार शुरू करने हेतु सरकार द्वारा सहायता व प्रोत्साहन तथा बैंकों द्वारा कम से कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ बिजली दरों को कम करने एवम ऑनलाइन कम्पनियों द्वारा समान बिक्री को सीमित करने तथा मध्य वर्ग के लोगों लिए सहूलियत सहित विभिन्न मांगे की गई.. ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष अफरोज जिलानी पंकज अग्रवाल,

अनिल महेंद्रु , रणवीर पाठक, शैली शर्मा, एडवोकेट आरके शर्मा, एडवोकेट प्रदीप श्रीवास्तव, विक्रांत मिश्रा, गौतम गुहा, मोहम्मद,आशीष सक्सेना,वीरेंद्र रस्तोगी, मुस्तकीम, ऋषि कनौजिया , आकाश सक्सेना , अतुल जायसवाल, रशीद अंसारी, मोहम्मद हसन खान,सुनील वर्मा ,विक्रांत मिश्रा, बबलू खान, जहानाबाद, बिंदु शर्मा, कंचन सक्सेना जिला अध्यक्ष, आशीष लोधी, महिला , सपना यादव प्रदेश उपाध्यक्ष महिला , सोभनी सिंह, परमजीत कौर, दर्शना कश्यप, अजय शर्मा एडवोकेट, आदित्य गंगवार , सौरभ यादव , प्रेम शंकर शर्मा, ऋषभ सिंह, राजीव राय, आसिफ , शुभान, वीरेंद्र रस्तोगी, सागर सैनी, राजन श्रीवास्तव, सैफ अंसारी आदि अन्य सभी पदाधिकारी व्यापारी उपस्थित रहे।

शिक्षकों की हुंकार से गूँजा कचहरी परिसर

संयुक्त मोर्चा ने अपनी जायज मांगों को लेकर रहा

मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के बहाने दिखाई अपनी ताकत

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

सनद रहे कि 08 जुलाई से प्रदेश सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों में सभी पत्रावलियों के डिजिटल करने व उपस्थिति ऑनलाइन करने का आदेश हुआ है, जिसको लेकर सभी शिक्षक संघ भारी विरोध के साथ आंदोलनरत रहे हैं, लेकिन सरकार की निरंकुशता को देखते हुए प्रांतीय स्तर पर सभी शिक्षक संघ, शिक्षा मित्र संघ, अनुदेशक संघ, और कर्मचारी संघों ने एक साथ आकर ÷ शिक्षक, शिक्षामित्र,अनुदेशक, कर्मचारी संयुक्त मोर्चा उ0प्र0÷ के बैनर तले एकजुट होकर संघर्ष का एलान किया है जिसके क्रम में आज माननीय मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से दिया गया। संयुक्त मोर्चा के संयोजक द्वारा बताया गया कि हमारी मांग है कि सरकार बिना शर्त ऑनलाइन उपस्थिति आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त करे, शिक्षक कर्मियों को 30 ई.एल., हाफ डे सी.एल, एवं प्रतिकर अवकाश प्रदान किया जाए,समस्त शिक्षक कर्मचारी की पुरानी पेंशन बहाल की जाए, वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण किया जाए शिक्षामित्र अनुदेशक को नियमित किया जाए व उन्हें सम्मानजनक मानदेय दिया जाए परिषदीय शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यो से दूर रखा जाए। उपरोक्त मांगों के संदर्भ में शिक्षक संगठन लंबे समय से संघर्षरत है लेकिन सरकार की हठधर्मिता व शिक्षकों के प्रति उसकी असंवेदनशीलता के कारण कोई भी निष्कर्ष नहीं निकलता देख संयुक्त मोर्चा ने इसबार आर-पार के संघर्ष का मन बना लिया है और यदि सरकार आज के ज्ञापन के पश्चात भी अपने आदेश को वापस नहीं लेती है तो तय कार्यक्रम के तहत आगामी 29 जुलाई को महानिदेशक स्कूली शिक्षा कार्यालय लखनऊ पर प्रदर्शन/घेराव किया जाएगा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर के दो बजे के पश्चात शिक्षक शिक्षिकाएं कलेक्ट्रेट में इकट्ठा होने लगे, तीन बजते-बजते पूरा कलेक्ट्रेट परिसर हजारों शिक्षकों के हुजूम से खचाखच भर गया, पूरा कलेक्ट्रेट परिसर शिक्षकों के गगनभेदी नारों से गूंजने लगा, संयुक्त मोर्चा के बैनर तले भारी संख्या में हजारों हजार शिक्षकों के इकट्ठा होने से पूरे कलक्ट्रेट में चर्चा का विषय बना रहा। इस अवसर पर संयुक्त मोर्चा के संयोजक प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह , पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ अतुल प्रकाश यादव, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय, प्राथमिक शिक्षक संघ 1160 के जिलाध्यक्ष अनिल यादव, अटेवा के जिलाध्यक्ष चंदन सिंह, टीएसटीसी जिलाध्यक्ष अरविंद यादव,विशिष्ट बीटीसी वे.ए. के जिलाध्यक्ष राममूर्ति यादव, यूटा के जिलाध्यक्ष संजय सिंह, पी.एस.पी.एस.ए जौनपुर जिलाध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह, उ प्र प्रा.शि.मि. संघ जनपद जौनपुर जिलाध्यक्ष संदीप यादव, शि.मि.वे. एसो. जौनपुर जिलाध्यक्ष राजेश यादव, कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बेसिक शिक्षा वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश डॉ शैलेंद्र यादव, एआरपी संघ जिलाध्यक्ष अशोक राजभर, पू.मा. अनुदेशक संघ के जिलाध्यक्ष रविंद्र कुमार यादव, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष अर्चना सिंह सहित संयुक्त मोर्चे में सम्मिलित सभी संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे।

दबंग का दुस्साहस : पड़ोसी के घर किया फायर, पुलिस पहुंची तो उन पर भी तान ली बंदूक, भागकर बचाई जान

जन एक्सप्रेस । मिर्जापुर

मिर्जापुर जिले के जिगना थाना क्षेत्र के गौरा के परमानपुर में सोमवार की देर शाम पुरानी रंजिश में गाली गलौज के बाद लाइसेंसी बंदूक से गोली चलाई गई। सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस पर भी बंदूक तान दिया गया। जिगना पुलिस ने किसी तरह आरोपी को बंदूक व कारतूस के साथ कब्जे में लिया। ग्राम गौरा के परमानपुर निवासी हरिशंकर पांडेय व पड़ोसी गिरजाशंकर पांडेय में आपसी रंजिश चली आ रही है। आरोप है कि सोमवार की देर शाम गिरजाशंकर पांडेय पड़ोसी हरिशंकर पांडेय आदि को गाली दे रहे थे। शोर होने पर हरिशंकर के पुत्र लवकुश व पौत्र सौरभ बाहर आए। गाली देने से मना किया तो गिरजाशंकर अपने घर में जाकर लाइसेंसी दो नाली बंदूक से फायर कर दिया। गोली किसी को न लग कर हरिशंकर पांडेय के बरामदे की दीवार पर लगी। जहां घड़ी लगी थी। आरोपी बंदूक में दो कारतूस भर कर अपने मकान में अंदर से ताला लगाकर दहाड़ता रहा। लवकुश ने घटना की सूचना पीआरवी 112 पर दी। पीआरवी 112 के दीवान बाबूराम यादव पहुंचे तो आरोपी अपने मकान की खिड़के से बंदूक तान दिया। जिसके बाद दीवान ने भाग कर जान बचाई। उसने थानाध्यक्ष शैलेशकुमार राय को सूचना दिया। सूचना पर फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष शैलेशकुमार राय ने किसी तरह समझा कर आरोपी को हिरासत में लिया। आरोपी दो नाली बंदूक में कारतूस भरे हुए था। 22 कारतूस लिया था।

जनपद पीलीभीत में फिर से वर्षों बाद राज्य तैराकी चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल आने शुरू

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

लखनऊ के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के तरणताल पर आयोजित हुई राज्य जूनियर सब जूनियर तैराकी प्रतियोगिता में अंतिम दिन गांधी स्टेडियम पीलीभीत के तरणताल में केंद्र सरकार की योजना खेलो इंडिया के अन्तर्गत तैराकी कोच दीपक विष्ट के निर्देशन में प्रशिक्षण ले रहे जनपद के उदीयमान 9 वर्षीय तैराक दक्ष पाण्डेय ने 50 मी0 ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पर्धा 44ः06 सेकेंड का समय निकालकर नया कीर्तिमान स्थापित किया।जिला तैराकी संघ पीलीभीत की सचिव भावना मिश्रा ने बताया कि पीलीभीत के उदीयमान तैराक दक्ष पाण्डेय के एक स्वर्ण व 2 कांस्य पदक के अभूतपूर्व प्रदर्शन की बदौलत लगभग 25 वर्षों के बाद स्वर्ण पदक मिला है।दक्ष पाण्डेय और उनके कोच दीपक विष्ट को जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष डा0 उपेंद्र नाथ,जिला तैराकी संघ पीलीभीत के संस्थापक नरेंद्र नाथ शुक्ल,जिला तैराकी संघ के मुख्य संरक्षक डा0 नरेंद्र नाथ मिश्रा, डा0 अलका तोमर,सिद्धार्थ शुक्ला,संजय पांडेय, रतनदीप सिंह,सईद अहमद,आकाश गंगवार,सर्वेंद्र नाथ शुक्ल आदि ने दक्ष पाण्डेय को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

बिजली समस्या से नाराज उपभोक्ताओं ने उपकेंद्र में जड़ा ताला

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

सुईथाकला। बिजली की समस्या से परेशान उपभोक्ताओं का सब्र मंगलवार को टूट गया। नाराज उपभोक्ता बिजली उपकेंद्र सुइथाकलां में ताला जड़कर धरने पर बैठ गए और नारेबाजी की। बाद में उच्चाधिकारियों तथा विधायक रमेश सिंह के समझाने-बुझाने तथा आपूर्ति व्यवस्था में सुधार के वादे पर लोग माने तथा उपकेंद्र का ताला खुला। क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। चार-पांच घंटे भी निर्बाध आपूर्ति होना मुश्किल हो गया है। सोमवार को जब पूरे दिन रात मिलाकर दो घंटे भी बिजली नहीं मिली तो उपभोक्ता उग्र हो गए। मंगलवार सुबह 10 बजे कम्मरपुर निवासी आनंद सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग सुइथाकलां उपकेंद्र पर इकट्ठा हो गए और ताला जड़कर धरने पर बैठ गए। इस बात की सूचना जब उच्चाधिकारियों को हुई तो उनके हाथ-पांव फूल गए और इसकी सूचना थानाध्यक्ष सरपतहां को दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष अरविंद सिंह ने पहले तो लोगों पर दबाव बनाया किंतु जब इसके बाद भी लोग टस से मस नहीं हुए तो उन्होंने इसकी जानकारी अपने उच्चाधिकारियों को दी। उधर किसी स्थानीय व्यक्ति ने इस बात की सूचना विधायक रमेश सिंह को दे दी। जिसके बाद उन्होंने भी फोन पर लोगों से बात की। लोगों की मांग थी कि उन्हें कम से कम रोस्टर के अनुसार बिजली मिले। अधिशासी अभियंता संतोष कुमार मिश्र ने लोगों को आश्वस्त किया कि ओवरलोडिंग की वजह से समस्या आ रही है किंतु जल्द ही इसका समाधान निकाल लिया जाएगा। इस दौरान पीयूष सिंह, सिंपल सिंह, शिवम, तनु, रितेश, सचिन सिंह सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

मिर्जापुर /विंध्याचल। विंध्याचल थाना क्षेत्र के कंतित शरीफ मोहल्ले में रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। मामले में मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने जेठानी की भी हत्या की थी। इसकी पोल न खुले इसलिए विवाहिता की गला कसकर हत्या की गई है। उसके गले पर चोट के निशान हैं। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कह रही है। जौनपुर के जफराबाद थाना क्षेत्र के शेखवाड़ा मोहल्ला निवासी साहिना का विवाह अक्तूबर 2022 में विंध्याचल के कंतित शरीफ मोहल्ला निवासी अकबर के साथ हुआ था।

पुलिस मुठभेड़ में दो गौ तस्कर की टांग पंचर, गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर तहसील क्षेत्र के अरौल थाना पुलिस ने मंगलवार भोर पहर दो गौ तस्करों को मुठभेड़ में टांग पंचर के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पैरों में गोली लगने से दोनों घायल हो गए। दोनो को पूंछताछ के बाद उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। रविवार को अरौल थाना क्षेत्र में मकनपुर के निकट लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे पर आगरा से लखनऊ की तरफ वध लिए गोवंश लादकर ले जा रहा एक ट्रक खराब हो गया था। ट्रक में मौजूद उसके चालक और परिचालक सहित सभी लोग मौके से फरार हो गए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक पर मौजूद सभी 16 गोवंश को काजीगंज हसौली गांव स्थित गौशाला में भिजवाया था और मामले में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। गौ तस्करों को पकड़ने के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गईं। पुलिस टीमें अभी गौ तस्करों के खिलाफ साक्ष्य एकत्रित कर ही रही थीं। इसी बीच मंगलवार भोर पहर सूत्रों के माध्यम से पुलिस को घटना से संबंधित दो आरोपियों के क्षेत्र में होने की सूचना मिली। जिस पर पुलिस ने एसीपी अजय त्रिवेदी के नेतृत्व त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों अपराधियों की घेरेबंदी शुरू की। बकोठी खलवा में दोनो ने अपने को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। बचाव में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में कन्नौज जनपद के तिर्वा थाना क्षेत्र के तसरपुर सरैंया गांव निवासी 23 वर्षीय गुलाब पुत्र भीमा लोहार के बांए पैर और सुल्तानपुर जनपद के कड़ावर थाना क्षेत्र के गोटिया गांव निवासी 52 वर्षीय शहजाद पुत्र महबूब के दाएं पैर में गोली लगने से दोनों घायल हो गए। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दोनों घायल पशु तस्करों को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से तलाशी में दो तमंचा 315 वोर, दो जिंदा कारतूस 315 वोर और दो खोखा 315 वोर बरामद किए। मामले के संबंध में दोनों से पूछताछ के बाद उन्हें उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हैलट अस्पताल कानपुर के लिए रेफर कर दिया। दोनों को पुलिस हिरासत में उपचार के लिए कानपुर भेजा गया जहां से उपचार के बाद दोनों को जेल भेजा जाएगा। अरौल थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार पाल ने बताया घटना के तुरंत बाद से ही उच्च अधिकारियों के निर्देश पर हम सब टीम काम कर रही थी और कामयाबी मिली है। एसीपी अजय त्रिवेदी ने बताया कि टीम का सराहनीय कार्य रहा है।

एसडीएम ने नि:शुल्क पशु टीकाकरण के लिए वाहन को झंडी दिखाकर रवाना किया

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर तहसील क्षेत्र में निःशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य पशु चिकित्साधिकारी व बिल्हौर एसडीएम रश्मि लांबा ने टीकाकरण टीम वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि पशुपालकों के द्वार पर जाकर यह टीकाकरण कार्यक्रम होगा, जो पूर्णतया निःशुल्क रहेगा, इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 34 तथा नगरीय क्षेत्रों में 03 कुल 37 टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक विकास खण्डों के पशु चिकित्साधिकारी इसके नोडल अधिकारी हैं। तथा जनपद स्तर पर टीकाकरण की सूचना प्राप्त करने के लिए डॉ0 विपिन को अधिकृत किया गया है। तहसील बिल्हौर की टीकाकरण टीमों को आज उप जिलाधिकारी, बिल्हौर रश्मि लाम्बा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह टीकाकरण 4 माह से कम आयु वर्ग के पशुओं को नहीं लगाया जायेगा। जो मादा पशु 08 माह या इससे अधिक के गर्भित है, उन्हें भी यह टीकाकरण नहीं लगाया जायेगा। इनका टीकाकरण अगले पंचम चक्र में होगा। मुख्य विकास अधिकारी ने यह निर्देशित किया है कि टीकाकरण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से किया जाये, जिससे प्रत्येक पशुपालक लाभान्वित हो सके। बाढ़ की सम्भावना वाले ग्रामों में टीकाकरण कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश जिलाधिकारी राकेश कुमार के द्वारा दिया गया है।

देर से कार्यालय पहुंचे 15 कर्मचारी, डीएम ने रोका वेतन

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। सरकारी कार्यालय में कर्मचारियों के आवागमन में बदलाव नहीं हो रहा है। वह अपनी मनमर्जी से कार्यालय पहुंच रहे हैं। सोमवार को डीएम गौरांग राठी ने तय समय बाद अपने कार्यालय के दो कर्मियों को संबंधित विभागों में भेजा। जहां कर्मियों ने संबंधित कार्यालय के उपस्थित रजिस्टर लेकर डीएम के सामने रखे।

बिल्हौर तहसील के पूरा कस्बे में जीटी रोड के किनारे हो रहा अवैध निर्माण

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर तहसील क्षेत्र में इन दिनों अवैध कब्जे बेधड़क हो रहे हैं जबकि वहीं से गुजरने वाले राजस्व अधिकारी इस ओर ध्यान दे रहे हैं वहीं पर पूरा कस्बे में राजस्व कर्मचारी सुबह शाम निर्माण करने वाले लोगों से हेलो हाय करते नजर आते हैं आखिरकार तहसील मुख्यालय से 10 किलोमीटर की दूरी पर हो रहे हैं रात दिन कब्जे में अधिकारी अनजान है लेकिन जिनके कंधों पर अधिकारी बैठकर शासन करते हैं वह कर्मचारी ही उन लोगों से मिलकर कब्जे करवाया है उन्हें अपने सुविधा शुल्क से मतलब है सरकार की जमीन हो या ग्राम सभा

राजस्व कर्मी प्रतिदिन देखरेख करने में लगे

की जमीन हो या लोग निर्माण विभाग की जमीन हो या सिंचाई विभाग की जमीन है उनको किसी से कोई लेना-देना नहीं उनको अपनी जेब में प्रतिमा तनख्वाह के अलावा कितना जा रहा है उससे उन्हें मतलब है उसी में रात दिन मेहनत करके काम करवा रहे हैं जब तक तहसील में बैठे अधिकारियों की कानों में सूचना पहुंचती है तब तक वहां पर लेंटर पड़ जाते हैं बिल्हौर तहसील के राजस्व कर्मचारी अपनी भूमि नहीं मानते हैं

बता देते हैं कि यह लोक निर्माण विभाग की है जबकि लोक निर्माण विभाग का कहना है की जमीन के मालिक तहसील है वहां से हमको सूचना मिलेगी तो मौके पर पहुंच कर जांच करेंगे जाकर तहसील के कर्मचारी मालामाल हो रहे हैं। आखिरकार इस पर कौन अधिकारी जाकर रोक लगाएगा।

दुष्कर्म पीड़ित किशोरी का फंदे से लटका मिला शव

आरोपियों को पुलिस ने बचाया और कोई कार्रवाई नहीं की

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

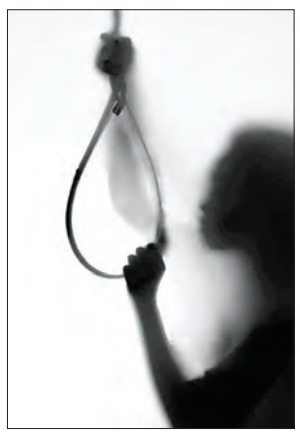

प्रभारी निरीक्षक शिवप्रकाश पांडेय ने बताया कि घटना की जांच की जा रही थी। सीओ ऋषिकांत शुक्ला ने बताया कि आत्महत्या की घटना की जानकारी हुई है। सभी बिंदुओं पर जांच कर रहे हैं। अपहरण की घटना में पीड़िता के क्या बयान दर्ज हुए थे, उन्हें भी देखा जाएगा।

उन्नाव जिले के पाटन कस्बे में दुष्कर्म पीड़ित किशोरी का शव घर में फंदे लटका मिला। मां का आरोप है कि पुलिस से न्याय न मिलने और आरोपियों की धमकियों से क्षुब्ध होकर बेटी ने खुदकुशी की है। पुलिस कार्यशैली को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। सीओ ने बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच हो रही है।

बिहार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 16 साल की किशोरी की मां का आरोप है कि 27 जून को आरोपी विनीत कुमार व लवकुश बेटी को बहला-फुसलाकर बाइक से ले गए थे। दो दिन तक किसी गांव में रखने के बाद उसे एक्सप्रेसवे के पास छोड़ दिया था। मां के मुताबिक, उसने पुलिस को बताया था कि बेटी को नशीला पदार्थ खिलाकर कई दिनों तक दुष्कर्म किया गया।

इससे पहले भी आरोपियों ने कई बार ऐसी हरकतें की थीं। बताया कि 29 जून को बिहार थाने में तहरीर दी थी। इसके बाद भी पुलिस ने दोनों आरोपियों पर केवल अपहरण की ही रिपोर्ट दर्ज की।

आरोप है कि दुष्कर्म करने वालों को पुलिस ने बचाया और कोई कार्रवाई नहीं की।

आरोपी पक्ष से धमकियां मिलने से परेशान थी बेटी

करीब एक सप्ताह पहले भी उसने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर बताया था कि रिपोर्ट वापस लेने का दबाव बनाने के लिए आरोपी पक्ष से लगातार धमकी दी रही हैं। शिकायत के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया और कई दिन थाने में रखने के बाद छोड़ दिया था। मृतका की मां का आरोप कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न होने और आरोपी पक्ष से धमकियां मिलने से परेशान होकर बेटी ने आत्महत्या की है।

थाना पुलिस ने लापरवाही की है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रभारी निरीक्षक शिवप्रकाश पांडेय ने बताया कि घटना की जांच की जा रही थी। सीओ ऋषिकांत शुक्ला ने बताया कि आत्महत्या की घटना की जानकारी हुई है। सभी बिंदुओं पर जांच कर रहे हैं। अपहरण की घटना में पीड़िता के क्या बयान दर्ज हुए थे, उन्हें भी देखा जाएगा। थाना पुलिस ने लापरवाही की है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुकानदार की हत्या में मां, बेटा-बेटी सहित नौ पर दर्ज हुई रिपोर्ट

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

दुकानदार की हत्या की घटना में मृतक के बड़े भाई की तहरीर पर पुलिस ने मां, बेटा-बेटी सहित चार ज्ञात और पांच अज्ञात पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने महिला, उसकी बेटी और बेटे को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी फरार है।

सिविल लाइन दरोगा बाग निवासी देवेंद्र सिंह (50) की शनिवार रात हत्या कर दी गई थी। हत्या करने के बाद आरोपी जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में डालकर वहां से भाग निकले थे। बाद में मृतक के परिजनों को उन्होंने ही सूचना दी थी। मृतक के बड़े भाई शैलेंद्र सिंह ने आवास विकास निवासी देवेंद्र के दोस्त राजन श्रीवास्तव, निराला उद्यान सिविल लाइन निवासी राजन की बहन, उसके भांजे अभिषेक और भांजी श्रेया पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी।

रात में ही कोतवाल ने फोरेंसिक टीम के साथ जांच की थी। उसमें हत्या करने के साक्ष्य मिले हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने राजन उसकी बहन भांजे और भांजी के साथ 4 से 5 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाल प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि महिला उसके बेटे अभिषेक और बेटी श्रेया को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी फरार है। अज्ञात कौन थे उनकी शिनाख्त का प्रयास चल रहा है।

डूबे रास्ते, पानी से होकर स्कूल जा रहे बच्चे-शिक्षक

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। फतेहपुर चौरासी। गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ने से चिरंजूपुरवा, कुशेहर बंगला व कबूलपुर सहरिया बंगला डामरीकृत संपर्क मार्ग पर पानी बहने लगा है। ग्रामीणों को आने जाने में परेशानी हो रही है। फसलों के डूब जाने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। गंगा के तटवर्ती गांवों में बाढ़ का खतरा मड़राने लगा है। सहरिया गांव में प्राथमिक विद्यालय होने से बच्चों व शिक्षकों को भी पानी से होकर निकलना पड़ सकता है। प्रधान रोशन, पूर्व प्रधान कैलाश व अर्जुन आदि ने बताया कि पानी बढ़ने से गांव चिरंजीपुरवा के किसान महेश की भिंडी, कन्हैया की मूंगफली, सेवा की तरोई आदि सब्जी की फसल व वासुदेव की लोबिया डूब गई है।

फास्ट फॉरवर्ड

बस के लगेज बॉक्स का ताला तोड़ निकाली गई बाइक

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। बेहटामुजावर। 10 जुलाई को दुर्घटनाग्रस्त हुई बस में यात्रियों के साथ ही अवैध तरीके से माल भी ढोया जा रहा था। इस बस के लगेज बॉक्स में एक यात्री की बुलेट बाइक रखी मिली है। बाइक के टैंक में तीन से चार लीटर पेट्रोल मिला है। हादसे में मृत यात्री के भाई की सूचना पर सोमवार को पुलिस ने लगेज बॉक्स का ताला तोड़ कर बाइक को निकाला। 10 जुलाई को एक्सप्रेसवे पर बेहटामुजावर थानाक्षेत्र में स्लीपर बस और टैंकर में टक्कर से दोनों वाहनों के चालक सहित 18 लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में बिहार प्रांत के शिवहर जिले के लालगढ़ मकसूदपुर कररिया निवासी शिवदायल पंडित (28) भी शामिल था। मृतक के छोटे भाई रवि पंडित ने बताया कि चार जुलाई को शिवदयाल आए थे। 10 जुलाई को नोयडा लौटते समय उन्होंने ट्रैवल एजेंसी में बात की तो बस में ही बाइक को भी 2000 रुपये में पहुंचाना तय हुआ था। भाई ने बताया कि शिवदयाल का मृत्यु प्रमाणपत्र और बाइक लेने के लिए वह बिहार से उन्नाव आ रहा है।

उन्नाव जैसे हादसों को रोकने के लिए प्रदेश में चल रहा चेकिंग अभियान : राज्यमंत्री

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। पुरवा। एक्सप्रेसवे हादसे को लेकर परिवहन राज्यमंत्री ने दुख जताया। कहा कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए डग्गामार बसों पर अंकुश लगाया जाएगा। प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। तीन बार चालान के बाद पंजीकरण निलंबित कर दिया जाएगा। हिलौली ब्लाक में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में पहुंचे प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में बस के मालिक और संचालक पर एफआईआर दर्ज है। ऐसे हादसे फिर न हों इसके लिए पूरे प्रदेश में डग्गामार बसों की जांच कराई जा रही है। बताया कि बिना फिटनेस में तीन बार चालान के बाद वाहन का पंजीकरण निलंबित किया जाएगा। इससे पहले उन्होंने पुरवा विधायक अनिल सिंह की मांग पर राज्यमंत्री ने लउवा हिलौली से अयोध्या तक सप्ताह में एक बस चलाने की घोषणा की। उन्होंने मौरावां और पुरवा में बस स्टेशन को उच्चीकृत कराने का भी वादा करते हुए सीडीओ को जमीन तलाशने का निर्देश दिया। मौरावां से लखनऊ तक इलेक्ट्रानिक बसों के संचालन पर उन्होंने विचार करने का आश्वासन दिया।

कल्याणी नदी का भी जलस्तर बढ़ा, एसडीएम ने किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। सफीपुर। क्षेत्र के गांव अल्लीपुर, शेरपुर, रामपुर, जमालनगर, हमजापुर, नीबीगाड़ा, उडंक पुरवा आदि के नजदीक से गुजरी गंगा व कल्याणी नदी के बढ़े पानी से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। सोमवार को मौके पर पहुंचे एसडीएम नवीन चंद्र ने गांवों में जाकर ग्रामीणों से सतर्कता पर बातचीत करने के बाद जमालनगर-दबौली व सनहा-गहोली मार्ग पर पानी कटान के स्थान देखे। उडंक पुरवा निवासी शिवशंकर शर्मा ने बताया कि गंगा व कल्याणी नदी में पानी बढ़ने से जल्द इसके सड़क व खेतों तक पहुंच जाने की संभावना बढ़ गई है। आवागमन बनाए रखने वाली प्राइवेट नाव के मालिकों से बात कर ली गई है। वहीं, लेखपालों की टीम बनाकर गांव वालों के संपर्क में रहकर पैनी निगाह रखने के निर्देश दिए गए हैं। (संवाद)

जलस्तर बढ़ने से कटान में आई तेजी

जन एक्सप्रेस । उन्नाव। बांगरमऊ। क्षेत्र के गंगा किनारे बसे धन्नापुरवा, खारपुरवा, मल्लाहनपुरवा, नयापुरवा व कटरी गदनपुर आहार गांव के किनारे गंगा का जलस्तर कगार छूने के करीब है। कटरी गदनपुर आहार में गंगा में कटान शुरू हो गई है। एडीएम नरेंद्र सिंह ने निरीक्षण कर तहसीलदार व सिंचाई विभाग के अधिकारियों को कटान रोकने के निर्देश दिए हैं। (संवाद)

चौकी प्रभारी पर लूट के दो आरोपियों छोड़ने के आरोप

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

पाटन। लूट जैसी गंभीर घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज करने में आनाकानी करने वाली बिहार थाना पुलिस ने शुक्रवार को व्यापारी से लूट के दो आरोपियों को पकड़ा और फिर चौकी से ही छोड़ दिया। पुलिस ने घटना की न तो रिपोर्ट दर्ज की और न ही आरोपियों की गिरफ्तारी ही दिखाई।

बिहार थाना क्षेत्र के ग्राम बाबूखेड़ा दीक्षितन वाला निवासी किराना व्यापारी संजू बाजपेई की तहरीर के आधार पर गुरुवार को भगवंतनगर चौकी प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने दो लुटेरों को हिरासत में लेने का दावा किया था। तहरीर के मुताबिक, आठ जुलाई को संजू अपनी पिकअप गाड़ी से पिता उदय शंकर के साथ जा रहा था। बिहार-बक्सर मार्ग पर ईंट भट्ठा के पास बाइक सवार तीन लोगों ने गाड़ी के आगे बाइक लगाकर रोक लिया। तीन लुटेरों ने तमंचे के बल पर संजू से 70 हजार रुपये लूट कर भाग गए। तहरीर में पीड़ित ने केसरी खेड़ा निवासी एक लुटेरे को पहचान लेने की बात लिखी है, लेकिन तहरीर को भगवंतनगर चौकी प्रभारी ने अपने पास रख लिया।

घटना के चौथे दिन नामजद आरोपी व उसके साथी को पकड़ा। चौकी प्रभारी ने तीसरे लुटेरे की गिरफ्तारी का प्रयास करने की बात कही थी। हिरासत में लेने के चौथे दिन सोमवार को जब बिहार थाना प्रभारी शिवप्रकाश पांडेय से लुटेरों को जेल भेजने और बरामदगी के संबंध में जानकारी ली गई तो उन्होंने ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने से ही इन्कार कर दिया।

उन्होंने किसी की गिरफ्तारी को भी खारिज कर दिया।

पुलिस चौकी के सूत्रों के अनुसार, चौकी प्रभारी ने पूरे मामले को अपने स्तर से ही रफा-दफा कर दिया। पीड़ित को उसकी रकम वापस दिलाने और लुटेरों को छोड़ने के बदले मोटी रकम लेने के आरोप भी लग रहे हैं। चौकी प्रभारी से इस संबंध में बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने व्यस्त होने की बात कहकर फोन काट दिया।

मथुरा के बल्देव ने हासिल की 48वीं रैंक, लोगों ने दी बधाई

जन एक्सप्रेस । मथुरा। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंगलवार को सहायक भविष्य निधि आयुक्त (एपीएफ कमिश्नर) का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। यह विभाग श्रम और रोजगार मंत्रालय के तहत आता है। इसमें सफल अभ्यर्थियों को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में तैनाती मिलेगी। इसमें मथुरा के नंदगांव निवासी बल्देव कुमार ने सफलता हासिल की है। एपीएफसी (असिसटेंट प्रोविडेंट फंड कमिश्नर) की परीक्षा में ऑल इंडिया में 48वीं रैंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार व क्षेत्र के लोगों में हर्ष है। परिणाम आने के बाद लोगों ने उन्हें बधाई दी। जाटव मोहल्ला निवासी मोतीराम के छोटे बेटे बल्देव ने दूसरे प्रयास में यह सफलता हासिल की है। उन्होंने दिल्ली के मुखर्जी नगर में रहकर यूपीएससी की तैयारी की। उनकी शिक्षा की बात करें तो पालीवाल स्कूल कोसीकलां से हाईस्कूल, और कामां राजस्थान के राजकीय इंटर कालेज इंटर मीडिएट की। इसके बाद बीकॉम की पढ़ाई डीएवी कॉलेज, फरीदाबाद से की। उनके भाई मनोज कर्दम ने बताया कि बल्देव अभी तैयारी कर रहे हैं। उनका लक्ष्य यूपीएससी परीक्षा में अच्छी रैंक लाकर आईएएस, आईपीएस बनना है।

बाढ़ का खतरा बढ़ा, गंगा चेतावनी बिंदु के नजदीक

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

पिछले कई दिनों से गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे कटरी क्षेत्र के गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। सोमवार शाम को जलस्तर चेतावनी बिंदु से मात्र आठ सेमी दूर रह गया। परियर के पनपथा गांव में पानी पहुंच जाने से वहां की बिजली काट दी गई है। फसलें व रास्ते पानी में डूब गए हैं। ग्रामीण टोली बनाकर निगरानी कर रहे हैं। गंगा का जलस्तर आज चेतावनी बिंदु 112 मीटर को छू सकता है। गंगा के जलस्तर में प्रति घंटा 0.20 सेमी की बढ़ोतरी होने से जिले में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। सोमवार शाम छह बजे जलस्तर 111.920 मीटर पर पहुंच गया जो चेतावनी बिंदु से मात्र आठ सेमी ही दूर है। जिस तेजी के साथ जलस्तर बढ़ रहा है उससे तो जलस्तर मंगलवार सुबह तक चेतावनी बिंदु 112 मीटर को पार कर जाएगा। आने वाले एकाध दिन में खतरे के निशान (113 मीटर) पार करने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने नावों व गोताखोरों की व्यवस्था कर ली है। परियर संवाद सहयोगी के मुताबिक, सदर तहसील क्षेत्र के बाढ़ की चपेट में आने वाले गांव देवीपुरवा, पनपथा, लालतूपुरवा, मानाबंगला, चंडीबंगला, टपरा व कोलवा सहित कई गांव के घरों के बाहर तक पहुंच गया है। लगातार तेजी से बढ़ते जलस्तर से लोग चिंतित हैं। ग्रामीण अपना समान बांध कर सुरक्षित स्थानों पर जाने की सोचने लगे हैं। कटरी में बोई गई लौकी, तरोई, कद्दू, धान व भिंडी सहित अन्य फसलें जलमग्न हो गई हैं। पनपथा गांव में पानी भरने के वजह से बिजली विभाग ने बिजली सप्लाई काट दी गई है। वहीं क्षेत्र में न बाढ़ चौकी स्थापित हुई है और न ही अभी तक नाविक गोताखोरों की तैनाती की गई है।

कल शहर के अंदर नहीं आ सकेंगे बड़े वाहन

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

मोहर्रम के जुलूस को देखते हुए बुधवार को शहर के अंदर वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। शहर के मार्गों पर बैरिकेडिंग रहेगी और पुलिस बल तैनात रहेगा। बुधवार सुबह छह बजे से मोहर्रम जुलूस समाप्त होने तक यह व्यवस्था लागू रहेगी।

यातायात प्रभारी भवन सिंह मौर्य ने बताया कि बुधवार को शहर में मोहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा। इसलिए शहर में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा और रूट डायवर्जन लागू होगा। गांधीनगर तिराहा से आने वाले ई-रिक्शा, ऑटो व चार पहिया वाहन शहर के अंदर नहीं जा सकेंगे। उन्हें गदनखेड़ा बाईपास भेजा जाएगा। हरदोई ओवरब्रिज से आईबीपी चौराहा की ओर आने वाले वाहनों को प्रकाश गेस्ट हाउस डायवर्ट किया जाएगा।

पुलिस ऑफिस तिराहा से बड़ा चौराहा वाहन नहीं जा सकेंगे। इन वाहनों को प्रकाश गेस्ट हाउस हरदोई ओवरब्रिज होते हुए लखनऊ बाईपास भेजा जाएगा।

अवैध पार्किंग से सदर बाजार में तीन घंटे जाम

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

शहर के अति व्यस्ततम सदर बाजार में सड़क तक वाहनों की पार्किंग और ट्रक खड़े होने से सोमवार को तीन घंटे तक जाम लगा रहा। दोपहर तीन बजे ट्रक हटे तब यातायात पूरी तरह सामान्य हुआ।

सदर बाजार में स्टेट बैंक के सामने सड़क तक वाहनों की पार्किंग रहती है। इससे सामान्य दिनों में भी यहां जाम जैसी स्थिति बनी रहती है। सोमवार को बैंक के करेंसी चेस्ट में रखने के लिए दो ट्रकों से करेंसी आई थी। दोपहर करीब 12 बजे यातायात अत्यधिक व्यस्त रहने के दौरान एक ट्रक से करेंसी के बक्से उतारने के लिए एक ट्रक को बैंक के बाहर खड़ा कराया गया। सुरक्षा के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा।

इस दौरान रास्ता सकरा हो जाने से यातायात बाधित हो गया। एक के बाद एक-एक दोनों ट्रकों से करेंसी बॉक्स उतारने के दौरान दोपहर 12 से तीन बजे तक बड़ा चौराहा से अब्बास बाग तक यातायात रेंगता रहा। जाम लगने की सूचना पर करीब दो बजे यातायात पुलिस पहुंची और सड़क घेर कर आड़े तिरछे खड़े वाहनों को हटवाकर यातायात का संचालन किया।

यातायात प्रभारी भवन सिंह मौर्य ने बताया कि पहले से सूचना न देने की वजह से समस्या हुई। जैसे ही पता चला यातायात पुलिस कर्मियों को लगाकर यातायात का संचालन कराया गया।

दुकानदारों को चेतावनी देकर वाहनों को व्यवस्थित तरीके से खड़े कराने के लिए कहा गया है। सुधार न होने पर गलत तरीके से खड़े मिलने पर चालान किया जाएगा।

मथुरा टंकी हादसे के पीड़ितों से मिलीं सांसद हेमा मालिनी

जन एक्सप्रेस । मथुरा

मथुरा की कृष्ण विहार कॉलोनी में हुए टंकी हादसे के बाद सांसद हेमा मालिनी मंगलवार को पीड़ितों से मिलने पहुंची। सांसद ने लोगों को आश्वासन दिया कि जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिस ठेकेदार ने टंकी का निर्माण किया था, उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़ितों को आर्थिक सहायता राशि दी जाएगी।

सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि एक गिरफ्तारी हो चुकी है। दो अन्य को भी जल्दी पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज देगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हादसे में जिन-जिन मकानों का नुकसान हुआ है। उनके स्वामियों को प्रशासन की ओर से आर्थिक सहायता दी जाएगी। हादसे में मृत दो महिलाओं के परिजनों को आर्थिक सहायता राशि जारी भी कर दी गई है।

सांसद हेमा मालिनी से इलाके के लोगों ने कहा कि 30 जून को यह घटना हुई थी। 15 दिन हादसे को बीत चुके हैं।

अभी तक इलाके में जनजीवन सामान्य नहीं हो सका है। पेयजल की किल्लत है। पीएनजी और विद्युत व्यवस्था भी पूरी तरह दुरुस्त नहीं हो सकी हैं। इस पर सांसद ने जल्द व्यवस्था दुरुस्त करने का आश्वासन दिया।

कांग्रेस बीसी आरक्षण छीन मुसलमानों को देगी: शाह

बोले, हुड्डा को चैलेंज, पाई-पाई का हिसाब लाया हूं, आंकड़ों के साथ मैदान में आओ

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। महेंद्रगढ़

हरियाणा के महेंद्रगढ़ में पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में पहुंचे अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में पिछड़ा वर्ग का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है। कांग्रेस की सरकार बन गई तो वह हरियाणा में भी यही करेंगे। शुरूआत में शाह ने हरियाणा के जवान, किसान और खिलाड़ियों की तारीफ की। शाह ने कहा कि हरियाणा से सबसे ज्यादा जवान सेना में भेजे जाते हैं। सबसे ज्यादा मेडल यहीं के धाकड़ लाते हैं। देश का अन्न भंडार भरने वाला हरियाणा का किसान है। शाह ने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा को चैलेंज देते हुए कहा कि आजकल कांग्रेस वाले हिसाब मांग रहे हैं। मैं बनिया का बेटा हूं। पाई-पाई का हिसाब लाया हूं। वे आंकड़ों के साथ मैदान में आएं। हमारे कार्यकर्ता राज्य ही हर पंचायत में जाकर सरकार का हिसाब देंगे। कांग्रेस को भी अपने कुशासन और विकास न करने का हिसाब देना होगा। शाह ने कहा कि हमने यहां बीसी के बेटे को मुख्यमंत्री बनाया है। जो अब भी कॉमन मैन बनकर ही काम कर रहे हैं। अमित शाह ने नायब सैनी को लेकर कहा- ये सीएम बनने के बाद भी कॉमन मैन है। इनका दरवाजा 24 घंटा 365 दिन आपके लिए खुला रहेगा। मोदी जी देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री बने है। मोदी जी के दिल में हरियाणा देश में सबसे ऊपर है। मेरी बात याद रखना। यहां पर मोदी ने संगठन का काम किया। हर तहसील और पंचायत और कार्यकर्ता को नाम से जानते है। बीसी समाज को आज तीन बड़ी रियायतें दी है। एक घंटे में ही इसका नोटिफिकेशन हो जाएगा। नायब सैनी अभी नोटिफिकेशन लेकर ही आएं है। अगले चुनाव में बीजेपी और मोदी जी के लिए आशीर्वाद दीजिए।

2024 में भी भाजपा को आशीर्वाद मिलने का विश्वास

अमित शाह ने स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम को प्रणाम किया। उन्होंने कहा- 2014 और 2019 में दोनों बार कमल का आर्शीवाद दिया और 2024 में भी दिया और अब विधानसभा चुनाव में भी आशीर्वाद दोगे ये मुझे विश्वास है। बीसी ओबीसी ने हमेशा बीजेपी का साथ दिया। बीजेपी का कर्तव्य बनता हैं कि हम उससे ज्यादा करते आपके पास आए हैं। नायब सैनी ने तीन निर्णय लिए हैं। क्रीमीलेयर की सीमा 6 से बढ़ा 8 लाख किया है। 8 लाख में वेतन भी नहीं गिना जाएगा और कृषि भी नहीं गिनी जाएगी। पंचायतों में रिजर्वेशन बदलने का फैसला किया है। पंचायत में 8 प्रतिशत रिजर्वेशन 8 ग्रुप ए के लिए थी अब ग्रुप डी के लिए 5 प्रतिशत शुरू हो जाएगा।

सबसे ज्यादा जवान हरियाणा से: शाह

अमित शाह ने कहा, हरियाणा के मेरे प्यारे ओबीसी भाईयों-बहनों आज में हरियाणा में आया हूं। हरियाणा की भूमि तीन चीजों के लिए देश याद करता हैं। आज जिस भूमि पर हूं इस भूमि की माताओं ने सबसे ज्यादा अनुपात में सेना में जवान भेजने का काम हरियाणा की माताओं ने किया है। खेल के मैदान में जब देश तालिका देखता है, तो मेडल तो भारत का नाम आता है, लेकिन उसके नीचे आते हैं तो 10 में से 7 मेडल यहां का धाकड़ लेकर आता है। तीसरी जब देश का भंडार भरने वाला हरियाणा का किसान था, लेकिन हम हरियाणा में हम नहीं होने देंगे। बीसी समाज की रक्षा करेंगे।

हुड्डा आंकड़ों के साथ मैदान में आएं

मैं बीजेपी के कार्यकर्ताओं से कहकर जाता हूं। हरियाणा के चुनाव में तीसरी बार बीजेपी की सरकार पूर्ण बहुमत से सरकार बनने जा रही है। हुड?डा साहब मैदान में आए और आंकड़ों के साथ आए। कांग्रेस से हिसाब हरियाणा की जनता मांगेगी।

शाह बोले, हमारे कार्यकर्ता पंचायतों में जाकर हिसाब देंगे

आज यहां से मंच से बीजेपी के एक-एक कार्यकर्ता को आह्वान करना चाहता हूं। बीजेपी के पास हर गांव का हिसाब है। ब्राह्मण माजरा पंचायत में 20 करोड़ खर्च किया। कलिंदा में 18 करोड़, तिगांव में 85 करोड़, कोरियावास में 517 करोड़, आसनकला में 24 करोड़, खारिया में 22 करोड़ रुपए खर्च किया। मेरे पास हुड्डा साहब आने-आने हिसाब है। हमारे कार्यकर्ता 6225 पंचायतों में जाएंगे हिसाब देंगे। हुड्डा साहब हिसाब आपको देना 10 साल के कुशासन और 10 साल विकास से महरूम रखने का।

हुड्डा को बोले, पाई-पाई का हिसाब लेकर आया हूं

कांग्रेस ने विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। बीजेपी सरकार ने गरीब को घर, गैस, बिजली, शौचालय, पांच लाख तक का मुफ्त इलाज, हर गरीब को 5 किलो मुफ्त अनाज देने का काम बीजेपी सरकार ने किया है। हुड?डा साहब ने कल एक घोषणा की है कि कांग्रेसी हिसाब मांगेगे। हुड?डा साहब-मैं तो हिसाब लेकर आया हूं और यहां से चुनौती देता हूं। हमारे 10 साल और आपके 10 साल का हिसाब लेकर जनता के बीच जाएई। हुड?डा साहब सुन लेना मैं बनिया का बेटा हूं पाई-पाई का हिसाब लेकर आया हूं। आपने 10 साल तक ऊपर से नीचे तक सिर्फ 41 हजार करोड़ रुपए हरियाणा को दिया। नरेंद्र मोदी और मनोहर लाल की सरकार 10 साल चली 2 सौ 69 लाख करोड़ रुपए देने का काम किया है। आपसे 6 गुना ज्यादा पैसा हरियाणा को देने को काम किया है। आप हिसाब लेकर आए हमारे मुख्यमंत्री को आने की जरूरत नहीं है। हमारा युवा मोर्चा का प्रदेशाध्यक्ष दो-दो हाथ करने को तैयार है।

लाल डोरे का मालिकाना हक देने वाला हरियाणा पहला राज्य

गांवों में लाल डोरे के भीतर मालिकाना हक देने वाला पहला राज्य हरियाणा बना। पढ़ी-लिखी पंचायतें देने वाला हरियाणा बना। पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण देने वाला पहला राज्य हरियाणा बना। पानी के नल कनेक्शन देने वाला पहला राज्य हरियाणा बना।

कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार, गुंडाराज बढ़ जाता है

कांग्रेस की सरकार बनती थी तो एक सरकार आती थी तो भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच जाता था। एक सरकार आती थी तो गुंडाराज बढ़ता था। एक सरकार आती थी तो एक जिले का काम करती थी। लेकिन बीजेपी ने पूरे प्रदेश का एक समान विकास किया।

गरीब के बेटे को हरियाणा सीएम बनाया: शाह

अमित शाह ने कहा- हरियाणा में भी पिछड़े वर्ग के कल्याण की कई योजनाएं लागू हुई है। हमने हरियाणा में एक बीसी के बेटे और गरीब के बेटे को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया है। अब इनके नेतृत्व में हरियाणा आगे बढ़ेगा। कांग्रेस ने जातिवाद और भ्रष्टाचार के सिवाए कुछ नहीं दिया।

हुड्डा चुनाव आने पर बीसी की बात करते हैं

हुड्डा साहब-चुनाव आता है तो बीसी-बीसी की बात करते हो। कांग्रेस हमेशा ओबीसी पिछड़े की विरोधी रही। 1957 में कमिशन बना, लेकिन कांग्रेस ने लागू नहीं किया। 1980 में इंदिरा गांधी ने मंडल कमिशन को ठंडे बस्ते में डाला। 90 में राजीव गांधी ने 2 घंटे का संबोधन करते विरोध किया। बीजेपी ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक अधिकार देने का काम किया। 16 और जातियों को आरक्षित करने का काम किया।

बीजेपी ने देश को पहला बीसी प्रधानमंत्री दिया

भाई-बहनों ये तीनों निर्णय है, वो प्रधानमंत्री की नीति को लागू करने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने 2014 में सांसद के नाते पदफेर रखा। पूरे देश के सामने कहा मेरी ये सरकार गरीब-दलितों और पिछड़ों की सरकार है। देश को पहला बीसी प्रधानमंत्री देने का काम बीजेपी ने किया। 71 में से 27 मंत्री पिछड़े वर्ग से बनाकर ओबीसी का सम्मान किया है।

स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदे जाएंगे 346 रक्षा उत्पाद, हजार करोड़ से ज्यादा का होगा फायदा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भरता की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और रक्षा उत्पादों को आयात को कम करने के लिए रक्षा उत्पादन विभाग ने 346 वस्तुओं की पांचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (पीआईएल) जारी की है। इस सूची में रणनीतिक रूप से अहम लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट, सिस्टम, सब-सिस्टम, असेंबली, सब-असेंबली और रक्षा उत्पादों के लिए कच्चा माल शामिल है। इसके बाद सरकारी रक्षा कंपनियां इन उत्पादों का आयात नहीं कर सकेंगी।

भारतीय रक्षा उद्योग को होगा बड़ा फायदा

रक्षा मंत्रालय ने साल 2020 में सृजन डिफेंस पोर्टल लॉन्च किया था। इस पोर्टल पर रक्षा उत्पादन विभाग और सेवा मुख्यालय, एमएसएमई कंपनियों और विभिन्न स्टार्ट-अप सहित उद्योगों को स्वदेशीकरण के लिए रक्षा वस्तुएं प्रदान करते हैं। स्वदेशीकरण की जो नई सूची तैयार की गई है, उनकी एक समयसीमा के बाद भारतीय उद्योगों से खरीद की जाएंगी। इससे आयात के 1,048 करोड़ रुपये बचेंगे। साथ ही इससे अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी और रक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। इसके अलावा इस कदम से अकादमिक और अनुसंधान संस्थानों की भागीदारी के चलते घरेलू रक्षा उद्योग की डिजाइन क्षमता भी बढ़ेगी।

भारतीय कंपनियों द्वारा तैयार किए जाएंगे रक्षा उत्पाद

जिन वस्तुओं की सूची जारी की गई है, उन्हें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, बीईएमएल लिमिटेड, इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड, हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड जैसी कंपनियों द्वारा तैयार किया जाएगा।

भारतीय कंपनियों को मिले सात हजार करोड़ रुपये से ऑर्डर

इससे पहले, सरकार के रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा तैयार की गईं ये पांच सूचियां सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) द्वारा अधिसूचित 509 वस्तुओं की पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों के अतिरिक्त हैं। इन सूचियों में अत्यधिक जटिल प्रणालियां, सेंसर, हथियार और गोला-बारूद शामिल हैं। जून 2024 तक, डीपीएसयू और एसएचक्यू द्वारा स्वदेशीकरण के लिए रक्षा उद्योग को 36,000 से अधिक रक्षा वस्तुओं की पेशकश की गई थी। उनमें से, पिछले तीन वर्षों में 12,300 से अधिक वस्तुओं का स्वदेशीकरण किया गया है। इसके चलते घरेलू रक्षा कंपनियों को 7,572 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं।

चारधाम बचाओ धामी हटाओ को लेकर नारेबाजी, तीर्थ पुरोहितों ने किया प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। देहरादून

बडकोट में चारधाम बचाओ धामी हटाओ को लेकर यमुना के मायके खरशालीगांव स्थित यमुना मंदिर परिसर में पुरोहित महासभा अध्यक्ष पुरुषोत्तम उनियाल के नेतृत्व में नारेबाजी की गई। वहीं, बदरीनाथ धाम में भी ब्रह्म कपाल के तीर्थ पुरोहित और पंडा समाज के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। बता दें कि, दिल्ली में केदारनाथ धाम के प्रतीकात्मक निर्माण के विरोध में केदारनाथ में तीर्थपुरोहित, हक-हकूकधारी और अन्य लोगों का आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारी नारेबाजी के साथ-साथ जुलूस निकालकर धरना दे रहे है। तीर्थपुरोहितों ने दिल्ली में केदारनाथ धाम नाम से मंदिर का निर्माण बंद होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी भी दी है। वहीं, सोमवार को भी तीर्थपुरोहित व अन्य लोग केदारनाथ मंदिर परिसर में एकत्रित हुए।

22 जुलाई को तिरंगा दिवस पर राष्ट्रीय छुट्टी घोषित करने की मांग

- भाजपा नेता अर्जुन गुप्ता ने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को लिखा पत्र
- सभी मंत्रालयों के विभागों द्वारा बडे उल्हास के साथ मनाने के लिये निवेदन किया

जन एक्सप्रेस। अंकित मिश्रा

मुंबई। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र उपाध्यक्ष एवं फिल्म सेंसर बोर्ड सदस्य अर्जुन गुप्ता ने राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को रजिस्ट्री पत्र भेजकर तिरंगा राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस के पर्व पर राष्ट्रीय छुट्टी की घोषणा कर स्कूल-विद्यालय, सामाजिक संस्थान व सभी मंत्रालयों के विभागों द्वारा बडे उल्हास के साथ मनाने के लिये निवेदन किया है। त्याग, बलिदान, शांति और एकता के प्रतिक देश के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा 22 जुलाई 1947 को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकार किया गया था। महाराष्ट्र भाजपा नेता अर्जुन गुप्ता ने बताया की राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमें सदैव देश के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना को जागृत रखता है। 22 जुलाई को तिरंगा दिवस पर्व की राष्ट्रीय छुट्टी की घोषणा कर पुरे राष्ट्र में बड़े धुमधाम व राष्ट्रीय गान से मनाए जाने के लिए राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से निवेदन की है।

नगालैंड की याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस, सेना के जवानों पर हत्याओं के लिए मुकदमा चलाने की मांग

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

नगालैंड के मोन जिले में सेना के जवानों द्वारा कथित तौर पर आम नागरिकों की हत्या करने के मामले में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। नगालैंड सरकार ने आरोपी 30 सैन्यकर्मियों पर मुकदमा चलाने की केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी न दिए जाने के फैसले को चुनौती दी है। नगालैंड सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और रक्षा मंत्रालय को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। इन सैन्यकर्मियों पर साल 2021 में राज्य में उग्रवादी समझकर 13 आम नागरिकों की हत्या करने का आरोप है।

तीन सितंबर को होगी अगली सुनवाई

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सोमवार को राज्य सरकार की दलीलों पर गौर किया और केंद्र और रक्षा मंत्रालय को नोटिस जारी किए। नगालैंड की याचिका पर अब सुप्रीम कोर्ट में 3 सितंबर को सुनवाई होगी। पिछले साल अप्रैल में केंद्र सरकार ने राज्य के मोन जिले के ओटिंग में घात लगाकर किए गए हमले में कथित रूप से शामिल सैन्यकर्मियों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। राज्य सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर की है। इस अनुच्छेद के तहत मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की जा सकती है। राज्य ने दावा किया कि उनके पास मेजर सहित सेना के जवानों के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं, और फिर भी केंद्र ने मनमाने ढंग से उन पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया है।

सैन्यकर्मियों का दावा, पहचान के बाद ही किया था हमला

राज्य ने कहा कि सेना की टीम ने कोयला खनिकों को ले जा रहे एक बोलेरो पिकअप वाहन पर बिना किसी चेतावनी के या उनसे अपनी पहचान बताने के लिए कहे बिना गोलियां चला दी थीं। जिसमें 13 आम नागरिक मारे गए थे। वहीं सैन्यकर्मियों का दावा है कि उन्होंने मारे गए लोगों की पहचान कर ली थी क्योंकि वे बंदूक और हथियार ले जा रहे थे, गहरे रंग के कपड़े पहने हुए थे और जल्दी से वाहन में कूद गए थे। ऐसे में खतरे को भांपते हुए उन्होंने गोलियां चलाईं। जुलाई 2022 में, शीर्ष अदालत ने आरोपी सैन्यकर्मियों की पत्नियों की याचिकाओं पर जवानों के खिलाफ मुकदमा चलाने पर रोक लगा दी थी। दरअसल अपनी याचिका में सैन्यकर्मियों की पत्नियों ने दावा किया था कि केंद्र से अभियोजन की जरूरी अनुमति लिए बगैर उनके पतियों पर राज्य द्वारा मुकदमा चलाया जा रहा था।

सुप्रीम कोर्ट को मिले दो नए जज, अब शीर्ष अदालत में न्यायाधीश का एक भी पद खाली नहीं

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह और न्यायमूर्ति आर महादेवन को मंगलवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। बता दें, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए इन नियुक्तियों की घोषणा की। गौरतलब है, दोनों न्यायमूर्तियों के शपथ ग्रहण करने के बाद न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित कुल न्यायाधीश फिर से 34 हो जाएंगे, जो शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की स्वीकृत अधिकतम संख्या है। जम्मू-कश्मीर के मुख्य न्यायाधीश एन कोटिश्वर सिंह मणिपुर से शीर्ष न्यायालय में नियुक्त होने वाले पहले न्यायाधीश बन गए हैं। वहीं, न्यायमूर्ति महादेवन वर्तमान में मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं।

आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किलें बढ़ीं, चिकित्सीय प्रमाण पत्रों की सत्यता की जांच करेगी पुलिस

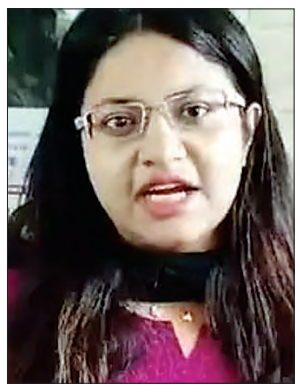

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। पुणे

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। अब खबर आई है कि पुणे पुलिस पूजा खेडकर के चिकित्सीय प्रमाण पत्रों (मेडिकल सर्टिफिकेट्स) की सत्यता की जांच करेगी। ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर पर शारीरिक दिव्यांगता वर्ग के तहत गलत तरीके से फायदा लेने का आरोप है। 2023 बैच की आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर का बीते दिनों ही पुणे से वाशिम जिले में ट्रांसफर किया गया था। महाराष्ट्र कैडर की आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर गलत तरीके से संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास करने का आरोप है। जिसमें उन्होंने खुद को कई शारीरिक समस्याएं होने का दावा किया था। आईएएस पूजा खेडकर ने संघ लोक सेवा आयोग में अपने कई चिकित्सीय प्रमाण पत्र जमा किए थे, जिनमें से एक प्रमाण पत्र में उन्होंने आंखों में परेशानी बताई थी, जिसकी वजह से उन्होंने देखने में थोड़ी समस्या होने का दावा किया था। आईएएस अधिकारी ने खुद को ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर वर्ग से संबंधित बताया था, लेकिन उनकी संपत्ति और उनके पिता की संपत्ति को लेकर जो खुलासा हुआ है, उसके बाद उनके इस दावे पर भी शंका जाहिर की जा रही है।

पूजा खेडकर की उम्मीदवारी की वैधता की जांच के लिए समिति गठित

ट्रेनी आईएएस अधिकारी पर अपने ताकत का गलत इस्तेमाल करने और पुणे में तैनाती के दौरान अपने विशेषाधिकारों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप है। इसे लेकर पुणे के जिलाधिकारी ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर शिकायत भी की थी। इसके बाद आईएएस पूजा खेडकर का पुणे से वाशिम तबादला कर दिया गया था। दिव्यांग विभाग के अधिकारी ने पुणे पुलिस और पुणे जिलाधिकारी को पत्र लिखकर आईएएस पूजा खेडकर के चिकित्सीय प्रमाण पत्रों की सत्यता जांचने की अपील की है। पुणे पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमें दिव्यांग विभाग के एक शीर्ष अधिकारी का पत्र मिला है। इस पत्र में उन्होंने पूजा खेडकर के चिकित्सीय प्रमाण पत्रों की सत्यता जांचने की मांग की है। हम प्रमाण पत्रों के तथ्यों की जांच करेंगे और ये भी पता लगाएंगे कि किस अस्पताल, किस डॉक्टर द्वारा इन प्रमाण पत्रों की सत्यता की पुष्टि की गई। बीते हफ्ते ही केंद्र सरकार ने भी एक समिति गठित की है, जो आईएएस पूजा खेडकर की उम्मीदवारी की जांच करेगी और दो हफ्ते में अपनी रिपोर्ट देगी। सरकार ने बताया कि अतिरिक्त सचिव रैंक के अधिकारी द्वारा ये जांच की जाएगी। उल्लेखनीय है कि एक आपराधिक मामले में पुणे पुलिस ने आईएएस पूजा खेडकर के माता-पिता के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है।

बैरिकेडिंग हटाने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची हरियाणा सरकार, 22 जुलाई को सुनवाई

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

छह महीने से बंद शंभू बॉर्डर से बैरिकेडिंग हटाने के खिलाफ हरियाणा सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 22 जुलाई को सुनवाई करेगा। हरियाणा सरकार ने एक सप्ताह में बॉर्डर से बैरिकेड हटाने आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। मंगलवार को न्यायाधीश सूर्याकांत और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने इस मुद्दे को अगले सोमवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने अग्निशिला अंक का किया विमोचन

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुंबई। हिंदी पत्रिका अग्निशिला के 20वें अंक का विमोचन महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने सह्याद्री अतिथिगृह में किया। इस अवसर पर संपादक अनिल गलगली उपस्थित थे।

शुभेंदु अधिकारी ने लॉन्च किया पोर्टल, दावा, जो वोट नहीं डाल सके वो कर सकेंगे पंजीकरण

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने एक पोर्टल लॉन्च किया है। इस पोर्टल में वो लोग शिकायत दर्ज कर पाएंगे, जिन्होंने आरोप लगाया है कि वे लोकसभा चुनाव और उपचुनाव के दौरान अपना वोट नहीं डाल सके। शुभेंदु अधिकारी का दावा है कि उपचुनाव के दौरान हजारों लोग अपना वोट नहीं डाल सके। शुभेंदु अधिकारी का दावा है कि लोकसभा चुनाव के दौरान लाखों हिंदुओं को वोट नहीं डालने दिया गया। अधिकारी के इस दावे पर टीएमसी ने भी पलटवार किया है। शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि जैसा कि मैंने वादा किया था, मैंने एक पोर्टल लॉन्च किया है, जहां वो मतदाता अपने आप को पंजीकृत कर सकेंगे, जिन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान और हालिया उपचुनाव के दौरान वोट नहीं डालने दिया गया। जिसे भी वोट देने नहीं दिया गया, वह खुद को इस पोर्टल पर पंजीकृत कर सकता है और उनकी गोपनीयता का पूरा ध्यान रखा जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि इस पोर्टल का लिंक है। शुभेंदु अधिकारी ने राजभवन के बाहर भी इस मुद्दे पर चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों के साथ विरोध प्रदर्शन करने का एलान किया है। इस दौरान वो लोग भी मौजूद रहेंगे, जिन्हें लोकसभा चुनाव और उपचुनाव में वोट डालने नहीं दिया गया था। शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को भी राजभवन के बाहर धरना दिया। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि बंगाल में लोकतंत्र मर चुका है। लगभग 50 लाख हिंदुओं को लोकसभा चुनाव में वोट नहीं डालने दिया गया। वहीं राज्य में हुए विधानसभा के चार सीटों पर हुए उपचुनावों में दो लाख से अधिक हिंदुओं को मतदान नहीं करने दिया गया।

टीएमसी ने बताया, बौखलाहट

वहीं शुभेंदु अधिकारी के दावे पर टीएमसी ने भी पलटवार किया है। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि %भाजपा और इसके नेता बौखलाहट में ऐसा कर रहे हैं क्योंकि वह बड़े-बड़े वादों के बावजूद सीटें जीतने में नाकाम रहे। घोष ने कहा कि %अधिकारी इस बात से बौखलाए हुए हैं कि बंगाल की जनता उन्हें बार-बार नकार रही है। उन्हें सच्चाई का सामना करना चाहिए। बंगाल में लोकसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ 12 सीटों पर जीत मिली थी, वहीं हालिया उपचुनाव में भाजपा चारों सीटों पर हार गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबंध संपादक- मनोज तिवारी) (नेशनल हेडः कमलेश फाइटर) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)